शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

# विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 12 | अंक : 312 | गुवाहाटी | गुरुवार, 18 जून, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

भारत का इतिहास गुलामी का नहीं, बल्कि आक्रांताओं के विरुद्ध सतत संघर्ष ... पेज 2
मोदी सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित प्रदर्शनी का मुख्यमंत्री... पेज 3
एक देश, एक चुनाव, स्वदेशी और नागरिक कर्तव्य विकसित भारत के ... पेज 5
फीफा विश्व कप 2026 : एम्बाप्पे के दो गोल की बदौलत फ्रांस ने सेनेगल... पेज 7

## ऑल असम न्यूजपेपर एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा से मुलाकात कर उनके दूसरे कार्यकाल के लिए दी बधाई, सौंपा ज्ञापन

**गुवाहाटी।** ऑल असम न्यूजपेपर एसोसिएशन के एक प्रतिनिधिमंडल ने आज दिसपुर स्थित लोक सेवा भवन में माननीय मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा से मुलाकात की। इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व एसोसिएशन के अध्यक्ष तथा विकसित भारत समाचार के संपादक राकेश शर्मा ने किया। वहीं सचिव शंकर गोहाईं, उपाध्यक्ष अनिल बर्मन और कुमुद नाथ भी उपस्थित रहे। प्रतिनिधिमंडल ने डॉ. शर्मा को असम के मुख्यमंत्री के तौर पर लगातार दूसरे कार्यकाल के लिए पदभार संभालने पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। माननीय मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने जनमत तैयार करने और

राष्ट्र-निर्माण में प्रिंट मीडिया की अहम भूमिका को स्वीकार किया। उन्होंने एसोसिएशन से आग्रह किया कि वे असम की विकास यात्रा को उजागर करने और सरकारी कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जागरूकता फैलाने में अपना सहयोग जारी रखें। बैठक का समापन राज्य की प्रगति के लिए मीडिया और सरकार की साझेदारी को मजबूत करने के आपसी संकल्प के साथ हुआ। ऑल असम न्यूजपेपर्स एसोसिएशन के एक डेलीगेशन ने आज मुख्यमंत्री और सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा से मुलाकात की ताकि असम के छोटे -शेष पृष्ठ दो पर

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

### सुप्रभात

*जैसे ही भय आपके करीब आए, उसपर आक्रमण कर उसे नष्ट कर दीजिए।*

-अज्ञात

### न्यूज गैलरी

## वडोदरा में सड़क हादसा, सात की मौत, 26 घायल

**वडोदरा ( हि.स. )।** गुजरात के वडोदरा शहर स्थित कोटंबी स्टेडियम के पास बुधवार तड़के करीब 4 बजे भीषण सड़क हादसा हो गया। राजस्थान के बांसवाड़ा से सूरत जा रही बस सड़क किनारे खड़े एक ट्रक से जा टकराई। हादसे में 7 लोगों की मौत हो गई, -शेष पृष्ठ दो पर

## अंबुवासी मेला के लिए राज्य तैयार, आठ लाख श्रद्धालुओं के आगमन की उम्मीद

**गुवाहाटी ( हि.स. )।** असम के प्रसिद्ध कामाख्या मंदिर में आयोजित होने वाले वार्षिक अंबुवासी मेले के लिए असम सरकार ने व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं। प्रशासन को इस वर्ष लगभग आठ लाख श्रद्धालुओं और आगंतुकों के पहुंचने की उम्मीद है। प्रदेश की पर्यटन मंत्री अजंता नेउग ने बुधवार को संवाददाता सम्मेलन में बताया कि श्रद्धालुओं के ठहरने के लिए तीन बड़े शिविर स्थापित किए गए हैं। बेहतर आवागमन सुनिश्चित करने के लिए सड़कों के मरम्मत और पुन: सतहीकरण का कार्य किया जा रहा है। साथ ही भीड़ प्रबंधन और सूचना प्रसारण के लिए सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली की व्यवस्था भी की गई है। उन्होंने कहा कि मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता एवं सफाई को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांग श्रद्धालुओं के लिए विशेष सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं ताकि उन्हें किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। मेले के दौरान खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए खाद्य निरीक्षकों की तैनाती की गई है। मंत्री ने बताया कि इस वर्ष अब तक असम में लगभग 85 लाख घरेलू और 42 हजार विदेशी पर्यटक पहुंच चुके हैं, जो राज्य के पर्यटन क्षेत्र में बढ़ती रुचि को दर्शाता है। गुवाहाटी के पुलिस उपायुक्त (यातायात) जयंत सारथी बोरा ने बताया कि मेले के दौरान नर्सरी प्वाइंट के आगे केवल आपातकालीन सेवाओं के वाहनों को ही जाने की अनुमति होगी। खाद्य सामग्री ले जाने वाले वाहन रात 11 बजे से सुबह 5 बजे तक ही संचालित हो सकेंगे। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पांडु मार्ग तथा सोनाराम स्कूल मैदान से फेरी सेवाओं की भी व्यवस्था की गई है। यातायात व्यवस्था के तहत कई मार्गों पर डायवर्जन लागू रहेगा और सड़क किनारे वाहन खड़े करने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। प्रशासन ने विभिन्न स्थानों पर पार्किंग स्थल निर्धारित किए हैं। पर्यटन विभाग के आयुक्त एवं सचिव दिगंत बोरा ने बताया कि

श्रद्धालुओं को सुबह 5 बजे से शाम 6 बजे तक कामाख्या मंदिर की ओर जाने की अनुमति होगी। उन्होंने चेतावनी दी कि शराब या मादक पदार्थों के प्रभाव में पाए जाने वाले व्यक्तियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि मंदिर परिसर में प्रवेश करने वाले श्रद्धालुओं को जूते-चप्पल उतारकर ही आगे बढ़ना होगा। देश के विभिन्न हिस्सों से लाखों श्रद्धालुओं के आगमन को देखते हुए प्रशासन ने विश्वास जताया है कि सभी व्यवस्थाएं मेले को सुरक्षित, सुव्यवस्थित और श्रद्धापूर्ण ढंग से संपन्न कराने में सहायक होंगी। उधर कामाख्या धाम में आयोजित होने वाले अंबुवासी मेले के मद्देनजर पांडु-मालीगांव इलाके में श्रद्धालुओं के रहने, खाने और अन्य सुविधाओं के लिए व्यापक तैयारियां शुरू की गई हैं। मेला के दौरान श्रद्धालुओं की सेवा में कोई कमी न रहे, इस उद्देश्य के साथ राज्य सरकार की मंत्री अजंता नेउग ने बुधवार को विभिन्न अस्थायी शिविरों और सेवा व्यवस्थाओं की तैयारियों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उनके साथ स्थानीय पार्षद अजय चक्रवर्ती, जालुकबाड़ी मंडल -शेष पृष्ठ दो पर

## नीट की पुनर्परीक्षा के सुचारू संचालन के लिए सख्त कदम उठाए गए : सीएम

**गुवाहाटी।** असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को 21 जून, 2026 को होने वाली नीट-यूजी 2026 की पुनर्परीक्षा के संबंध में प्रमुख हितधारकों के साथ एक बैठक की अध्यक्षता की। यह पुनर्परीक्षा असम भर के 17 परीक्षा जिलों में स्थित 88 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की जाएगी, जिसमें 43,000 से अधिक उम्मीदवार शामिल होंगे। असम ने पूरी प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की खामी न रहे, यह सुनिश्चित करने के लिए हमेशा कड़े कदम उठाए हैं। मैंने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे निगरानी जारी रखें और यह सुनिश्चित करें कि परीक्षाएं स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से आयोजित हों, मुख्यमंत्री ने बैठक के बाद कहा। उन्होंने कहा कि हमारे छात्रों -शेष पृष्ठ दो पर

## काटिगोरा से अगवा किए गए किसान को बांग्लादेश ने नो-मैन्स लैंड में छोड़ा

**सिलचर।** बांग्लादेश सीमा रक्षक बल (बीजीबी) ने मंगलवार (16 जून, 2026) की सुबह सीमा के भारतीय हिस्से से कथित तौर पर अपहरण किए गए दक्षिणी असम के कछार जिले के 60 वर्षीय किसान को 10 घंटे से अधिक समय बाद वापस लौटा दिया। हालांकि रणजीत दास को कछार के काटिगोरा के किन्नरखाल इलाके से ले जाया गया था, लेकिन बाद में दिन में बीजीबी कर्मियों ने उसे पड़ोसी श्रीभूमि जिले के भंगा सीमा चौकी पर अपने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) समकक्षों को सौंप दिया। दक्षिणी असम में तैनात बीएसएफ के एक अधिकारी ने -शेष पृष्ठ दो पर

## राष्ट्रपति और पीएम का दौरा, पहाड़पुर में मीडिया प्रवेश पर रोक

**भुवनेश्वर ( हि.स. )।** राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रस्तावित ओड़िशा राज्य के मयूरभंज जिले दौरे को देखते हुए जिला प्रशासन ने 20 जून को पहाड़पुर गांव में मीडिया के प्रवेश पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया है। प्रशासन ने उच्च स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था का हवाला देते हुए यह निर्णय लिया है। मयूरभंज (बारीपदा) के जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी (डीआई एंड पीआरओ) द्वारा जारी आधिकारिक पत्र में प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रतिनिधियों को 20 जून को पहाड़पुर गांव न जाने के निर्देश दिए गए हैं। यह फैसला जिला खुफिया ब्यूरो (डीआईबी) और पुलिस अधीक्षक की सिफारिश पर लिया गया है, ताकि वीवीआईपी कार्यक्रम का शांतिपूर्ण और सुरक्षित संचालन सुनिश्चित किया जा सके। जिला प्रशासन ने सभी मीडिया संस्थानों से सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करते हुए सहयोग करने की अपील की है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 19 जून को मयूरभंज पहुंचेंगी, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 20 जून को जिले के दौरे पर आएंगे। दोनों शीर्ष -शेष पृष्ठ दो पर

*ईरान सीजफायर पर ट्रंप की नई धमकी*

## बात नहीं बनी तो फिर से बमबारी शुरू कर देंगे

**पेरिस।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान के साथ टकराव खत्म करने के लिए साइन किया गया समझौता (एमओयू) अंतिम नहीं है, और अगर तेहरान ठीक से पेश नहीं आता है तो वे फिर से बमबारी शुरू कर सकते हैं। फ्रांस में जी-7 समिट में ट्रंप की ये कड़ी बातें जो स्विट्जरलैंड में अमेरिका और ईरान के बीच एमओयू पर आधिकारिक तौर पर साइन होने से ठीक दो दिन पहले कही गईं। इस समझौते के नाजुक होने का संकेत देती हैं। ट्रंप ने कहा कि यह कोई फाइनल समझौता नहीं है। यह सिर्फ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) है। अगर मुझे यह पसंद नहीं आया या वे (ईरान) ठीक से पेश नहीं आए, तो हम सीधे उनके सिर पर बम गिराने लगेंगे... क्योंकि वे 47 सालों से गलत हरकतें करते आ रहे हैं। इससे पहले, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की इस घोषणा के बाद कि ईरान के -शेष पृष्ठ दो पर

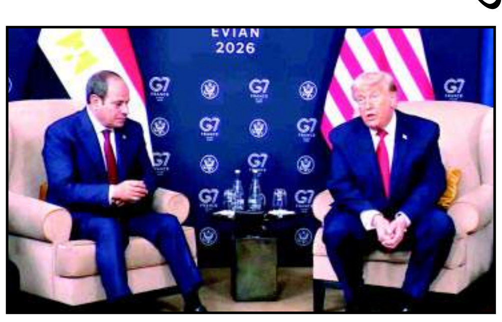


## देश का रक्षा उत्पादन वित्त वर्ष 2025-26 में रिकॉर्ड 1.78 लाख करोड़ रुपए पर पहुंचा

**नई दिल्ली ( हि.स )।** देश के रक्षा उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज हुई है। भारत का वार्षिक रक्षा उत्पादन वित्त वर्ष 2025-26 में 1.78 लाख करोड़ रुपए के रिकॉर्ड सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक यह ऐतिहासिक उपलब्धि पिछले वित्त वर्ष 2024-25 के 1.54 लाख करोड़ रुपए के उत्पादन के मुकाबले में 15.6 फीसदी की वृद्धि -शेष पृष्ठ दो पर

## मेसी टीम ने किया पुलिस को ई-मेल, पूर्व खेल मंत्री अरूप विश्वास पर लगाया आरोप

**कोलकाता ( हि.स. )।** अर्जेंटीना के फुटबॉल स्टार लियोनेल मेसी के पिछले वर्ष दिसंबर में हुए कोलकाता दौरे के दौरान कथित अव्यवस्था को लेकर विवाद ने नया मोड़ ले लिया है। मेसी की टीम से जुड़े एक सदस्य ने विधाननगर पुलिस आयुक्त को भेजे गए ई-मेल में उस समय के खेल मंत्री अरूप विश्वास को सीधे तौर पर घटना के लिए जिम्मेदार ठहराया है। सूत्रों के अनुसार, ई-मेल भेजने वाले व्यक्ति मेसी के *गोट* टूर के दौरान उनके सलाहकार के रूप में कोलकाता आए थे और कार्यक्रम के दिन मेसी के साथ मैदान पर भी मौजूद थे। ई-मेल में दावा किया गया है कि अरूप विश्वास के मैदान में प्रवेश करने के बाद ही पूरे घटनाक्रम में अव्यवस्था शुरू हुई। आरोप लगाया गया है कि उन्होंने मैदान में पहुंचकर ऐसे कई कार्य किए जो पूर्व निर्धारित कार्यक्रम का हिस्सा नहीं थे। ई-मेल में यह भी कहा गया है कि कार्यक्रम के आयोजक शतद्रु दत्त इस स्थिति के लिए जिम्मेदार नहीं थे और मेसी के निर्धारित समय से -शेष पृष्ठ दो पर

## शिवसेना यूबीटी के छह बागी सांसदों ने पार्टी छोड़ी, शिंदे समूह में होंगे शामिल

**मुंबई ( हि.स. )।** शिवसेना यूबीटी के छह बागी सांसदों ने बुधवार को पार्टी छोड़कर अलग गुट बना लिया है। यह सभी बागी सांसद 19 जून को शिवसेना के शिंदे समूह में शामिल होने वाले हैं। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के कार्यालय ने इन सभी छह बागी सांसदों को अलग गुट की मान्यता दे दी है। शिंदे समूह की राष्ट्रीय प्रवक्ता साईना एनसी ने बुधवार को बताया कि उनकी पार्टी का ऑपरेशन *प्रगति* सफल हो गया है। बहुत जल्द यह सभी छह सांसद उनकी पार्टी में शामिल होंगे। शिवसेना यूबीटी के नौ सांसद वर्ष 2024 में हुए लोकसभा चुनाव में जीते थे। इनमें से धाराशिव से ओमराजे निंबालकर, परभणी से संजय जाधव, मुंबई उत्तर-पूर्व से संजय दीना पाटिल, हिंगोली से -शेष पृष्ठ दो पर

## मप्र विस के मानसून सत्र में पेश होगा यूसीसी विधेयक : मुख्यमंत्री

**भोपाल ( हि.स. )।** मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को स्पष्ट संकेत दिए कि विधानसभा के आगामी मानसून सत्र में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक पेश किया जाएगा और सरकार इसे इसी सत्र में पारित कराने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री यादव ने पूर्व मुख्यमंत्री कैलाश नाथ काटजू की जयंती पर विधानसभा परिसर में आयोजित श्रद्धांजलि समारोह के बाद मीडिया से बातचीत में संकेत दिए कि सरकार यूसीसी विधेयक इसी सत्र में विधानसभा में लाएगी। उन्होंने विश्वास जताया कि यदि सब कुछ योजना के अनुरूप रहा तो यह इसी सत्र में पारित भी हो जाएगा। मुख्यमंत्री के इस बयान से स्पष्ट है कि राज्य सरकार यूसीसी को लेकर केवल चर्चा के स्तर पर नहीं, बल्कि उसे कानून का स्वरूप देने की ठोस योजना के साथ अपने कदम बढ़ा चुकी है। सरकार का लक्ष्य इस वर्ष दीपावली तक प्रदेश में यूसीसी को पूरी तरह लागू करना है। मध्य प्रदेश में यदि यूसीसी विधेयक पारित होकर लागू किया जाता है तो उत्तराखंड और गुजरात के बाद इस कानून को लागू करने वाला वह देश का तीसरा राज्य बन -शेष पृष्ठ दो पर

## सुप्रीम कोर्ट की रजिस्ट्री से *गायब* हुई फाइल

**नई दिल्ली।** सुप्रीम कोर्ट रजिस्ट्री द्वारा एक केस फाइल खो देने के आरोप पर कड़ा रुख अपनाते हुए प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने बुधवार को कहा कि वह इस मामले को देखेंगे और इस लापरवाही की जांच करेंगे। प्रधान न्यायाधीश और जस्टिस वी. मोहना की पीठ के समक्ष एक वकील ने कहा कि इस महीने की शुरुआत में एक याचिका दायर की थी, लेकिन उसे अभी तक सूचीबद्ध नहीं किया गया। उन्होंने इस बारे में रजिस्ट्रार को लिखा था, लेकिन लगता है कि रजिस्ट्री ने फाइल खो दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए उन्होंने पीठ से अनुरोध किया कि याचिका को सूचीबद्ध किया जाए। सीजेआइ ने कहा कि अगर रजिस्ट्री ने फाइल खो दी है, तो यह गंभीर मामला है। अगर हमारी रजिस्ट्री जरूरी मामलों -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

# भारत का इतिहास गुलामी का नहीं, बल्कि आक्रांताओं के विरुद्ध सतत संघर्ष का रहा है : डॉ. मोहन भागवत

**उदयपुर ( हि.स. )।** राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि भारत का इतिहास गुलामी का नहीं, बल्कि आक्रांताओं के विरुद्ध सतत संघर्ष का रहा है। हल्दीघाटी का युद्ध केवल महाराणा प्रताप या उनकी सेना का युद्ध नहीं था, बल्कि पूरे समाज के सामूहिक प्रतिरोध का प्रतीक था। उन्होंने कहा कि उपलब्ध ऐतिहासिक तथ्यों और स्वयं मुगल इतिहासकारों के विवरणों से स्पष्ट होता है कि हल्दीघाटी में विजय महाराणा प्रताप की ही हुई थी। भागवत बुधवार को उदयपुर के गांधी मैदान में महाराणा प्रताप की 486वीं जयंती तथा हल्दीघाटी विजय के 450 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित *राष्ट्र चेतना संकल्प सभा* को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज देशभर में महाराणा प्रताप की जयंती श्रद्धा और गौरव के साथ मनाई जाती है। यह इस बात का प्रमाण है कि राष्ट्र अपने उन महापुरुषों को स्मरण करता है जिन्होंने स्वाभिमान, स्वतंत्रता और संस्कृति की रक्षा के लिए संघर्ष किया। उन्होंने कहा कि हल्दीघाटी के युद्ध में सेना, संसाधन और शस्त्रों के स्तर पर मुगल साम्राज्य का पलड़ा भारी था। महाराणा प्रताप के पास सीमित साधन थे, धन कम था और सैन्य शक्ति भी अपेक्षाकृत कम थी, फिर भी उन्होंने संघर्ष का मार्ग नहीं छोड़ा। उन्होंने कहा कि भारत का समाज कभी भी पराधीनता को सहज रूप से स्वीकार करने वाला नहीं रहा। जब भी किसी आक्रांता ने इस भूमि पर अधिकार करने का प्रयास किया, उसी क्षण से उसके प्रतिरोध की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई। सरसंघचालक ने कहा कि इतिहास के अनेक प्रसंगों को समय-समय पर एक विशेष नैरेटिव के तहत प्रस्तुत किया गया। हल्दीघाटी के युद्ध के संदर्भ में भी ऐसी ही स्थिति देखने को मिलती है। उन्होंने कहा कि मुगल इतिहासकारों के विवरणों में स्वयं उल्लेख मिलता है कि युद्ध के दौरान मुगल सेना को पीछे हटना पड़ा था। यदि युद्ध के विभिन्न चरणों में मुगल सेना को लगातार कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ा और युद्ध के बाद भी वह भय और असुरक्षा की स्थिति में रही, तो यह विचार करना आवश्यक है कि वास्तविक विजय किसकी थी। भागवत ने युद्ध के विभिन्न प्रसंगों का उल्लेख करते हुए कहा कि पहले आक्रमण में मुगल सेना को पीछे हटना पड़ा। दूसरे चरण में प्रताप की सेना के पराक्रम का ऐसा प्रभाव दिखाई दिया कि शत्रु पक्ष के प्रमुख योद्धाओं को भारी क्षति उठानी पड़ी। उन्होंने चेतक के अद्वितीय साहस और युद्ध कौशल का भी उल्लेख किया। तीसरे चरण के युद्ध के बाद मुगल सेना की स्थिति ऐसी थी कि वह खुले रूप से आगे बढ़ने का साहस नहीं कर सकी और स्वयं को सुरक्षित रखने के प्रयासों में लगी रही। उन्होंने कहा कि भारत का इतिहास उन लोगों का इतिहास नहीं है जो पराजित होकर बैठ गए, बल्कि उन लोगों का इतिहास है जिन्होंने निरंतर संघर्ष किया। उन्होंने कहा कि पश्चिम से उठी वह आक्रामक लहर, जिसने स्पेन से लेकर साइबेरिया तक अपना प्रभाव स्थापित किया था, भारत में भी प्रवेश करना चाहती थी, किंतु बप्पा रावल, ललितादित्य और अन्य वीरों के कारण उसे यहां अपेक्षित सफलता नहीं मिल सकी। भागवत ने कहा कि भारतीय समाज ने अनेक कठिनाइयों और संघर्षों का सामना किया, किंतु अपनी संस्कृति और धर्म को सुरक्षित रखा। उन्होंने कहा कि समाज में मतभेद हो सकते हैं, लेकिन जब राष्ट्र और संस्कृति पर संकट आता है तो भारत का समाज एकजुट होकर खड़ा हो जाता है।

## चोरी के मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार

**गुवाहाटी ( हिंस )।** गुवाहाटी के बशिष्ठ थाना की ईजीपीडी टीम ने लालमाटी स्थित महिंद्रा शोरूम में हुई चोरी के एक मामले का सफलतापूर्वक खुलासा किया है। आरोपियों द्वारा शोरूम से बार-बार एसी पाइप, विद्युत तार तथा अन्य सामग्री चोरी की जा रही थी। चोरी को अंजाम देने के दौरान सीसीटीवी और बिजली के तार भी काट दिए गए थे। असम पुलिस आयुक्तालय की ओर से बुधवार को जारी आधिकारिक बयान के अनुसार, तकनीकी विश्लेषण और लगातार जांच के आधार पर पुलिस ने आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों में हाथीगांव निवासी मृदुल अली (29), त्रिपुरा रोड निवासी शंकर पाठक उर्फ सुना आपा (22) तथा मेघालय के री-भोई जिले के नौ माइल बरिदुआ निवासी जास्मिनारा बेगम (40) शामिल हैं। पुलिस ने मेघालय के बरिदुआ स्थित किलिंग गेट क्षेत्र से चोरी के सामान का बड़ा जखीरा बरामद किया है। बरामद वस्तुओं में विद्युत केबल, इंसुलेशन सामग्री, धातु के बर्तन, बैटरियां, मोटर, लोहे की छड़ें तथा अन्य चोरी का सामान शामिल है।

## रांची में संघ कार्यालय पर पेट्रोल बम हमले की जांच तेज, एसआईटी गठित एनआईए-बीडीएस ने की जांच

**रांची ( हि.स. )।** झारखंड की राजधानी रांची के चुटिया थाना क्षेत्र स्थित निवारणपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत कार्यालय पर पेट्रोल बम से हुए हमले के बाद पुलिस जांच तेज कर दी गई है। घटना की गंभीरता को देखते हुए रांची पुलिस ने विशेष जांच टीम (एसआईटी) का गठन किया है, जबकि मामले की जांच में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) और बम निरोधक दस्ता (बीडीएस) की टीम भी शामिल हो चुकी है। पुलिस के अनुसार, 16 जून की रात लगभग 12 बजकर 36 मिनट पर दो अज्ञात हमलावरों ने कार्यालय परिसर पर पेट्रोल बम से हमला किया। सीसीटीवी फुटेज में दोनों हमलावरों को बम फेंकते हुए देखा गया है। बताया गया है कि एक पेट्रोल बम कार्यालय की छत पर गिरा, जिससे जोरदार धमाका हुआ। घटना के बाद मौके पर पहुंची बीडीएस टीम ने जांच में पुष्टि की कि हमले में पेट्रोल का ही इस्तेमाल किया गया था और किसी प्रकार का विस्फोटक पदार्थ बरामद नहीं हुआ है। अधिकारियों के अनुसार यह पूरी वारदात आगजनी की कोशिश से जुड़ी हुई प्रतीत होती है। इसके बाद एनआईए की टीम ने भी घटनास्थल का विस्तृत निरीक्षण किया और परिसर के कई हिस्सों की जांच की। हालांकि जांच के निष्कर्षों को आधिकारिक रूप से सार्वजनिक नहीं किया गया है। पुलिस ने हमले में प्रयुक्त चार पहिया वाहन को बरामद कर लिया है और उसके मालिक की पहचान की जा रही है।

## छयगांव कृषि अधिकारी कार्यालय में संपन्न हुआ बीज वितरण कार्यक्रम

**गुवाहाटी ( हिंस )।** गुवाहाटी के छयगांव में कृषि विभाग की ओर से धान के बीज वितरण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न किया गया। बुधवार को असम सरकार के कृषि विभाग के निर्देशानुसार स्थानीय किसानों को लाभान्वित करने के उद्देश्य से *गितेश* नामक धान की एक उन्नत किस्म के बीज का औपचारिक रूप से वितरण किया गया। छयगांव के किसानों की जरूरतों के अनुकूल, इस अधिक उपज देने वाली और रोग-प्रतिरोधी क्षमता से युक्त बीज को प्रदान करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। कृषि विभाग की ओर से जानकारी दी गई है कि यह धान 140-145 दिनों के भीतर पककर तैयार हो जाएगा और किसानों को बेहतर मुनाफा (मांग) प्रदान करेगा। कृषि के क्षेत्र में अत्यधिक संभावनाओं वाले इस व्यापक छयगांव कृषि क्षेत्र की विभिन्न सुविधाओं और समस्याओं को ध्यान में रखते हुए कृषि अधिकारियों ने स्थानीय किसानों के साथ विचार-विमर्श भी किया।

## कार्बी आंग्लांग और डीमा हसाओ में विकास यात्रा जारी : भाजपा

**गुवाहाटी ( हिंस )।** असम भाजपा ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई की उस टिप्पणी को खारिज किया है, जिसमें उन्होंने वर्तमान मंत्रिमंडल में कार्बी आंग्लांग और डीमा हसाओ जिलों का प्रतिनिधित्व नहीं होने का मुद्दा उठाया था। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता कल्याण गोगोई ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व में इन दोनों पहाड़ी जिलों में विकास की यात्रा निरंतर जारी है। बुधवार को भाजपा के प्रदेश मुख्यालय अटल बिहारी वाजपेयी भवन से जारी एक बयान में कल्याण गोगोई ने कहा कि भाजपा गठबंधन सरकार ने कार्बी आंग्लांग और डीमा हसाओ की दीर्घकालिक समस्याओं के समाधान तथा सर्वांगीण विकास के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के उद्देश्य से अनेक विकास परियोजनाएं लागू की गई हैं। बयान के अनुसार, डीमा हसाओ में चार लेन राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण से प्रभावित 884 परिवारों को मुआवजा दिया गया है। वहीं, कार्बी आंग्लांग के लोंगवोकू में 335 करोड़ रुपए की लागत से असम के दूसरे सैनिक स्कूल का निर्माण कार्य शुरू हो चुका है। इस परियोजना की 80 प्रतिशत राशि केंद्र सरकार का रक्षा मंत्रालय और 20 प्रतिशत राशि असम सरकार वहन करेगी।

## गुवाहाटी में अलग-अलग अभियानों में दो ड्रग्स तस्कर गिरफ्तार

**गुवाहाटी ( हिंस )।** असम पुलिस के *असम अगेंस्ट ड्रग्स* अभियान के तहत बुधवार को गुवाहाटी में चलाए गए दो अलग-अलग अभियानों में दो कथित ड्रग्स तस्करों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने उनके कब्जे से हेरोइन, नकदी, वाहन और अन्य सामान बरामद किया है। पुलिस आयुक्तालय के अनुसार, पहले अभियान में पलटन बाजार थाना की सीजीपीडी टीम ने सिपाझार निवासी 50 वर्षीय मोमता बेगम को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उसके पास से 11 शीशियों में रखी गई 15.79 ग्राम हेरोइन तथा 640 रुपए नकद बरामद किए गए। एक अन्य अभियान में बशिष्ठ थाना की ईजीपीडी टीम ने लालमाटी और बेहारबाड़ी के बीच सर्विस रोड के निकट स्थित एक ठिकाने पर छापामारी कर बोको निवासी 30 वर्षीय गुल महम्मद अली को गिरफ्तार किया।

# पृष्ठ एक का शेष

### ऑल असम न्यूजपेपर एसोसिएशन ...

और मीडियम डेली न्यूजपेपर्स की लंबे समय से चली आ रही समस्याओं को हल किया जा सके। डेलीगेशन ने मुख्यमंत्री को एक मेमोरेंडम सौंपा जिसमें छोटे और मीडियम न्यूजपेपर्स के हितों की रक्षा की मांग की गई। डेलीगेशन ने मुख्यमंत्री का ध्यान अखबारों की आर्थिक तंगी, सरकारी विज्ञापन मिलने में आने वाली समस्याओं और असमिया भाषा और साहित्य के विकास में छोटे और मीडियम न्यूजपेपर्स की भूमिका की ओर दिलाया। मेमोरेंडम में कहा गया है कि राज्य में बड़े न्यूजपेपर ग्रुप्स के साथ-साथ छोटे और मीडियम लेवल पर भी कई डेली, वीकली, सेमी-वीकली, पाक्षिक और मंथली न्यूजपेपर और मैगजीन रेगुलर तौर पर पब्लिश होते हैं। ये अखबार न सिर्फ खबरें छापते हैं, बल्कि असमिया भाषा, साहित्य, संस्कृति, कला, खेल और सामाजिक जीवन के अलग-अलग पहलुओं को बढ़ावा देने में भी अहम भूमिका निभाते हैं। डेलीगेशन ने कहा कि नए लेखकों, पत्रकारों, साहित्यिक और क्रिएटिव टैलेंट के लिए पहले आउटलेट के तौर पर छोटे और मीडियम साइज के अखबारों का योगदान भी अहम है। ये अखबार असमिया भाषा के प्रचार और बचाव के लिए लगातार काम कर रहे हैं। मेमोरेंडम में यह भी कहा गया कि प्रिंट मीडिया, खासकर छोटे और मीडियम साइज के अखबार, महामारी के बाद से गहरे फाइनेंशियल संकट का सामना कर रहे हैं। हालांकि, कई अखबार नुकसान और अनिश्चित भविष्य के बावजूद रेगुलर छप रहे हैं। डेलीगेशन ने कहा कि ऐसे हालात में छोटे और मीडियम अखबारों के लिए सरकारी सहयोग जरूरी है। उन्होंने असमिया भाषा को क्लासिकल भाषा का दर्जा देने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा की पहल का भी जिक्र किया। डेलीगेशन ने कहा कि छोटे और मीडियम अखबार असमिया भाषा और साहित्य को जिंदा रखने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। इसलिए, भाषा और संस्कृति को बचाने के लिहाज से इन अखबारों को मजबूत करना भी जरूरी है। डेलीगेशन ने मुख्यमंत्री से रेगुलर छपने वाले रोजाना के अखबारों को क्लासिफाइड और डिस्प्ले एडवर्टाइजमेंट देने के लिए कदम उठाने की अपील की। उनके मुताबिक, रेगुलर रीडर्स और कंज्यूमर्स का क्लासिफाइड एड्स से गहरा रिश्ता होता है। ऐसे एड्स अखबार के रीडर्स-बेस को मजबूत करते हैं और साथ ही एडवरटाइजिंग के मकसद भी पूरे होते हैं। मीटिंग में चीफ मिनिस्टर डॉ. हिमंत विश्व शर्मा भी शामिल हुए, जिन्होंने डेलीगेशन को भरोसा दिलाया कि सरकार असम में हर अखबार को जिंदा रखने के लिए पॉजिटिव है। चीफ मिनिस्टर ने कहा कि सरकार यह पक्का करेगी कि कोई भी अखबार, चाहे वह छोटा हो, मीडियम हो या बड़ा, एडवरटाइजिंग की सुविधाओं से वंचित न रहे। चीफ मिनिस्टर ने आगे कहा कि सरकार हमेशा उन इंस्टीट्यूशन्स को सपोर्ट करने में इंटरेस्टेड है जिन्होंने असम के युवाओं को नौकरी दी है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सरकार अखबारों के प्रति भी पॉजिटिव अप्रोच अपनाएगी। ऑल असम न्यूजपेपर्स एसोसिएशन के डेलीगेशन ने चीफ मिनिस्टर के भरोसे का स्वागत किया और उम्मीद जताई कि सरकार की पॉजिटिव पहल से राज्य के छोटे और मीडियम अखबारों को नए जोश के साथ आगे बढ़ने में मदद मिलेगी। उनका मानना है कि इस मदद से न सिर्फ अखबार मजबूत होंगे बल्कि असमिया भाषा, लिटरेचर और कल्चर का भी विकास होगा।

### अंबुवासी मेला के लिए ...

अध्यक्ष पियाल शंकर दे और विभिन्न विभागों के उच्च अधिकारी मौजूद थे। मंत्री अजंता नेउग ने संबंधित विभागों की तैयारियों की समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। विभिन्न विभाग अस्थायी शिविरों में श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कई सरकारी और गैर-सरकारी संस्थान मुस्तैद रहेंगे। जिनमें प्रमुख रूप से पर्यटन विभाग और कामरूप (मेट्रो) जिला प्रशासन, एसडीआरएफ), एनडीआरएफ और सिविल डिफेंस, बिजली विभाग और पुलिस कंट्रोल ऑफिस, स्वास्थ्य विभाग और अग्निशमन दल, पीडब्ल्यूडी (भवन) और पीएचई विभाग, जालुकबारी नागरिक समिति एवं अन्य सामाजिक संगठन शामिल हैं। **पांडु पोर्ट शिविर :** पांडु पोर्ट पर बनाए जा रहे अस्थायी शिविर का काम अंतिम चरण में है। यहां लगभग 50,000 श्रद्धालुओं के रहने और अन्य आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था की गई है। **कामाख्या रेलवे स्टेशन क्षेत्र :** कामाख्या रेलवे स्टेशन के पास करीब 50 से 70 हजार श्रद्धालुओं के ठहरने और आवश्यक सेवाएं प्रदान करने के लिए कई शिविर बनाए गए हैं। **अन्य प्रमुख स्थल :** इसके अलावा बड़ाबाजार मंदिर परिसर, रेस्ट कैंप काली मंदिर परिसर और पांडु कॉलेज गेट के पास उत्तर सारथी खेल मैदान में भी श्रद्धालुओं के रहने और भोजन की विशेष व्यवस्था की गई है। सूत्रों के अनुसार, अंबुवासी मेले में पहुंचने वाले लाखों श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ को देखते हुए प्रशासन और विभिन्न स्वयंसेवी संगठन मिलकर काम कर रहे हैं।

### नीट की पुनर्परीक्षा के ...

के भविष्य के साथ कोई समझौता नहीं किया जाएगा। समीक्षा बैठक का विवरण देते हुए शर्मा ने कहा कि नीट पुनर्परीक्षा की निष्पक्षता बनाए रखने के लिए कई उपाय किए गए हैं। राज्य सरकार के शून्य सहिष्णुता के दृष्टिकोण पर जोर देते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि वैध प्रवेश पत्र वाले सभी उम्मीदवारों को परीक्षा केंद्रों तक मुफ्त यात्रा की सुविधा प्रदान की जाएगी, जहां उन्हें दोहरी स्तर की तलाशी से गुजरना होगा। सभी परीक्षा केंद्रों के 100 मीटर के दायरे में धारा 144 लागू रहेगी और यह क्षेत्र 24 घंटे पुलिस सुरक्षा में रहेगा, शर्मा ने जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रश्न पत्र सैन्य अधिकारियों द्वारा परीक्षा केंद्रों तक पहुंचाए जाएंगे। सभी परीक्षा केंद्र सीसीटीवी निगरानी में रहेंगे। गौरतलब है कि असम के मुख्य सचिव रवि कोटा ने 30 मई को राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) के दिशानिर्देशों के अनुसार आयोजित होने वाली नीट पुनर्परीक्षा की तैयारियों की समीक्षा की थी। जिलेवार तैयारियों की समीक्षा करते हुए, कोटा ने डीसी और एसएसपी को सभी व्यवस्थाओं की व्यक्तिगत रूप से निगरानी करने का निर्देश दिया।

### काटिगोरा से अगवा किए...

बताया कि हमारे [किन्नरखाल] चौकी के पास स्थित चंदीनगर पार्ट-2 गांव का निवासी वह व्यक्ति, दोनों देशों के सीमा सुरक्षा बलों के बीच कई ध्वज-वार बैठकों के बाद रात 9.15 बजे रिहा किया गया। बाद में, स्थानीय पुलिस श्री दास को चिकित्सा परीक्षण और प्रारंभिक उपचार के लिए काटिगोरा मॉडल अस्पताल ले गई। उन्होंने बताया कि अपहरणकर्ताओं ने शुरू में उनके साथ मारपीट की थी, लेकिन अंतर्राष्ट्रीय सीमा के बांग्लादेश की ओर स्थित एक घर में 10 घंटे की कैद के दौरान उनके साथ काफी अच्छा व्यवहार किया गया। भारत और बांग्लादेश 4,096.7 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करते हैं। मेघालय द्वारा अलग किया गया असम क्षेत्र 263 किलोमीटर लंबा है। शून्य रेखा—दोनों देशों के बीच वास्तविक सीमा रेखा—उन नदियों के मध्य बिंदु से होकर गुजरती है जो बांग्लादेश के साथ असम की 45 किलोमीटर से अधिक की सीमा को सीमांकित करती हैं। किसान के बेटे सुजीत दास ने बताया कि उनके पिता 16 अन्य लोगों के साथ *नो-मैन्स लैंड* (निर्जन क्षेत्र) में अपने खेतों में काम करने और अपने मवेशियों के लिए घास काटने गए थे। शून्य रेखा के दोनों ओर 150 गज की पट्टी को नो-मैन्स लैंड कहा जाता है। उन्होंने बताया कि बीएसएफ द्वारा सुबह सीमा द्वार संख्या 31 खोले जाने के बाद वे कांटेदार तार की बाड़ पार कर गए।

### बात नहीं बनी तो ...

साथ डील *पूरी* हो गई है और शुक्रवार को उस पर साइन किए जाएंगे, अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने सोमवार को कहा कि दोनों पक्षों ने पहले ही डिजिटल रूप से डील पर साइन कर लिए हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि समझौते के तहत तेहरान को प्रतिबंधों में कोई भी छूट, समझौते के तहत किए गए वादों को इस्लामिक रिपब्लिक द्वारा पूरा करने पर निर्भर करेगी। एमबीसी के *गुड मॉर्निंग अमेरिका* कार्यक्रम में बात करते हुए वेंस ने कहा कि डील पर साइन होने के बाद ईरान को कोई आर्थिक रियायत नहीं दी गई है वेंस ने कहा कि हमने कल ही डिजिटल रूप से डील पर साइन कर लिए थे और कोई पैसा जारी नहीं किया गया है, और इसमें कोई बदलाव नहीं होगा। उन्होंने इस सवाल का जवाब देते हुए यह बात कही कि क्या समझौते पर साइन करने के बाद ईरान को प्रतिबंधों से राहत मिलेगी या उसकी फ्रीज की गई संपत्ति तक पहुंच मिलेगी।

### देश का रक्षा उत्पादन ...

को दर्शाती है। मंत्रालय के मुताबिक इसके अलावा वित्त वर्ष 2020-21 की तुलना में इसमें 110 फीसदी की भारी बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जब रक्षा उत्पादन का आंकड़ा 84,643 करोड़ रुपए था। मंत्रालय ने कहा कि रक्षा क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रमों और अन्य सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों का कुल उत्पादन में करीब 76 फीसदी हिस्सा रहा, जबकि निजी क्षेत्र का योगदान 24 फीसदी रहा है, जो वित्त वर्ष 2024-25 के 22 फीसदी से अधिक है। वित्त वर्ष 2025-26 में निजी क्षेत्र का हिस्सा लगभग 42,000 करोड़ रुपए के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया है। यह रक्षा इकोसिस्टम में इसकी बढ़ती भूमिका को दर्शाता है। पिछले कुछ वर्षों में रक्षा के उत्पादन में हुई वृद्धि ने वित्त वर्ष 2025-26 में 38,424 करोड़ रुपए के रिकॉर्ड रक्षा निर्यात को हासिल करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस उपलब्धि के लिए रक्षा उत्पादन विभाग और सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्रों के सामूहिक प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह प्रगति देश के बढ़ते रक्षा औद्योगिक आधार का स्पष्ट संकेत है। उन्होंने आगे कहा कि निरंतर नीतिगत समर्थन, कई नई पहलों, निजी क्षेत्र की बढ़ती भागीदारी और निर्यात क्षमताओं में वृद्धि के साथ, रक्षा उत्पादन क्षेत्र आने वाले वर्षों में और भी तेजी से विकास करने के लिए तैयार है।

### मेसी टीम ने किया पुलिस ...

पहले युवा भारती क्रीड़ांगन छोड़ने के लिए उन्हें दोषी नहीं ठहराया जा सकता। इस संबंध में शतद्रु दत्त ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह ई-मेल जांच में महत्वपूर्ण मदद कर सकता है। मेसी के कोलकाता दौरे में कथित अव्यवस्था को लेकर शतद्रु दत्त पहले भी लगातार अरूप विश्वास के खिलाफ आरोप लगाते रहे हैं। अब उन्होंने अरूप को मिली न्यायिक राहत को चुनौती देते हुए कलकत्ता उच्च न्यायालय की खंडपीठ का दरवाजा खटखटाया है। उनके वकील ने मंगलवार को मुख्य न्यायाधीश की खंडपीठ के समक्ष मामले का उल्लेख किया। अदालत ने मामले को दाखिल करने की अनुमति दे दी है और इसी सप्ताह इसकी सुनवाई होने की संभावना है। इससे पहले अपने खिलाफ प्राथमिकी दर्ज होने के बाद गिरफ्तारी से बचने के लिए टॉलीगंज के पूर्व विधायक अरूप विश्वास ने उच्च न्यायालय से संरक्षण की मांग की थी। न्यायमूर्ति सौगत भट्टाचार्य ने उन्हें अंतरिम राहत प्रदान की थी। अदालत ने साथ ही उन्हें जांच में सहयोग करने और विधाननगर पुलिस को स्वतंत्र तथा निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था। शतद्रु दत्त ने उसी आदेश को चुनौती दी है। उनका आरोप है कि दिसंबर में युवा भारती क्रीड़ांगन में आयोजित मेसी के कार्यक्रम के लिए कुल 70 हजार टिकट छापे गए थे, जिनमें से 22 हजार टिकट तत्कालीन खेल मंत्री अरूप विश्वास ने अपने पद और प्रभाव का इस्तेमाल कर हासिल कर लिए थे। शतद्रु का दावा है कि इन टिकटों को परिचितों में बांटने के साथ-साथ बेचा भी गया था। उन्होंने यह भी आरोप लगाया है कि कार्यक्रम के दौरान हुई तमाम अव्यवस्थाओं के लिए अरूप विश्वास जिम्मेदार थे। इसी आधार पर उन्होंने पुलिस में प्राथमिकी दर्ज कराई और पूरे मामले की विस्तृत जांच की मांग की है। मामले की जांच के दौरान पुलिस ने अरूप विश्वास को पूछताछ के लिए नोटिस भी भेजा था। हालांकि, उन्होंने पहले स्वास्थ्य कारणों का हवाला देकर पेशी से छूट मांगी और बाद में गिरफ्तारी की आशंका जताते हुए उच्च न्यायालय से संरक्षण प्राप्त कर लिया।

### राष्ट्रपति और पीएम का ...

नेता 20 जून को अपने कार्यक्रम के तहत पहाड़पुर गांव का दौरा कर सकते हैं। इस दौरे के दौरान रायरंगपुर में ओडिशा में भाजपा सरकार के दूसरे कार्यकाल की दूसरी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में एक बड़े जनसभा कार्यक्रम का भी आयोजन किया जाएगा। इसे लेकर पूरे जिले में व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए जा रहे हैं।

### शिवसेना यूबीटी के छह ...

नागेश पाटिल अष्टिकर, शिरडी से भाऊसाहेब वाकचौरे और यवतमाल-वाशिम से संजय देशमुख ने आज पार्टी से बगावत कर अलग गुट बनाया है। हालांकि, शिवसेना यूबीटी के अनिल देसाई, अरविंद सावंत और राजाभाऊ वाजे अब भी शिवसेना यूबीटी के साथ हैं। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की कानूनी टीम दिल्ली पहुंच गई है और इन सभी सांसदों के शिंदे गुट में शामिल होने से जुड़ी संवैधानिक औपचारिकताओं को पूरा करने का प्रयास कर रही है। शिंदे ने अपनी टीम को निर्देश दिया है कि वे कानूनी विवादों या तकनीकी समस्याओं से बचने के लिए सुनिश्चित करें कि संभावित राजनीतिक घटनाक्रमों के बीच सभी प्रक्रियाएं नियमों के अनुसार हों। शिवसेना यूबीटी के प्रवक्ता संजय राऊत ने इन सभी सांसदों पर दबाव डालकर तोड़ने का आरोप लगाया है। जबकि शिंदे समूह के सांसद नरेश म्हस्के ने कहा कि सभी सांसद पार्टी नेतृत्व से नाराज थे, इसलिए इन सभी ने पार्टी से बगावत की है और उनकी पार्टी में शामिल होने का मन बना चुके हैं। नरेश म्हस्के ने कहा कि संजय राऊत को अपने सांसदों की समस्याओं पर ध्यान देना चाहिए। शिवसेना यूबीटी के सांसद अरविंद सावंत, अनिल देसाई और संजय राऊत ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर इन सभी छह सांसदों को अलग गुट की मान्यता न देने की मांग की थी, लेकिन लोकसभा अध्यक्ष ने इन सभी छह सांसदों के अलग गुट को मान्यता दे दी है। इससे इन सभी छह सांसदों के शिवसेना शिंदे गुट में शामिल होने का रास्ता साफ हो गया है।

### मप्र विस के मानसून...

जाएगा। हालांकि अभी हाल में असम सरकार ने भी विधानसभा में यूसीसी विधेयक पारित किया है, लेकिन इसके लागू होने में अभी कुछ समय लग सकता है। मध्य प्रदेश विधानसभा का मानसून सत्र 20 जुलाई से शुरू होने जा रहा है। इस बार सबसे अधिक चर्चा यूसीसी विधेयक को लेकर ही है। यूसीसी को लागू करने की प्रक्रिया को व्यवस्थित और व्यावहारिक बनाने के लिए मध्य प्रदेश सरकार ने 27 अप्रैल को छह सदस्यीय उच्चस्तरीय समिति का गठन किया था। इस समिति की अध्यक्षता सुप्रीम कोर्ट की सेवानिवृत्त न्यायाधीश जस्टिस रंजना प्रकाश देसाई कर रही हैं। समिति में सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी शत्रुघ्न सिंह, कानूनी विशेषज्ञ अनूप नायर, शिक्षाविद् गोपाल शर्मा और सामाजिक कार्यकर्ता बुद्धपाल सिंह सहित अन्य सदस्य शामिल किए गए हैं। समिति को राज्य में यूसीसी की व्यवहारिकता का अध्ययन करने, विभिन्न वर्गों से सुझाव लेने और मसौदा तैयार करने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी, जिसमें कि सरकार ने समिति को गठन के 60 दिनों के भीतर अपनी रिपोर्ट और प्रारूप विधेयक प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था। अब यह प्रक्रिया अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। यूसीसी को लेकर सरकार ने केवल विशेषज्ञों की राय तक खुद को सीमित नहीं रखा। समिति ने प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा किया और समाज के अलग-अलग वर्गों से संवाद स्थापित किया। इसके अलावा आम नागरिकों के सुझाव लेने के लिए एक ऑनलाइन पोर्टल भी शुरू किया गया। सरकार का दावा है कि अंतिम मसौदा जनता की राय और सामाजिक संवाद के आधार पर तैयार किया जा रहा है ताकि कानून अधिक व्यावहारिक और व्यापक स्वीकार्यता वाला बन सके। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने यूसीसी विधेयक को लेकर राज्य सरकार की मंशा की प्रशंसा की है। विहिप के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने हिन्दुस्थान समाचार के साथ बातचीत में कहा कि मध्य प्रदेश में डॉ. मोहन सरकार का यह बहुत सार्थक कदम है, समान नागरिक संहिता के माध्यम से राज्य के सभी लोगों को समानता का अधिकार मिलेगा और समतामूलक समाज की पुनर्प्रतिष्ठा हो सकेगी।

### सुप्रीम कोर्ट की रजिस्ट्री...

में फाइलें खो रही है, तो आपको क्या लगता है कि मैं सिर्फ सूचीबद्ध करने का आदेश दूंगा? मुझे कुछ और भी करना होगा। आप पूरी जानकारी दीजिए। मैं इस लापरवाही की जांच करना चाहता हूं और इसके पीछे की वजह का पता लगाना चाहता हूं। अपने एडवोकेट-ऑन-रिकॉर्ड से कहें कि वह आज ही मुझे शिकायत दें। मई में भी सीजेआइ की अगुआई वाली पीठ ने सुप्रीम कोर्ट रजिस्ट्री को कड़ी फटकार लगाई थी और उसके व्यवहार को बेहद खराब बताया था। पीठ का कहना था कि रजिस्ट्री के अधिकारी खुद को *सुपर चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया* समझते हैं। पीठ ने यह टिप्पणी निवेश धोखाधड़ी के एक आरोपित की जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान की थी।

### वडोदरा में सड़क ...

जबकि 26 यात्री घायल हैं। सभी घायलों को वडोदरा के एसएसजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे के बाद बस में कई यात्री फंस गए थे। सूचना मिलते ही राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ), राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ), वडोदरा फायर विभाग, पुलिस तथा अन्य बचाव दल मौके पर पहुंचा और युद्धस्तर पर राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। एनडीआरएफ की 6वीं बटालियन के कमांडेंट सुरेंद्र सिंह ने बताया कि सुबह 4:40 बजे कंट्रोल रूम से बस और ट्रक की टक्कर की सूचना मिली थी। इसके बाद एनडीआरएफ की टीम तत्काल मौके के लिए रवाना हुई। घटनास्थल पर पहुंचने के बाद कटर मशीन और अन्य अत्याधुनिक उपकरणों की मदद से रेस्क्यू अभियान शुरू किया गया तथा बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकाला। वडोदरा के उप महापौर आदित्य पटेल ने बताया कि तड़के चार बजे के आसपास यह दुर्घटना हुई। सूचना मिलते ही बचाव दल और डॉक्टरों की टीम मौके पर पहुंची। मामूली रूप से घायल लोगों को घटनास्थल पर ही प्राथमिक उपचार दिया गया, जबकि गंभीर घायलों को एसएसजी अस्पताल भेजा गया। उन्होंने बताया कि करीब 26 गंभीर घायलों का उपचार जारी है। इनमें से एक मरीज की हालत अत्यंत नाजुक बताई जा रही है और उसे आईसीयू में शिफ्ट करने की प्रक्रिया चल रही है। हादसे में जान गंवाने वाले यात्रियों में विनोद नरेश डामोर (30), मुकेश जीवाजी डिंडोर (34), प्रीत हितेश भाटिया (9), महेंद्रकुमार भोगीलाल पंड्या (68), पिंकी भाटिया (36), हरजींगभाई वालजीभाई कटारा (30) शामिल हैं। इसके अलावा एक मृतक की पहचान नहीं हो पाई है।

## पश्चिम एशिया की शांति में भारत का रोल बड़ा : ट्रंप

**नई दिल्ली।** 16 महीने बाद भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच फ्रांस के एवियन में द्विपक्षीय मुलाकात हुई। इस दौरान पीएम मोदी ने ट्रंप के सामने भारतीय की सुरक्षा का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि भारतीय नाविकों की सुरक्षा बहुत महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप से कहा कि हमने हमेशा माना है कि समुद्र में आवाजाही की आजादी पक्की होनी चाहिए और हमें इस बात पर जोर देना चाहिए। समुद्री व्यापार के क्षेत्र में दुनिया भर के समुद्रों में लाखों भारतीय नाविक काम करते हैं। पीएम मोदी ने कहा कि नाविकों की सुरक्षा भी उतनी ही जरूरी है। उन्हें भरोसा है कि (ईरान के साथ) समझौते में नाविकों की सुरक्षा की गारंटी दी जाएगी और उसे प्राथमिकता दी जाएगी। पीएम मोदी ने होर्मुज के बंद होने से आने वाले कठिनाइयों से भी ट्रंप को रू-ब-रू कराया। पीएम मोदी ने कहा कि होर्मुज पर हमारी और आपकी चिंता एक है। होर्मुज का खुलना दुनिया के लिए जरूरी है। इसके खुलने से दुनिया को आसानी होगी। ट्रंप ने कई मौकों पर पीएम मोदी की तारीफ की है। खासकर सत्ता में उनके लंबे कार्यकाल, बड़े फैसले लेने की क्षमता और मजबूत नेतृत्व के लिए। इस महीने की शुरुआत में, उन्होंने मोदी को सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहने पर बधाई भी दी थी। ट्रंप अक्सर अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर मोदी के साथ अपने अच्छे संबंधों का जिक्र करते हैं। वे अक्सर ह्यूस्टन में हुए *हाउडी मोदी* कार्यक्रम को याद करते हैं। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को फ्रांस के एवियन शहर में जी-7 समिट में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने पश्चिम एशिया में तनाव और समुद्री मार्गों की असुरक्षा का मुद्दा जोरदार तरीके से उठाया।

# मोदी सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित प्रदर्शनी का मुख्यमंत्री ने किया अवलोकन

**गुवाहाटी ( हिंस )।** असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को गुवाहाटी के शहीद स्मारक क्षेत्र का दौरा कर मोदी सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में असम प्रदेश भाजपा द्वारा आयोजित विशेष प्रदर्शनी का अवलोकन किया। चार दिवसीय इस प्रदर्शनी में पिछले 12 वर्षों के दौरान असम और पूर्वोत्तर क्षेत्र में हुए विकास कार्यों, आधारभूत संरचना परियोजनाओं तथा सांस्कृतिक संरक्षण संबंधी पहलों को प्रदर्शित किया गया है। प्रदर्शनी का उद्देश्य *एक भारत, श्रेष्ठ भारत* की परिकल्पना के तहत क्षेत्र में हुए परिवर्तन और विकास को जनसामान्य के समक्ष प्रस्तुत करना है। प्रदर्शनी का उद्घाटन भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया और राज्य के वित्त मंत्री जयंत मल्ल बरुवा ने मंगलवार को किया था। भाजपा की ओर से कहा गया है कि एक समय पूर्वोत्तर क्षेत्र के लोगों में राष्ट्रीय मुख्यधारा और केंद्र सरकार द्वारा उपेक्षा की भावना व्याप्त थी, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बीते 12 वर्षों के दौरान इस स्थिति में व्यापक बदलाव आया है। बयान के अनुसार, केंद्र सरकार की विभिन्न विकासोन्मुखी

पहलों से पूर्वोत्तर में विश्वास, आत्मीयता और राष्ट्रीय एकीकरण की भावना मजबूत हुई है। प्रदर्शनी में धुबड़ी–फुलबाड़ी सेतु, ब्रह्मपुत्र के नीचे प्रस्तावित सड़क एवं रेल सुरंग परियोजना, जागीरोड सेमीकंडक्टर परियोजना, लोकप्रिय गोपीनाथ बरदलै अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का विस्तार, चराइदेव मैदामों को यूनेस्को विश्व धरोहर का दर्जा तथा बटद्रवा के विकास से जुड़ी पहलों को प्रमुखता से प्रदर्शित किया गया है। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए दिलीप सैकिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में असम ने विकास, समृद्धि और गौरव के नए आयाम स्थापित किए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य की जनता केंद्र सरकार के सहयोग और विकासात्मक दृष्टिकोण के लिए सदैव आभारी रहेगी। यह प्रदर्शनी आगामी चार दिनों तक आम लोगों के लिए खुली रहेगी, जहां आगंतुक असम और पूर्वोत्तर क्षेत्र की विकास यात्रा से जुड़ी विभिन्न उपलब्धियों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

## शारीरिक रूप से कमजोर बच्चे को अदालत परिसर में छोड़ गए माता-पिता

**दरंग ( हिंस )।** दरंग जिले के मंगलदै स्थित अदालत परिसर में एक शारीरिक रूप से कमजोर बच्चे को उसके माता–पिता द्वारा छोड़कर चले जाने का मामला सामने आया है। बताया गया है कि दोनों पति–पत्नी के बीच तलाक का मामला चल रहा है और बच्चे की अभिरक्षा को लेकर विवाद उत्पन्न हो गया। जानकारी के अनुसार, खारुपेटिया निवासी सैफुल इस्लाम और तसरीन खातून आज अदालत में पेश हुए थे। सुनवाई के दौरान बच्चे की देखभाल और अभिरक्षा का मुद्दा सामने आया, लेकिन दोनों में से कोई भी बच्चे को अपने साथ रखने के लिए तैयार नहीं हुए। बताया गया है कि बच्चा शारीरिक रूप से कुछ हद तक कमजोर है। इसी कारण दोनों पक्षों ने उसकी जिम्मेदारी लेने में अनिच्छा जताई। बाद में दोनों माता–पिता कथित रूप से बच्चे को अदालत परिसर में छोड़कर वहां से चले गए। इस घटना ने पारिवारिक विवादों के बीच बच्चे के भविष्य और उनकी सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

# स्वस्थ असम के लक्ष्य के साथ अशोक सिंघल ने की जीएमसीएच में व्यापक समीक्षा

**गुवाहाटी ( हिंस )।** असम के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री अशोक सिंघल ने बुधवार को गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (जीएमसीएच) का व्यापक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं, रोगी सुविधा व्यवस्था और आधारभूत संरचना की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार *स्वस्थ असम* के लक्ष्य को साकार करने के लिए स्वास्थ्य क्षेत्र को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। निरीक्षण के दौरान मंत्री ने अस्पताल के बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी), सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल तथा मातृ एवं शिशु अस्पताल सहित विभिन्न महत्वपूर्ण इकाइयों का दौरा किया। उन्होंने अस्पताल में स्थापित अत्याधुनिक सीटीजी मशीन की कार्यप्रणाली का भी अवलोकन किया, जिसके माध्यम से गर्भवती महिलाओं और गर्भस्थ शिशुओं के स्वास्थ्य की निगरानी की जाती है। इस दौरान उन्होंने मरीजों और उनके परिजनों से बातचीत कर उपचार, उपलब्ध सुविधाओं और अस्पताल के समग्र वातावरण को लेकर उनकी राय भी जानी। इसके बाद विभागाध्यक्षों, वरिष्ठ चिकित्सकों और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों में दी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं, मरीजों की संख्या, चिकित्सा सुविधाओं, चिकित्सा शिक्षा की गुणवत्ता तथा आधारभूत संरचना के विकास से जुड़े विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक प्रभावी और गुणवत्तापूर्ण बनाने के लिए कई सुझाव भी सामने आए। बैठक को संबोधित करते हुए अशोक सिंघल ने चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों से जनसेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि चिकित्सा केवल एक पेशा नहीं, बल्कि मानव सेवा का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। यदि स्वास्थ्यकर्मी संवेदनशीलता, जिम्मेदारी और सेवा भाव के साथ कार्य करें तो मरीजों को बेहतर लाभ मिलेगा और स्वास्थ्य व्यवस्था पर जनता का विश्वास और मजबूत होगा। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि जीएमसीएच केवल असम ही नहीं, बल्कि पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र के लाखों लोगों के लिए भरोसे का प्रमुख केंद्र है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सरकार आधुनिक सुविधाओं, बेहतर आधारभूत संरचना और जनोन्मुखी सेवाओं के माध्यम से इस संस्थान को और मजबूत बनाने के लिए हर संभव सहयोग देती रहेगी।

## जापान के प्रधानमंत्री के आगमन को लेकर गुवाहाटी में तैयारियां जोरों पर मंत्री अशोक सिंघल ने किया निरीक्षण

**गुवाहाटी ( हिंस )।** जापान के प्रधानमंत्री के गुवाहाटी दौरे को लेकर पूरे गुवाहाटी में व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। इस महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय दौरे को सफल और सुव्यवस्थित तरीके से संपन्न करने के लिए प्रशासन, पुलिस और विभिन्न सरकारी विभागों ने मिलकर काम शुरू कर दिया है। इस बीच, गुवाहाटी की कई महत्वपूर्ण सड़कों, चौराहों और भीड़भाड़ वाले इलाकों को नया रूप दिया गया है। इन तैयारियों की प्रगति की समीक्षा करने के लिए बुधवार को असम सरकार के मंत्री अशोक सिंघल जालुकबाड़ी इलाके में पहुंचे। उनके साथ पुलिस और प्रशासन का एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी मौजूद था। निरीक्षण के दौरान मंत्री ने विभिन्न विकासात्मक और सौंदर्यीकरण कार्यों का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों के साथ चर्चा की। मंत्री अशोक सिंघल ने बताया कि जापान के प्रधानमंत्री का आगमन असम और गुवाहाटी के लिए बेहद महत्वपूर्ण और गौरव की बात है। इस दौरे से अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर राज्य की छवि और अधिक मजबूत होगी। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित विभागों को सभी आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने विशेष रूप से सुरक्षा, यातायात व्यवस्था, स्वच्छता, सौंदर्यीकरण और रोशनी (लाइटिंग) पर विशेष ध्यान देने की बात कही। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, इस दौरे के मद्देनजर गुवाहाटी के विभिन्न स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी की जा रही है। इसके साथ ही शहर के सौंदर्यीकरण और विकास कार्यों को भी तेजी से पूरा किया जा रहा है।

## एएफडीसी घोटाले के तीन आरोपियों को जमानत, जांच में अनियमितताओं के आरोप

**गुवाहाटी ( हिंस )।** असम फिशरीज डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (एएफडीसी) में कथित वित्तीय घोटाले के मामले में नामजद तीन अधिकारियों को विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत ने जमानत दे दी है। इस बीच जांच में करोड़ों रुपए की वित्तीय अनियमितताओं से जुड़े नए तथ्य भी सामने आ रहे हैं। जमानत पाने वाले आरोपियों में बिरिंची अधिकारी, पद्मकांत हजारिका और ज्योतिष सैकिया शामिल हैं। ये सभी राज्य संचालित निगम में कथित वित्तीय गड़बड़ियों से जुड़े मामले में आरोपी हैं। सूत्रों के अनुसार जांच प्रक्रिया में कथित खामियों के कारण आरोपियों को राहत मिलने में मदद मिली। बताया गया है कि जांच अधिकारी ने अदालत को दिसपुर थाना कांड संख्या 298/2022 की जानकारी नहीं दी, जो कथित रूप से इसी मामले से जुड़ा हुआ है।

# कोकराझाड़ में बाढ़ से निपटने की तैयारियों की जिला आयुक्त ने की समीक्षा

**कोकराझाड़ ( हिंस )।** आसन्न मानसून और संभावित बाढ़ की स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने के उद्देश्य से कोकराझाड़ जिला प्रशासन एवं जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) की ओर से बुधवार को जिला आयुक्त कार्यालय के सम्मेलन कक्ष में एक व्यापक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला आयुक्त पंकज चक्रवर्ती ने की, जिसमें विभिन्न विभागों के अधिकारी, सर्किल अधिकारी एवं क्षेत्रीय स्तर के कर्मियों ने भाग लिया। बैठक के दौरान जिला आयुक्त ने जिले की बाढ़ पूर्व तैयारियों की विस्तृत समीक्षा करते हुए सभी विभागों को आपसी समन्वय बनाए रखने तथा किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। राहत शिविरों की व्यवस्था, जल निकासी योजना, आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली और विभागों के बीच समन्वय पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रशासन ने जानकारी दी कि जिले में कुल 183 राहत शिविर एवं राहत वितरण केंद्र चिन्हित किए गए हैं, जिनके लिए शिविर प्रभारी भी नियुक्त किए जा चुके हैं। जिला एवं उप–मंडल स्तर पर राहत शिविर निगरानी दल गठित किए गए हैं, जबकि राजस्व सर्किल स्तर पर टास्क फोर्स समितियों का गठन कर उन्हें आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। इसके अलावा आशा कर्मियों, एएनएम, आंगनबाड़ी कर्मियों, विद्यालय शिक्षकों तथा अन्य अग्रिम पंक्ति के कर्मचारियों को राहत शिविर प्रबंधन एवं बाढ़ प्रतिक्रिया संबंधी प्रशिक्षण भी दिया गया है। समीक्षा बैठक में बताया गया कि जिले के 289 गांवों को बाढ़ संभावित क्षेत्र के रूप में चिन्हित कर उनके लिए फ्लड हजार्ड मैप तैयार किए गए हैं। साथ ही बच्चों, गर्भवती एवं स्तनपान कराने वाली महिलाओं, बुजुर्गों तथा दिव्यांग व्यक्तियों सहित संवेदनशील वर्गों का गांववार डाटाबेस भी तैयार किया गया है। जिला प्रशासन ने विभिन्न विभागों के लिए तैयारियों एवं आपातकालीन प्रतिक्रिया योजनाओं के साथ–साथ जिला स्तरीय बाढ़ आकस्मिकता एवं प्रतिक्रिया योजना भी तैयार की है, जिसमें आपदा के दौरान सभी एजेंसियों की जिम्मेदारियां स्पष्ट रूप से निर्धारित की गई हैं। बैठक में जिला आयुक्त पंकज चक्रवर्ती ने एसडीआरएफ, अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाओं, सिविल डिफेंस, आपदा मित्र स्वयंसेवकों तथा गैर–सरकारी संगठनों के साथ समन्वय व्यवस्था की भी समीक्षा की। उन्होंने पशुओं के लिए हरे चारे की उपलब्धता सहित सभी आवश्यक संसाधनों को सुनिश्चित करने पर बल दिया।

## धुबड़ी तेरापंथ भवन में विद्यार्थियों के सफलता पर सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजित

**धुबड़ी ( विभास )।** धुबड़ी स्थित तेरापंथ भवन मैं मारवाड़ी सम्मेलन, धुबड़ी शाखा ने कक्षा 10वीं और कक्षा 12वीं के15 विद्यार्थियों को उनके अपने निष्ठा के बल पर प्राप्त किए गए सफलता पर सम्मानित किए गए। इस सम्मान समारोह में स्कूलों के शिक्षक एवं शिक्षकाओं तथा विद्यार्थियों के अभिभावक के गई गण्यमान्य लोग मौजूद थे। कार्यक्रम में जिला मारवाड़ी सम्मेलन की अध्यक्षा अनोप चंद्र सेठिया ने अपने स्वागत भाषण में सभी अतिथियों समाजबंधुओं, विद्यार्थियों और अभिभावक एवं प्रतियोगी विद्यार्थियों का हार्दिक स्वागत किया। सम्मेलन के परामर्शदाता जोहरी मल सुराणा एवं अशोक कुमार अग्रवाला ने भी अपने विचार व्यक्त किए। पूर्वोत्तर परदेसिया मारवाड़ी सम्मेलन के मंडल के सहायक मंत्री संजय कुमार मोर ने अपने विचार रखें। बाद में छात्राओं को उपहार दिया गया साथ ही जलपान की भी व्यवस्था की गई थी।

## 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर कामरूप में जिला स्तरीय योगासन प्रतियोगिता

**अमीनगांव ( विभास )।** 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर कामरूप जिला प्रशासन द्वारा आगामी 20 जून को अमीनगांव स्थित सरला बिरला ज्ञानज्योति विद्यालय के सभागार (ऑडिटोरियम) में एक जिला स्तरीय योगासन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। सुबह 9 बजे से शुरू होने वाली इस प्रतियोगिता का उद्देश्य योग के अभ्यास का प्रसार करना और स्वस्थ जीवन शैली के प्रति जन जागरूकता बढ़ाना है। यह प्रतियोगिता चार आयु वर्गों में आयोजित की जाएगी जोकि 10 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए, 10 वर्ष से अधिक और 18 वर्ष तक के लिए, 18 वर्ष से अधिक और 35 वर्ष तक के लिए, 35 वर्ष से अधिक आयु के प्रतिभागियों के लिए। प्रशासन द्वारा जिले के विभिन्न हिस्सों से योग प्रेमियों, छात्र–छात्राओं, युवाओं और इच्छुक नागरिकों को इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया है। वहीं बताया गया है कि इच्छुक प्रतिभागी 20 जून, 2026 को सुबह 7 बजे तक अपना पंजीकरण (रजिस्ट्रेशन) करा सकते हैं। संपर्क सूत्र एवं पंजीकरण तथा और अधिक जानकारी के लिए 93955–17464 या 93945–51898 पर संपर्क किया जा सकता है। प्रतियोगिता में भाग लेने वालों को आयु का वैध प्रमाण पत्र (जैसे जन्म प्रमाण पत्र, स्कूल का एडमिशन कार्ड या एडमिट कार्ड), अपनी योगा मैट और उपयुक्त पोशाक साथ लानी होगी। प्रतिभागियों का कामरूप जिले का स्थायी निवासी होना अनिवार्य है और इसके लिए उन्हें वैध पते का प्रमाण पत्र जमा करना होगा। प्रतियोगिता के प्रत्येक वर्ग के विजेताओं को आयुष अभियान, असम के तहत आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय योगासन प्रतियोगिता में कामरूप जिले का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलेगा।

# अवैध खनन में संलिप्त चार माफिया गिरफ्तार, चार ट्रैक्टर–ट्रॉली जब्त

**कोकराझाड़( विभास )।** भारत–भूटान अंतर्राष्ट्रीय सीमा क्षेत्र में अवैध खनन एवं प्राकृतिक संसाधनों की चोरी के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत छठी वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), रानीगुली ने चार खनन माफियाओं को गिरफ्तार किया है तथा पत्थरों एवं बालू से लदे चार ट्रैक्टर–ट्रॉली जब्त किए हैं। दिनांक 16 जून 2026 को बाह्य सीमा चौकी सरलपारा को प्राप्त गुप्त सूचना के आधार पर सीमा चौकी सरलपारा एवं वन विभाग, उल्टापानी की संयुक्त टीम द्वारा एक विशेष अभियान संचालित किया गया। यह अभियान भारत–भूटान सीमा स्तंभ संख्या 152/1 से लगभग 2.5 किलोमीटर भारतीय क्षेत्र में स्थित सोनापुर–श्री इलाके में चलाया गया। अभियान के दौरान संयुक्त दल ने अवैध रूप से खनन कर पत्थरों एवं बालू का

परिवहन कर रहे चार ट्रैक्टर–ट्रॉली को रोका। जांच एवं पूछताछ के दौरान यह तथ्य सामने आया कि संबंधित व्यक्ति सड़क निर्माण कार्य की आड़ में अवैध खनन गतिविधियों को अंजाम दे रहे थे। तत्पश्चात चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया तथा उनके कब्जे से चार ट्रैक्टर–ट्रॉली जब्त कर लिए गए। गिरफ्तार आरोपियों एवं जब्त वाहनों को आवश्यक कानूनी कार्रवाई हेतु वन विभाग, उल्टापानी के हवाले कर दिया गया है। छठी वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, रानीगुली सीमा क्षेत्र में कानून–व्यवस्था बनाए रखने, पर्यावरण संरक्षण सुनिश्चित करने तथा अवैध गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए निरंतर सतर्क एवं सक्रिय है। सीमा क्षेत्र में नियमित गश्त, निगरानी तथा विभिन्न एजेंसियों के साथ समन्वित अभियानों के माध्यम से तस्करी, अवैध खनन एवं अन्य गैरकानूनी गतिविधियों के विरुद्ध कार्रवाई जारी है। सशस्त्र सीमा बल ने स्पष्ट किया है कि भविष्य में भी ऐसे तत्वों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई जारी रहेगी।

## रामोना नेशनल पार्क : अवैध हथियार और वन्यजीव मामले में वांछित आरोपी गिरफ्तार

**कोकराझाड़ ( विभास )।** 31वीं बटालियन एसएसबी और वन विभाग की संयुक्त टीम को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए सुरक्षा बलों ने 16 अप्रैल 2025 से फरार चल रहे एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। 17 जून 2026 की दोपहर लगभग 3–30 बजे, 31वीं बटालियन एसएसबी के अंतर्गत तकमपुर, *एफ* कंपनी, फेब्सु और केंद्रीय वन रेंज, रामोना नेशनल पार्क (काचुगांव डिवीजन) की संयुक्त टीम ने भारतनगर गांव में छापेमारी की। इस दौरान मुरली मुर्मू (43 वर्ष) को उसके आवास से गिरफ्तार कर लिया गया। एसएसबी सूत्रों के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी मुरली मुर्मू 16 अप्रैल 2025 को भारतनगर गांव में एसएसबी और वन विभाग की टीम द्वारा की गई छापेमारी में जब्त किए गए अवैध

हथियारों और वन्यजीव उत्पादों के मामले में मुख्य आरोपी था। घटना के बाद से ही वह लगातार फरार चल रहा था। एसएसबी के फील्ड ऑपरेटिव्स और सूत्रों ने आरोपी पर कड़ी नजर रखी हुई थी। बॉर्डर पिलर संख्या 131 के पास, अंतर्राष्ट्रीय सीमा से लगभग 14.7 किलोमीटर दूर स्थित इस गांव में आरोपी की मौजूदगी की पुख्ता जानकारी मिलने के बाद उसे दबोच लिया गया। पकड़े गए आरोपी को अग्रिम विधिक कार्रवाई के लिए केंद्रीय वन रेंज, रामोना नेशनल पार्क, काचुगांव के रेंजर को सौंप दिया गया है। इस संयुक्त ऑपरेशन ने सीमावर्ती क्षेत्रों में अवैध गतिविधियों पर लगाम लगाने के सुरक्षा बलों के संकल्प को पुनः सिद्ध किया है।

# मारवाड़ी सम्मेलन, नगांव शाखा ने मनाई रूपकंवर ज्योति प्रसाद अग्रवाला की जयंती

**नगांव ( विभास )।** मारवाड़ी सम्मेलन, नगांव शाखा ने नगांव नगर पालिका के सहयोग से असम के महान साहित्यकार, संगीतकार, नाटककार रूपकंवर ज्योति प्रसाद अग्रवाला की जन्म जयंती श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई। इस अवसर पर नगांव के रूपकुंवर चौक चौराहे पर स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई तथा दीप प्रज्ज्वलित किए गए। सर्वप्रथम मारवाड़ी सम्मेल, नगांव शाखा के निवर्तमान अध्यक्ष प्रदीप अग्रवाल ने 15 नं वार्ड.की आयुक्त मुक्ता जायसवाल का फुलाम गामोछा से उनका स्वागत व अभिनंदन किया। मुक्ता जायसवाल के दीप प्रज्वलन के पश्चात उपस्थित सभी महानुभावों ने पुष्प के द्वारा श्रद्धांजलि अर्पित की। मुक्ता जायसवाल ने अपने संबोधन में रूपकंवर ज्योति प्रसाद अग्रवाला के साहित्य, संस्कृति एवं समाज के प्रति अमूल्य योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनका जीवन और कृतित्व आज भी नई पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत है। कार्यक्रम में सम्मेलन के मंडलीय उपाध्यक्ष संजय गाड़ोदिया, निवर्तमान अध्यक्ष प्रदीप शोभासरिया, अध्यक्ष प्रमोद कोठारी, सचिव विजय राज किल्ला, कोषाध्यक्ष बाल किशन दादलीका, संयुक्त सचिव अरुण नागरका व सारंग खाटूवाला, संगठन मंत्री दिलीप अग्रवाल, राधा रमण खाटूवाला, शंकर लाल शोभासरिया, महेश बुधिया, रघुवीर प्रसाद आलमपुरिया, ललित कोठारी, महेश अग्रवाल, महेश सोभासरिया, दिनेश अग्रवाल, सुनील शोभासरिया, चंचल अग्रवाल, राजेंद्र प्रसाद शोभासरिया अशोक शर्मा, प्रांगण अग्रवाल, सुरेश अग्रवाल, शंकर सोभासरिया, अनूप पोद्दार, परान महंत सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। कार्यक्रम के सफल आयोजन में निवर्तमान अध्यक्ष प्रदीप शोभासरिया व अरूण नागरका का विशेष सहयोग रहा। अंत में अध्यक्ष प्रमोद कोठारी एवं सचिव विजय राज किल्ला ने सभी उपस्थित अतिथियों एवं समाजबंधुओं का आभार व्यक्त किया।

# नीलबागान में डिमरूपीया साहित्य–संस्कृति मंच का चर्चा कार्यक्रम आयोजित

**होजाई ( निसं )।** असम के निर्माण में असम में रहने वाले सभी जातियों का समान अधिकार हैं। भाषा के आधार पर असम को बाटना उचित नहीं है। उक्त बातें 14 जून को होजाई जिले के नीलबागान मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के एपीजे अब्दुल कलाम प्रेक्षागृह में डिमरूपीया साहित्य–संस्कृति मंच के पांचवें स्थापना दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित राज्य के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. नवनील बरुवा ने कही। *असमीय सामाजिक जीवन में पहचान की समस्या और आकांक्षाएं* शीर्षक के इस चर्चा सत्र में डॉ. बरुवा ने कहा कि असम के लोगों के बारे में विचार–विमर्श कर मुझे बहुत खुशी हुई। असम के निर्माण में इस तरह के सुंदर मंच पर सभी का एकत्र होना प्रशंसनीय है। उन्होंने जोर देकर कहा कि असम में रहने वाले सभी जाति–समुदायों के लिए असम के निर्माण में समान अधिकार होना आवश्यक और अनिवार्य है। साथ ही शिक्षा और संस्कृति के जरिये ही असम को आगे बढ़ाया जा सकता है, यह महत्वपूर्ण है, उन्होंने कहा। चर्चा सत्र में गुवाहाटी विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त प्रोफेसर और विचारक अब्दुल मन्नान ने कहा कि असम

को आगे बढ़ाने के लिए जाति–धर्म की परवाह किए बिना असम में रहने वाले सभी की आशाएं और आकांक्षाएं पूरी की जानी चाहिए। हमें शैक्षिक क्षेत्र पर अधिक ध्यान देना होगा और लड़कों के साथ–साथ लड़कियों को भी शिक्षित करना होगा; तभी असम का सामाजिक जीवन और अधिक विकसित होगा। कार्यक्रम में होजाई जिला साहित्य सभा के अध्यक्ष पद्मकांत बोरा, होजाइ गर्ल्स कॉलेज के बंगला विभाग के प्राध्यापक डॉ. पीयूष नंदी भी शामिल हुए व अपने विचार रखें। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 9–30 बजे ध्वजारोहण, पौधारोपण और श्रद्धांजलि अर्पित कर किया गया। श्रद्धांजलि का आयोजन होजाई जिला साहित्य सभा के उपाध्यक्ष ऐनुल हक चौधरी ने किया। नीलबागान मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्र–छात्राओं ने उद्घाटन गीत प्रस्तुत किया। इसके बाद सभा में उपस्थित अतिथियों का स्वागत समिति की ओर से फूलमालाओं और गमछों से सम्मान किया गया। नीलबागान मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्रधान अध्यापक फायज मोहम्मद बरभुंया ने कार्यक्रम का संचालन किया। डिमरूपीया साहित्य–संस्कृति मंच के महासचिव एम. जमाल उद्दीन ने चर्चा सत्र का उद्देश्य स्पष्ट किया। उन्होंने बताया कि उसके बाद डॉ. नवनील बर्मन और प्रोफेसर अब्दुल मन्नान ने मंच के स्मृति ग्रंथ का अनावरण किया। फईजुल हक की गद्य संकलन *स्मृति पराश,* निजाम उद्दीन की काव्य संकलन *हृदय की इमुठी अनुभाव,* और दिलाल अहमद की *हमारी मांऐ कविता लिखी थी* तथा *पितागाछ* का क्रमवार अनावरण किया गया–पहला प्रोफेसर अब्दुल मन्नान ने, दूसरा पद्मकांत बोरा ने तथा तीसरा डॉ. पीयूष नंदी ने किया। कार्यक्रम में समाजसेवी कमल दत्त, नेवाज अहमद, सेवानिवृत्त शिक्षक रफीक उद्दीन बरभुंया, नीलबागान क्रीड़ा संस्थान के अध्यक्ष तमिजुर रहमान लस्कर तथा सेवानिवृत्त विषय शिक्षक बदरुज्जामान सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। डिमरूपीया साहित्य–संस्कृति मंच के अध्यक्ष दिलाल अहमद, कार्यकारी अध्यक्ष अनवार हुसैन और महासचिव एम जमाल उद्दीन ने राज्य की ताजा स्थितियों पर प्रकाश डाला। स्वागत समिति के अध्यक्ष फईजुल हक और सचिव बाचित आलम चौधुरी ने सभा में उपस्थित सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया।

संपादकीय

# सियासत से कितने बाहर शहर

सरकारों की एक पायदान हिमाचल के नगर निगमों की बिसात में कयास लगा रही है, तो 29 तारीख को यह मुकदमा शांत होगा। शहर का मेयर और डिप्टी मेयर जब अवतरित होंगे, तो उनके भीतर की सरकार देखी जाएगी। बेशक हिमाचल की राजनीति में महापौर व उप महापौर अब एक शब्दावली है, लेकिन पिछले कार्यकालों में इनका उल्लेख किसी संपूर्णता में नहीं होता रहा है। शहर का वजूद चाहता है कि इसकी प्लानिंग के सरोकार राजनीति से ऊपर हो जाएं, मगर विकास के पन्ने अभी स्वतंत्र नहीं हुए। बेशक इस बार कार्यकाल पांच वर्ष की चिट्ठी निकाल चुका है, लेकिन नागरिक समाज की संवेदना में मेयर और डिप्टी मेयर की ताजपोशी प्रत्यक्ष चुनाव की गुजारिश करती है। हमारा मानना है कि मेयर का रुतबा जिस दिन पार्टियों के चुनाव चिन्ह से अलग नजर आएगा, शहर सियासी घौंसलों से बाहर निकल पाएंगे। भले ही शिमला के बाद धर्मशाला नगर की आयु में शहर की बुनियाद स्थिर होती देखी जाए, लेकिन जनता की आस्था में न पार्षद व न महापौर और न ही उप महापौर के पद परिपक्व हुए। चुनावों में क्या खोया, क्या पाया का राजनीतिक संग्राम समवेत स्वर में बोलेगा, लेकिन शहर ने खोया-क्या पाया, यह तसदीक न हुआ। हार-जीत के इन सिलसिलों में बुरी तरह हार रहा है शहरीकरण। हिमाचल में दो स्मार्ट सिटी परियोजनाओं के एक साथ कई कब्रिस्तान अगर शिमला-धर्मशाला में देखे जा रहे हैं, तो इस त्रासदी का मूल्यांकन कैसे होगा। न सोचे, न विमर्श और न ही विजन सामने आया, तो बस इसलिए, कि हमने दुम हिलाते दरबार बनाए, या जीत-हार के बीच रिकार्ड बनाए हैं। अगर स्मार्ट परियोजनाएं केवल नागरिक समाज के उद्धार या स्वरोजगार पर केंद्रित होतीं, तो भी एक दिशा मिलती। आश्चर्य धर्मशाला में स्मार्ट सिटी की सजावट में मिलता है, जहां पंद्रह इलेक्ट्रिक बसें चलती हैं, लेकिन स्थानीय बस सेवा के बजाय ये एचआरटीसी के लंबे रूट ढोती हैं। स्मार्ट सिटी एचआरटीसी वर्कशाप बनाने में मदद करती है, विभिन्न विभागों के प्रवेश द्वार खड़े कर देती है। शिमला पर स्मार्ट सिटी का भूत कंक्रीट का ताना बाना बुनता है। परंपरागत पत्थर घिस जाते हैं या कहीं लोहे के स्तंभ उभर आते हैं। क्या शिमला की स्मार्ट सिटी ने राज्य की राजधानी का मंतव्य पूरा किया। कहना न होगा कि चुनावों के बाद शहरों के विजन में ये नगर निगम कौनसा इजाफा करते हैं। यहां मसला विभागीय, राज्य सरकार व केंद्रीय सरकार के साथ समन्वय का है। हर शहर के लिए अगले पचास सालों का खाका सामने आना चाहिए। मसलन अटल टनल के अस्तित्व में आने के बाद कुल्लू-मनाली का नक्शा कैसे बदलना चाहिए, फोरलेन मार्गों की परिधि में आ रहे शहरों के मौलिक स्वरूप को कायम रखने के लिए नई व्यवस्था चाहिए, वरना सडक़ पर कई गांव, नए शहरों का बदन बढ़ा देंगे। ऐसे में नए निवेश की यात्रा पर तमाम फोरलेन परियोजनाओं के साथ-साथ नए निवेश केंद्र, सेटेलाइट टाउन तथा ट्रांसपोर्ट नगर विकसित करते हुए प्रदेश का मानचित्र सुदृढ़ करना होगा। बेशक कांगड़ा एयरपोर्ट विस्तार के साथ-साथ सरकार ने एयरो सिटी तथा बारह मीटर तक सडक़ कोरिडोर बनाने का मार्ग प्रशस्त किया है। इस संदर्भ में विकास की हर परियोजना और शहरीकरण की हर इंच का उपयोग नागरिक सुविधा, रोजगार अवसर तथा भविष्य की अधोसंरचना की जरूरतों में करना होगा। शहरी विकास का विषय इतना बड़ा व आवश्यक हो चुका है कि हिमाचल के गांवों को भी शहरों के नजदीक समझना होगा। हमारे पड़ोसी राज्य सिटी सेंटर के प्रारूप में न केवल निवेश, बल्कि शहरों की व्यापारिक-नागरिक जरूरतों को पूरा करते हुए, दिखाई दे रहे हैं। हिमाचल में शहरों के लिए सिटी अस्पताल, मनोरंजन केंद्र, आधुनिक बाजार, लोकल ट्रांसपोर्ट नेटवर्क, बस स्टैंड कम व्यावसायिक केंद्र, महापार्किंग स्थल, डंपिंग एरिया, वेंडिंग जोन, वोल्वो एवं टैक्सी स्टैंड एवं जल स्रोतों से जल संग्रह की बेहतर व्यवस्था तथा विकास पर काम करना होगा।

शहर का मेयर और डिप्टी मेयर जब अवतरित होंगे, तो उनके भीतर की सरकार देखी जाएगी। बेशक हिमाचल की राजनीति में महापौर व उप महापौर अब एक शब्दावली है, लेकिन पिछले कार्यकालों में इनका उल्लेख किसी संपूर्णता में नहीं होता रहा है। शहर का वजूद चाहता है कि इसकी प्लानिंग के सरोकार राजनीति से ऊपर हो जाएं, मगर विकास के पन्ने अभी स्वतंत्र नहीं हुए। बेशक इस बार कार्यकाल पांच वर्ष की चिट्ठी निकाल चुका है, लेकिन नागरिक समाज की संवेदना में मेयर और डिप्टी मेयर की ताजपोशी प्रत्यक्ष चुनाव की गुजारिश करती है। हमारा मानना है कि मेयर का रुतबा जिस दिन पार्टियों के चुनाव चिन्ह से अलग नजर आएगा, शहर सियासी घौंसलों से बाहर निकल पाएंगे। भले ही शिमला के बाद धर्मशाला नगर की आयु में शहर की बुनियाद स्थिर होती देखी जाए, लेकिन जनता की आस्था में न पार्षद व न महापौर और न ही उप महापौर के पद परिपक्व हुए। चुनावों में क्या खोया, क्या पाया का राजनीतिक संग्राम समवेत स्वर में बोलेगा, लेकिन शहर ने खोया-क्या पाया, यह तसदीक न हुआ। हार-जीत के इन सिलसिलों में बुरी तरह हार रहा है शहरीकरण। हिमाचल में दो स्मार्ट सिटी परियोजनाओं के एक साथ कई कब्रिस्तान अगर शिमला-धर्मशाला में देखे जा रहे हैं, तो इस त्रासदी का मूल्यांकन कैसे होगा।

कुछ अलग

# सुन रे तेल!

ये डायन जिंदगी भी न! पता नहीं जिंदगी में क्या क्या दिखाती है? पता नहीं, अभी और क्या क्या दिखाएगी? पहले जिंदगी तेल देख, तेल की धार देखते कटी और अब तेल देख, तेल की मार देखते कट रही है। वैसे पूरी आंखें खोले तेल से अधिक तेल की धार देखते हुए आज तक जाने जागे तो जागे जाने, सोए सोए भी जितने फैसले लिए, उन सब फैसलों ने कुल मिलाकर मेरा तेल ही निकाला। तेल देख तेल की धार देखने के बाद बंधुओ! आजकल तेल देख, तेल की धार देखने के बाद, तेल की मार देख रहा हूं। हो सकता है कल को जिंदगी में वे दिन भी देखने पड़ें जब तेल की धार के बदले तेल की मात्र लार देखनी पड़े। अहा! क्या दिन थे वे भी! जब पूरे शरीर पर रचा रचा कर तेल मालिश किया करता था। दाल सब्जी में पानी कम होता था और तेल अधिक होता था। घर के बाहर मिनटों स्कूटर स्टार्ट कर चार चार बीड़ियां मजे से फूंक स्कूटर को बीड़ी सा फूंकते ऑफिस को चलता था। और आज! सब्जी दाल के तड़के में तेल फूंक फूंक कर डालना पड़ रहा है। हफ्तों हो जाते हैं तेल की मालिश किए बिना। स्कूटर बिन स्टार्ट किए धक्के मार कर ऑफिस ले जाना पड़ रहा है। ताकि राह चलते बंदों को पता चले कि बंदा स्कूटर वाला है। बिन स्कूटर वाला नहीं। क्या हुआ जो उसमें तेल नहीं है। हे तेल! काश! जो तू न होता तो न तेरी धार होती। जो तू न होता तो आज तेरी मार न होती। जो तू न होता तो आज तेरे लिए मुंह से टपकती लार न होती। जो तू न होता तो दोस्तों में तनी तलवार न होती। कई बार तो मुझे लगता है कि हर लड़ाई का मूल तू है। अति विकसित बंदे के हिय का शूल तू है। काश! जो तू न होता तो जो आज हो रहा है, वह न होता। काश! जिंदगी की हर गाड़ी बिन तेरे चला करती। काश! हर किचन बिन तेरे जला करती। काश! न तेरी जरूरत होती, न होर्मुज होता।

## दुर्भाग्य से जी-7 के संदर्भ में यह प्रश्न बार-बार उठता रहा है कि उसके निर्णयों और घोषणाओं का वास्तविक प्रभाव कितना है

# विश्व शांति एवं संतुलन के लिए आत्ममंथन हो जी-7 बैठक में

ललित गर्ग

फ्रांस में आयोजित जी-7 शिखर सम्मेलन पर इस समय पूरी दुनिया की निगाहें टिकी हुई हैं। वैश्विक अर्थव्यवस्था, अंतरराष्ट्रीय राजनीति, व्यापार, जलवायु परिवर्तन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ऊर्जा सुरक्षा और युद्ध जैसे अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा के लिए, दुनिया की सात प्रमुख विकसित अर्थव्यवस्थाओं का यह मंच एकत्रित हुआ है। ऐसे समय में यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि क्या जी-7 आज भी उतना ही प्रासंगिक और प्रभावशाली है, जितना उसकी स्थापना के समय था? क्या यह संगठन वास्तव में वैश्विक समस्याओं के समाधान का मंच बन पाया है अथवा यह कुछ शक्तिशाली देशों के हितों की रक्षा का माध्यम बनकर रह गया है? क्या इस मंच की प्रासंगिकता एवं उपयोगिता को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने स्वार्थों के चलते धुंधलाने में लगे हैं? विश्व में शांति स्थापना, संतुलित आर्थिक विकास और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बने विभिन्न वैश्विक संगठनों की सफलता का मूल्यांकन उनके परिणामों से होता है, न कि उनके घोषणापत्रों से। दुर्भाग्य से जी-7 के संदर्भ में यह प्रश्न बार-बार उठता रहा है कि उसके निर्णयों और घोषणाओं का वास्तविक प्रभाव कितना है। पिछले वर्षों में रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया का संकट, वैश्विक आर्थिक अस्थिरता, जलवायु परिवर्तन की चुनौती और बढ़ती व्यापारिक प्रतिस्पर्धा जैसी समस्याओं के समाधान में यह संगठन अपेक्षित भूमिका निभाने में सफल नहीं दिखा है।

वैश्विक अर्थव्यवस्था, अंतरराष्ट्रीय राजनीति, व्यापार, जलवायु परिवर्तन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ऊर्जा सुरक्षा और युद्ध जैसे अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा के लिए दुनिया की सात प्रमुख विकसित अर्थव्यवस्थाओं का यह मंच एकत्रित हुआ है। ऐसे समय में यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि क्या जी-7 आज भी उतना ही प्रासंगिक और प्रभावशाली है, जितना उसकी स्थापना के समय था? क्या यह संगठन वास्तव में वैश्विक समस्याओं के समाधान का मंच बन पाया है अथवा यह कुछ शक्तिशाली देशों के हितों की रक्षा का माध्यम बनकर रह गया है? क्या इस मंच की प्रासंगिकता एवं उपयोगिता को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने स्वार्थों के चलते धुंधलाने में लगे हैं?

जी-7 में अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, इटली, कनाडा और जापान शामिल हैं, लेकिन व्यवहारिक रूप से इसकी दिशा और नीति निर्धारण पर अमेरिका का प्रभाव सबसे अधिक दिखाई देता है। विशेष रूप से राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका की विदेश नीति ने सहयोग के बजाय दबाव और वर्चस्व की प्रवृत्ति को बढ़ावा दिया है। ट्रंप ने अपने सहयोगी देशों के साथ भी कई बार ऐसा व्यवहार किया है, मानो वे साझेदार नहीं बल्कि अमेरिकी नीतियों का अनुसरण करने वाले अनुयायी हों। टैरिफ युद्ध, व्यापारिक प्रतिबंध, रक्षा व्यय को लेकर दबाव और अनेक एकतरफा निर्णयों ने सदस्य देशों के बीच अविश्वास बढ़ाया है। विशेषतः ईरान-इजरायल युद्ध ने समूची दुनिया की अर्थव्यवस्था का धराशायी कर दिया और यह अब अमेरिका के कारण ही हुआ है क्योंकि पिछले कुछ महीनों में हिंसक संघर्ष ने पूरे क्षेत्र को एक व्यापक युद्ध की आशंका से भर दिया था। ईरान, इजरायल और इस क्षेत्र के अनेक गैर-राज्यीय समूह आमने-सामने खड़े दिखाई दे रहे थे। इस संघर्ष का सबसे महत्त्वपूर्ण केंद्र होर्मुज जलमार्ग बन गया था, जहां से विश्व के लगभग पांचवें हिस्से का तेल गुजरता है। जी-7 समूह के देश भी इसको लेकर बंटे हुए थे।

यही कारण है कि जी-7 के भीतर आज पहले जैसी एकजुटता दिखाई नहीं देती। फ्रांस, जर्मनी, कनाडा और जापान जैसे देश कई मुद्दों पर अमेरिका से अलग दृष्टिकोण रखते हैं। ईरान युद्ध ही नहीं, बल्कि जलवायु परिवर्तन

के प्रश्न पर, वैश्विक व्यापार के नियमों पर और बहुपक्षीय संस्थाओं की भूमिका को लेकर भी मतभेद सामने आते रहे हैं। ऐसे में यह अपेक्षा करना कठिन है कि यह संगठन विश्व की जटिल समस्याओं के समाधान के लिए कोई सर्वमान्य और प्रभावी रणनीति प्रस्तुत कर पाएगा। इस सम्मेलन में भारत की उपस्थिति विशेष महत्त्व रखती है। भारत भले ही जी-7 का सदस्य न हो, लेकिन उसकी बढ़ती आर्थिक शक्ति, वैश्विक प्रतिष्ठा और विकासशील देशों के प्रतिनिधि स्वरूप ने उसे इस मंच का एक महत्त्वपूर्ण सहभागी बना दिया है। यह अवसर केवल भारत की उपलब्धियों को प्रस्तुत करने का नहीं, बल्कि उन विकासशील और निर्धन देशों की आकांक्षाओं को मुखर करने का भी है, जिनकी आवाज अक्सर वैश्विक निर्णय प्रक्रिया में दब जाती है।

आज अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका के अनेक देश आर्थिक संकट, खाद्य असुरक्षा, जलवायु आपदाओं और ऋण के बोझ से जूझ रहे हैं। उनकी प्राथमिकताएं जी-7 देशों की प्राथमिकताओं से भिन्न हैं। इसलिए भारत को यह प्रश्न उठाना चाहिए कि क्या विश्व की दिशा तय करने का अधिकार केवल कुछ विकसित देशों तक सीमित रहना चाहिए? क्या वैश्विक शासन व्यवस्था को अधिक लोकतांत्रिक, समावेशी और प्रतिनिधिक नहीं बनाया जाना चाहिए? यह समय विकासशील देशों की आवाज को मजबूती देने और वैश्विक दक्षिण (ग्लोबल साउथ) की चिंताओं को केंद्र में लाने का है। जी-7 की प्रासंगिकता पर सबसे बड़ा प्रश्न उसकी प्रभावशीलता को लेकर है। यदि कोई संगठन विश्व की प्रमुख समस्याओं को रोकने या सुलझाने में सक्षम नहीं है, तो उसकी उपयोगिता स्वतः प्रश्नों के घेरे में आ जाती है। रूस-यूक्रेन युद्ध वर्षों से जारी है। पश्चिम एशिया लगातार अशांत बना हुआ है। आतंकवाद और कट्टरता की चुनौतियां बनी हुई हैं। जलवायु परिवर्तन के कारण पूरी दुनिया अभूतपूर्व संकटों का सामना कर रही है। इसके बावजूद वैश्विक नेतृत्व देने का दावा करने वाले मंचों की उपलब्धियां सीमित दिखाई देती हैं।

हाल के दिनों में अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम होने तथा शांति और सहमति की दिशा में बढ़ने की खबरों ने पूरी दुनिया को राहत दी है। लंबे समय से चल रहे तनाव के कारण पश्चिम एशिया में अस्थिरता बढ़ रही थी और इसका प्रभाव वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भी पड़ रहा था। जैसे ही दोनों देशों के बीच समझौते और संवाद की संभावनाएं मजबूत हुईं, दुनिया भर के वित्तीय बाजारों में सकारात्मक संकेत दिखाई दिए। निवेशकों का विश्वास बढ़ा, ऊर्जा बाजार में स्थिरता के संकेत मिले और तेल की कीमतों में नरमी आई। इससे स्पष्ट है कि शांति केवल राजनीतिक उपलब्धि नहीं होती, बल्कि उसका सीधा संबंध वैश्विक आर्थिक स्थिरता और आम नागरिक के जीवन से भी होता है। लेकिन यहां एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठता है। यदि संवाद और समझौता ही अंततः समाधान का मार्ग था, तो फिर टकराव और तनाव की स्थिति को इतना लंबा क्यों खींचा गया? आखिर राष्ट्रपति ट्रंप को समझौते और सहमति के लिए राजी होने की आवश्यकता क्यों महसूस हुई? क्या इसके पीछे आर्थिक दबाव थे? क्या वैश्विक बाजारों की चिंता थी? क्या अमेरिकी जनता की अपेक्षाएं थीं? या फिर यह स्वीकारोक्ति थी कि युद्ध और दबाव की राजनीति की भी सीमाएं होती हैं? ये ऐसे प्रश्न हैं जिन पर जी-7 जैसे मंचों में गंभीर चर्चा होनी चाहिए।

विश्व समुदाय केवल औपचारिक शांति समझौतों से संतुष्ट नहीं हो सकता। आवश्यकता इस बात की है कि शांति स्थायी, विश्वसनीय और न्यायपूर्ण हो। यदि समझौते केवल राजनीतिक छवि निर्माण, चुनावी लाभ या अस्थायी रणनीतिक उद्देश्यों के लिए किए जाते हैं, तो वे लंबे समय तक टिक नहीं पाते। जी-7 को यह सुनिश्चित करने की दिशा में पहल करनी चाहिए कि विश्व के विभिन्न क्षेत्रों में होने वाले शांति प्रयास वास्तविक हों और उनका उद्देश्य मानवता के हितों की रक्षा करना हो। आज वैश्विक व्यवस्था एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ी है। दुनिया अब एकध्रुवीय नहीं रही। भारत, चीन, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका, इंडोनेशिया और अन्य उभरती अर्थव्यवस्थाएं वैश्विक शक्ति संतुलन को नया स्वरूप दे रही हैं। ऐसे समय में जी-7 को भी अपनी कार्यशैली और दृष्टिकोण में परिवर्तन करना होगा। यदि यह मंच केवल अमेरिकी नेतृत्व और पश्चिमी हितों का प्रतिनिधि बना रहेगा, तो इसकी स्वीकार्यता और प्रभावशीलता लगातार घटती जाएगी।

आवश्यकता इस बात की है कि जी-7 स्वयं को अधिक समावेशी बनाए, विकासशील देशों को निर्णय प्रक्रिया में अधिक स्थान दे, आर्थिक न्याय और जलवायु न्याय के प्रश्नों पर ठोस पहल करे तथा वैश्विक शांति को सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान करे। अमेरिका को भी यह समझना होगा कि नेतृत्व और प्रभुत्व में अंतर होता है। नेतृत्व विश्वास अर्जित करता है, जबकि प्रभुत्व विरोध को जन्म देता है। फ्रांस में हो रहा यह सम्मेलन केवल आर्थिक या राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा का मंच नहीं होना चाहिए, बल्कि यह आत्ममंथन का अवसर भी बनना चाहिए। जी-7 को यह विचार करना होगा कि बदलती दुनिया में उसकी भूमिका क्या है और वह किस प्रकार अधिक उपयोगी, प्रभावी और विश्वसनीय बन सकता है।

देश दुनीया से

# कैसे बढ़ाएं शिक्षा में गुणवत्ता?

आज की तेजी से बदलती दुनिया में, शिक्षा में गुणवत्ता के महत्त्व को कम करके नहीं आंका जा सकता। स्कूलों और कॉलेजों से लेकर जीवन भर सीखने के कार्यक्रमों तक, गुणवत्ता वह आधार है जो यह पक्का करता है कि सीखना असरदार, निष्पक्ष और टिकाऊ हो। शिक्षा में गुणवत्ता का मतलब हर व्यक्ति या हर स्थिति के लिए एक जैसा नहीं होता। कुछ लोगों के लिए, इसका मतलब अच्छी तरह से प्रशिक्षित शिक्षक हो सकते हैं जो छात्रों को प्रेरित करते हैं। दूसरों के लिए, इसका मतलब आधुनिक सुविधाएं, अपडेटेड पाठ्यक्रम और पढ़ाने के नए तरीके हो सकते हैं। फिर भी, मूल रूप से, शिक्षा में गुणवत्ता को तीन जरूरी तत्वों के मेल के रूप में समझा जा सकता है। शिक्षा को समाज की वास्तविक जरूरतों को पूरा करना चाहिए और सीखने वालों को वर्तमान और भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करना चाहिए। हर सीखने वाले को, चाहे उसकी पृष्ठभूमि कुछ भी हो, ऐसे अवसरों तक पहुंच मिलनी चाहिए जो उन्हें सफल होने में मदद करें। शिक्षा को न केवल ज्ञान देना चाहिए, बल्कि उसे असल जिंदगी में लागू करने की क्षमता भी देनी चाहिए, जिससे व्यक्तिगत विकास और सामाजिक प्रगति में योगदान मिल सके। जब ये पहलू एक साथ आते हैं, तो शिक्षा केवल एक औपचारिकता से आगे बढ़कर प्रगति की एक सच्ची ताकत बन जाती है। जब शिक्षा उच्च गुणवत्ता वाली होती है, तो यह भरोसा पैदा करती है। माता-पिता को विश्वास होता है कि अपने बच्चों को स्कूल भेजने से वे भविष्य के लिए तैयार होंगे। नियोक्ता आश्वस्त महसूस करते हैं कि ग्रेजुएट कुशल और सक्षम हैं। समुदाय शिक्षा को विकास के आधार के रूप में देखते हैं। गुणवत्ता के बिना, यह भरोसा कमजोर हो जाता है और डिप्लोमा या सर्टिफिकेट का मूल्य खत्म हो जाता है। एक ऐसी प्रणाली जो गुणवत्ता को महत्त्व देती है, वह रटने से कहीं आगे जाती है। यह छात्रों को सिखाती है कि सवाल कैसे पूछें, समस्याओं को कैसे हल करें और खुद से कैसे सोचें। ये ऐसी क्षमताएं हैं जो पाठ्यपुस्तकें बंद होने के लंबे समय बाद भी मूल्यवान बनी रहती

हैं। उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा गरीबी और असमानता के चक्र को तोड़ सकती है। निष्पक्ष अवसर और सीखने का प्रभावी माहौल देकर, यह वंचित पृष्ठभूमि वाले छात्रों को अपने साथियों के साथ बराबरी के स्तर पर मुकाबला करने का मौका देता है। जिन समुदायों में शिक्षा का सिस्टम मजबूत होता है, वहां अक्सर ज्यादा इनोवेशन, सामाजिक स्थिरता और लोगों की भागीदारी देखने को मिलती है। अच्छी शिक्षा से ऐसे जागरूक नागरिक तैयार होते हैं, जो समाज में सकारात्मक योगदान दे सकते हैं। शिक्षा ग्रेजुएशन के साथ खत्म नहीं होती। जिस व्यक्ति को अच्छी शिक्षा मिली हो, उसे जीवन भर इसके फायदे मिलते हैं। काम की जगह पर, अच्छी सीख प्रोफेशनल काबिलियत में बदल जाती है। घर पर, यह लोगों को मजबूत मूल्यों वाली अगली पीढ़ी तैयार करने में मदद करती है। समाज में, यह जिम्मेदारी, सम्मान और भागीदारी को बढ़ावा देती है। जीवन भर रहने वाला यह असर बताता है कि गुणवत्ता (क्वालिटी) से कभी समझौता क्यों नहीं करना चाहिए। खराब शिक्षा सालों की मेहनत बर्बाद कर सकती है, जबकि अच्छी शिक्षा दशकों तक जीवन को बेहतर बनाती है। शिक्षा में गुणवत्ता का मतलब सिर्फ किताबें, टेक्नोलॉजी या सुविधाएं नहीं हैं, इसका संबंध लोगों से भी है। शिक्षक अहम भूमिका निभाते हैं। वे न सिर्फ छात्रों के दिमाग को, बल्कि उनके नजरिए को भी आकार देते हैं। एक समर्पित शिक्षक जिज्ञासा, आत्मविश्वास और क्रिएटिविटी को प्रेरित कर सकता है। इसी तरह, प्रेरित छात्र, शामिल माता-पिता और सहयोगी समुदाय- सभी शिक्षा को सार्थक बनाने में योगदान देते हैं। बिना गुणवत्ता के, शिक्षा पर सवाल उठ सकते हैं। गुणवत्ता के साथ, यह एक भरोसेमंद पासपोर्ट बन जाती है जो सीखने वालों को दुनिया के किसी भी कोने में सफल होने में मदद करती है। गुणवत्ता के सबसे अहम पहलुओं में से एक यह है कि यह एक जगह स्थिर नहीं रह सकती। दुनिया लगातार बदल रही है- नई टेक्नोलॉजी आती हैं, नए उद्योग बनते हैं, और नई चुनौतियां सामने आती हैं। शिक्षा को भी इसके साथ कदम मिलाकर चलना होगा। इसका मतलब है सिलेबस की लगातार समीक्षा, पढ़ाने के नए तरीके और ऐसे लचीले सिस्टम जो छात्रों और समाज की जरूरतों के हिसाब से ढल सकें। गुणवत्ता के लिए समर्पित संस्थान कभी भी सुधार करना बंद नहीं करता। यह फीडबैक लेता है, नतीजों को मापता है, और प्रासंगिकता व असरदार होने के लिए अपने तरीकों में बदलाव करता है। सुधार की यह संस्कृति शिक्षा को जीवंत, गतिशील और भविष्य के लिए तैयार रखती है। शिक्षा में गुणवत्ता को निष्पक्षता से अलग नहीं किया जा सकता। असली गुणवत्ता का मतलब है कि कोई भी सीखने वाला पीछे न छूटे, चाहे वजह आर्थिक पृष्ठभूमि, लिंग या जगह हो। समानता यह पक्का करती है कि सभी छात्रों को पढ़ाई और संसाधनों के एक जैसे ऊंचे स्तर तक पहुंचने का मौका मिले। जब शिक्षा उच्च-गुणवत्ता वाली और समान होती है, तो इससे ऐसे समाज बनते हैं जो ज्यादा न्यायपूर्ण, समावेशी और स्थिर होते हैं। यही संतुलन शिक्षा को उसका सबसे बड़ा मकसद पूरा करने में मदद करता है, हर इनसान को सशक्त बनाना। आज के दौर में, टेक्नोलॉजी गुणवत्ता को बढ़ाने का एक अहम जरिया बन गई है। ऑनलाइन लर्निंग, डिजिटल क्लासरूम और स्मार्ट टूल्स ने शिक्षा तक पहुंच बढ़ाई है।

आप का नजरीया

# विधायक जीरो, बीस सांसद!

लोकतंत्र और दलबदल का एक भद्दा और मजाकनुमा उदाहरण सामने आया है। तृणमूल कांग्रेस के 20 बागी सांसदों ने ऐसी पार्टी में विलय की घोषणा की है, जिसका अस्तित्व ही बौना है। पार्टी अज्ञात है। एक क्षेत्रीय दल की भी उसे मान्यता प्राप्त नहीं है। उसका एक भी निर्वाचित विधायक नहीं है। हालांकि उसके दो उम्मीदवारों ने त्रिपुरा विधानसभा का चुनाव लड़ा था और एक निर्दलीय को पार्टी ने समर्थन दिया था। उन तीनों उम्मीदवारों को कुल 1198 वोट मिले थे। जाहिर है कि जमानतें जब्त हुईं, लेकिन अचानक उसी पार्टी के खाते में 20 सांसद हो जाएंगे और वह लोकसभा में भाजपा, कांग्रेस, सपा, द्रमुक के बाद 5वीं बड़ी पार्टी हो जाएगी। कितना हास्यास्पद है? एक भी विधायक नहीं, लोकसभा का चुनाव लड़ा नहीं और 20 सांसद...! यह दलबदल और मौकापरस्ती की पराकाष्ठा और विदूरप तस्वीर है। क्या यह लोकतंत्र और चुनाव में संभव है? क्या 10वीं अनुसूची के तहत दलबदल निरोधक कानून में इस स्थिति को वैधता दी जानी चाहिए? ये 20 दलबदलू सांसद किसके प्रति जवाबदेह होंगे? इनका निर्वाचन तृणमूल के चुनाव चिह्न पर किया गया था, भाजपा उम्मीदवारों के खिलाफ इन्हें जनादेश दिया गया था, स्पीकर ओम बिरला के फैसले के बाद ये सांसद भारतीय राष्ट्रीय नागरिक पार्टी (एनसीपीआई) के सांसद होंगे और सत्तारूढ़ एनडीए के घटक होंगे। यह पार्टी भी एनडीए की घटक है, न जाने किस आधार पर..? अंततः इस पार्टी और सांसदों का विलय भाजपा में हो सकता है! यह निश्चित रूप से लोकतंत्र और संविधान का मजाक है। निश्चित रूप से दलबदल कानून में गहरी दरारें हैं, जिनमें घुस कर इन सांसदों ने अपनी सांसदी बचाने की कोशिश की है। ये भारतीय राजनीति की 'काली भेड़ें' हैं, लिहाजा प्रख्यात अधिवक्ता एवं राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने उचित ही कहा है कि इन सांसदों की सदस्यता बर्खास्त की जाए। ऐसा कदापि नहीं होगा, क्योंकि ये भाजपा-समर्थक सांसद हैं। भाजपा को संसद के भीतर वोटों का जुगाड़ करना है। दरअसल इन दलबदलुओं ने सर्वोच्च अदालत की संविधान पीठ के फैसले की आत्मा ही कुचल दी है। यदि यह मामला सर्वोच्च अदालत में गया, तो न्यायिक पीठ व्याख्या कर सकती है कि दलबदल या पार्टी में विभाजन किन आधारों पर संवैधानिक है? ममता बनर्जी की मूल तृणमूल कांग्रेस ने भी स्पीकर को पत्र लिखा है कि पार्टी अटूट है, लिहाजा नए गुट (बागी) को मान्यता न दी जाए। स्पीकर भी संविधान और कानून विशेषज्ञों की सलाह ले रहे हैं कि 20 बागी सांसदों की वैधता कितनी है? दिवंगत संविधान विशेषज्ञ एवं लोकसभा के पूर्व महासचिव सुभाष कश्यप मानते थे कि स्पीकर के निर्णय भी 'राजनीतिक' होते हैं, क्योंकि वह भी किसी पार्टी के सांसद होते हैं, लिहाजा अवचेतन में उस पार्टी के प्रति निष्ठा बनी रहती है। स्पीकर के निर्णय को अदालत में चुनौती दी जा सकती है, लेकिन अदालतें भी स्पीकर के फैसले को बहुत कम छेड़ती हैं। विधायिका और न्यायपालिका के समान सम्मान की बात आड़े आ जाती है, लिहाजा स्पीकर के निर्णय कई सालों तक अदालतों में लटके रहते हैं। गोवा के दलबदल का मामला कई साल पुराना है, जिसमें कांग्रेस के 12 विधायकों ने पाला बदल कर भाजपा का पल्लू थामा था। महाराष्ट्र के असली शिवसेना और एनसीपी के मामले भी शीर्ष अदालत में विचाराधीन हैं। बहरहाल मौजूदा संदर्भ में स्पीकर के अंतिम फैसले का इंतजार करना चाहिए। एक बौनी और अज्ञात पार्टी में, बुनियादी रूप से तृणमूल के, 20 सांसदों का विलय भाजपा की ही रणनीति है। यह बंगाल चुनाव से पहले ही तय कर ली गई थी। मकसद है कि लोकसभा में संविधान संशोधन बिलों पर इन सांसदों के वोट भाजपा-एनडीए के पक्ष में आने चाहिए। यदि ये सांसद अलग गुट बनाते या इनका केस अदालत में चला जाता, तो इनके मतों पर रोक लगाई जा सकती थी, लिहाजा एनसीपीआई का रास्ता चुना गया। बागियों के एक वरिष्ठ नेता का कहना है कि वे संसद के मॉनसून सत्र के बाद, 'असली तृणमूल' का दावा चुनाव आयोग में ठोकेंगे।

तृणमूल कांग्रेस के 20 बागी सांसदों ने ऐसी पार्टी में विलय की घोषणा की है, जिसका अस्तित्व ही बौना है। पार्टी अज्ञात है। एक क्षेत्रीय दल की भी उसे मान्यता प्राप्त नहीं है। उसका एक भी निर्वाचित विधायक नहीं है। हालांकि उसके दो उम्मीदवारों ने त्रिपुरा विधानसभा का चुनाव लड़ा था और एक निर्दलीय को पार्टी ने समर्थन दिया था। उन तीनों उम्मीदवारों को कुल 1198 वोट मिले थे। जाहिर है कि जमानतें जब्त हुईं, लेकिन अचानक उसी पार्टी के खाते में 20 सांसद हो जाएंगे और वह लोकसभा में भाजपा, कांग्रेस, सपा, द्रमुक के बाद 5वीं बड़ी पार्टी हो जाएगी। कितना हास्यास्पद है? एक भी विधायक नहीं, लोकसभा का चुनाव लड़ा नहीं और 20 सांसद...! यह दलबदल और मौकापरस्ती की पराकाष्ठा और विदूरप तस्वीर है। क्या यह लोकतंत्र और चुनाव में संभव है? क्या 10वीं अनुसूची के तहत दलबदल निरोधक कानून में इस स्थिति को वैधता दी जानी चाहिए? ये 20 दलबदलू सांसद किसके प्रति जवाबदेह होंगे? इनका निर्वाचन तृणमूल के चुनाव चिह्न पर किया गया था, भाजपा उम्मीदवारों के खिलाफ इन्हें जनादेश दिया गया था, स्पीकर ओम बिरला के फैसले के बाद ये सांसद भारतीय राष्ट्रीय नागरिक पार्टी (एनसीपीआई) के सांसद होंगे और सत्तारूढ़ एनडीए के घटक होंगे। यह पार्टी भी एनडीए की घटक है, न जाने किस आधार पर..? अंततः इस पार्टी और सांसदों का विलय भाजपा में हो सकता है! यह निश्चित रूप से लोकतंत्र और संविधान का मजाक है।

दृष्टि कोण

# कीटनाशकों का पसरता जहर

1960 के दशक में भारतवर्ष को अन्न संकट का सामना करना पड़ा था, जिससे निजात पाने के लिए नए-नए आजाद हुए देश के पास अभी तक अपनी कृषि शोध संस्थाओं का भी अभाव था। लिहाजा मजबूरी में हमें अमरीकी रासायनिक कृषि मॉडल का अनुकरण करना पड़ा। उच्च उत्पादकता के लिए वही उपलब्ध और स्थापित मॉडल था। जिसके अंतर्निहित खतरे भी अभी तक सामने नहीं आए थे। हरित क्रांति के नाम पर नई कृषि पद्धति का भारत में आगमन हुआ, जो मुख्यतः रासायनिक खादों से उपज बढ़ाने और फसलों को लगने वाली बीमारियों पर नियंत्रण के लिए रासायनिक कीटनाशकों के प्रयोग पर आधारित थी। शुरू शुरू में उपज बढ़ाने में अच्छी सफलता मिली, अन्न उत्पादन में देश आत्मनिर्भर हुआ। धीरे धीरे इस पद्धति की सीमाएं सामने आने लगी हैं। यह स्पष्ट होता जा रहा है कि यह पद्धति टिकाऊ नहीं है। रासायनिक कृषि एक आत्मघाती पद्धति साबित होती जा रही है। रासायनिक कीटनाशकों के अनियंत्रित प्रयोग से एक ओर जहां मिट्टी के उपजाऊपन को हानि पहुंच रही है, वहीं कीटनाशकों का जहर खाद्यान्नों, फलों-सब्जियों में पहुंच कर मनुष्य स्वास्थ्य के लिए भयानक खतरा पैदा करता जा रहा है। फसलों और फलों के परागण के लिए जरूरी किसान के मित्र कीट भी नष्ट होते जा रहे हैं। बहुत से मित्र कीट और पक्षी जो फसलों में बीमारी फैलाने वाले कीटों को नियंत्रित करते थे, वे भी नष्ट होते जा रहे हैं। जैव-विविधता और मानव स्वास्थ्य के लिए खतरनाक जहर भारत में अनियंत्रित रूप से प्रयोग हो रहे हैं। कीटनाशक बनाने वाली कंपनियां ही शायद नियंत्रण के लिए प्रभावी कानून बनाने में सबसे बड़ी रुकावट हैं। इसका प्रमाण यह है कि 1968 के कीटनाशक एक्ट के बाद कोई प्रभावी और अनुभवों के आधार पर नया एक्ट बन ही नहीं सका है। 2008, 12 और 20 को इसके लिए किए गए प्रयास नामालूम कारणों से ठंडे बसते में ही पड़े रहे हैं। 2025 में भी नया ड्राफ्ट बनाने की बात सुनी है, किन्तु अभी उसका भी

अता पता नहीं है, जिसके चलते ऐसे जहर जो दुनिया के बहुत से देशों में प्रतिबंधित हैं, वे भारत में धड़ल्ले से प्रयोग हो रहे हैं और बेचे जा रहे हैं। हरित क्रांति में कई बीज भी अमरीका, मैक्सिको आदि देशों से आए थे। उनके साथ कई खरपतवारों के बीज भी आ गए। लेंटाना, युपिटोरियम, पार्थेनियम आदि अनेक खरपतवार फैल गए। उनके नियंत्रण के लिए वनस्पति नाशक रसायनों का प्रचलन हो गया, जिनमें पैराक्यूएट और ग्ल्यफोसेट जैसे अति जहरीले रसायन हैं जो दुनिया के बहुत से देशों में प्रतिबंधित हैं। इन रसायनों का कुछ अंश फसलों, फलों, सब्जियों में स्प्रे के बाद बचा रहता है और भोजन के साथ मनुष्य शरीर में चला जाता है। फसलों, फलों-सब्जियों के नमूने जांच करने के बाद पता चला है कि लगभग एक तिहाई खाद्य पदार्थों के नमूनों में कीटनाशकों और वनस्पति नाशकों के अंश पाए गए। इन अंशों की अधिकतम निर्धारित सीमा से अधिक जहर 3.5 फीसदी नमूनों में पाया गया। परिणामस्वरूप कीटनाशक जनित रोगों में बढ़ोतरी हो रही है, जिनमें सबसे ज्यादा खतरनाक कैंसर है। हिमाचल में फलों और सब्जियों पर भारी मात्रा में कीटनाशकों का प्रयोग हो रहा है, जिसके चलते कैंसर वृद्धि दर जहां राष्ट्रीय स्तर पर 0.6 फीसदी है, वहां हिमाचल में यह 2.2 फीसदी है, जो बहुत ही चिंताजनक स्थिति है। स्प्रे के दौरान भी किसान दुर्घटनावश कीटनाशकों के जहर की चपेट में आ जाते हैं, जिनमें से बहुत से अकाल मृत्यु के ग्रास बन जाते हैं। 2023 में पंजाब, हरियाणा, हिमाचल में इस तरह से जहर की चपेट में आने से 1197 मौतें दर्ज की गईं।

# एक देश, एक चुनाव, स्वदेशी और नागरिक कर्तव्य विकसित भारत के आधारस्तंभ : शिवराज

पटना ( हिंस )। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर भाजपा महानगर द्वारा राजधानी पटना में आयोजित *प्रबुद्ध सम्मेलन* को संबोधित करते हुए केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में भारत ने विकास, सुशासन, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने कहा कि आज भारत विश्व मंच पर एक मजबूत, आत्मविश्वासी और प्रभावशाली राष्ट्र के रूप में स्थापित हुआ है। सम्मेलन में उपस्थित बुद्धिजीवियों, शिक्षाविदों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और पार्टी पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि भीषण गर्मी के बावजूद बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति राष्ट्र और समाज के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि लोग उन्हें मंत्री या बड़ा नेता कहते हैं, लेकिन वे स्वयं को हमेशा *कार्यकर्ताओं का कार्यकर्ता* मानते हैं और यही उनकी सबसे बड़ी पहचान है। अपने संबोधन में उन्होंने स्वामी विवेकानंद के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत के पुनर्जागरण और विश्वगुरु बनने का जो सपना उन्होंने देखा था, वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में साकार होता दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि आज भारत वैभवशाली, गौरवशाली, शक्तिशाली और आत्मनिर्भर राष्ट्र के रूप में नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि एक समय ऐसा था जब दुनिया भारत को भ्रष्टाचार और घोटालों के नजरिए से देखती थी, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की छवि को पूरी तरह बदल दिया। आज भारत निवेश, नवाचार, आर्थिक विकास और वैश्विक नेतृत्व के लिए पहचाना जाता है। उन्होंने कहा कि वे पिछले 35 वर्षों से नरेंद्र मोदी के साथ कार्य कर रहे हैं और उन्होंने हमेशा उन्हें राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने वाला नेता पाया है। राष्ट्रीय सुरक्षा का उल्लेख करते हुए शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि आज का भारत आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करने में सक्षम है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश ने स्पष्ट संदेश दिया है कि आतंकवाद और उसके समर्थकों के प्रति किसी प्रकार की नरमी नहीं बरती जाएगी। भारत की सुरक्षा और सम्मान से किसी भी कीमत पर समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धि गरीब कल्याण है। करोड़ों परिवारों को पक्के मकान, शौचालय, पेयजल, बिजली और अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में *बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ* जैसे अभियानों ने समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का कार्य किया है। बिहार में भी महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए उल्लेखनीय प्रयास हुए हैं। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि देश में आधारभूत संरचना का अभूतपूर्व विस्तार हुआ है। वंदे भारत ट्रेनों, अटल टनल, आधुनिक सड़कों, डिजिटल इंडिया और ऊर्जा क्षेत्र में हुए सुधारों ने भारत की नई पहचान बनाई है। कोविड-19 महामारी के दौरान भारत ने न केवल अपने नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित की, बल्कि अनेक देशों को वैक्सीन उपलब्ध कराकर मानवता की सेवा का उदाहरण भी प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के निर्माण के लिए समाज को कुछ महत्वपूर्ण संकल्प लेने होंगे। *वन नेशन-वन इलेक्शन*, स्वदेशी उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा देना तथा प्रत्येक नागरिक द्वारा अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से निर्वहन करना समय की आवश्यकता है। किसान, शिक्षक, कर्मचारी, व्यापारी और समाज का प्रत्येक वर्ग अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक पालन करे, तभी विकसित भारत का सपना साकार हो सकेगा। अंत में केंद्रीय मंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि केंद्र सरकार बिहार के विकास, किसानों की समृद्धि, ग्रामीण बुनियादी ढांचे के विस्तार और गरीब कल्याण के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करती रहेगी।

# सिर्फ आवेदन शुल्क के 400 रुपए खर्च हुए, न सिफारिश, न घूस : चयनित अभ्यर्थी

लखनऊ ( हिंस )। उत्तर प्रदेश में सरकारी भर्तियों को लेकर पारदर्शिता और निष्पक्षता की नई मिसाल कायम करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा चयनित 930 कंप्यूटर ऑपरेटर (ग्रेड-ए) अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए हैं। मुख्यमंत्री के हाथों नियुक्ति पत्र प्राप्त करते ही चयनित अभ्यर्थियों के चेहरे खुशी से खिल उठे। इस अवसर पर अभ्यर्थियों ने भर्ती प्रक्रिया को पूरी तरह निष्पक्ष, पारदर्शी और भ्रष्टाचारमुक्त बताते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार व्यक्त किया है। योगी सरकार की मंशा रही है कि सरकारी नौकरियों में योग्य और मेहनती युवाओं को बिना किसी भेदभाव के अवसर मिले। कंप्यूटर ऑपरेटर भर्ती में चयनित अभ्यर्थियों के अनुभव भी इसी बात की पुष्टि करते दिखाई दिए। मुख्यमंत्री के हाथों नियुक्ति पत्र पाने वाले चयनित अभ्यर्थियों ने एक स्वर में कहा कि पूरी चयन प्रक्रिया में उन्हें किसी प्रकार की सिफारिश, पैरवी या अतिरिक्त खर्च की आवश्यकता नहीं पड़ी और केवल अपनी मेहनत के दम पर उन्हें सफलता मिली। लखनऊ निवासी चयनित अभ्यर्थी नीरज पाल ने बताया कि भर्ती प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष तरीके से संपन्न हुई है। उन्हें न तो किसी की सिफारिश की जरूरत पड़ी और न ही किसी प्रकार की घूस देनी पड़ी थी। केवल आवेदन शुल्क के रूप में 400 रुपए खर्च हुए थे। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का धन्यवाद करते हुए कहा कि आज उन्हें अपने सपनों की नौकरी मिली है। जौनपुर निवासी अरविंद कुमार ने बताया कि परिणाम पारदर्शी तरीके से घोषित हुआ है। उनका चयन कंप्यूटर ऑपरेटर के पद पर हुआ है। अरविंद कुमार ने बताया कि पूरी भर्ती प्रक्रिया निष्पक्ष और पारदर्शी रही है। मुख्यमंत्री के हाथों नियुक्ति पत्र प्राप्त करना उनके लिए गर्व और खुशी का क्षण है। इसी तरह हरदोई की रहने वाली अनामिका राजवंशी ने भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का धन्यवाद व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि भर्ती प्रक्रिया बिना किसी पक्षपात के पूरी की गई है। चयन के दौरान किसी प्रकार का भेदभाव देखने को नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि मेहनत करने वाले अभ्यर्थियों को उनका हक मिला है, जिससे युवाओं का सरकारी व्यवस्था पर भरोसा और मजबूत हुआ है। इसी तरह बिजनौर निवासी पर्व कुमार ने बताया कि नियुक्ति पत्र प्राप्त करना हर विद्यार्थी का सपना होता है और जब मुख्यमंत्री स्वयं नियुक्ति पत्र प्रदान करें तो यह उपलब्धि और भी विशेष बन जाती है। उन्होंने बताया कि भर्ती प्रक्रिया में किसी प्रकार का भेदभाव नहीं हुआ है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह रही कि आवेदन शुल्क के अतिरिक्त कोई अन्य खर्च नहीं करना पड़ा। उन्होंने कहा कि शासन और प्रशासन ने जिस विश्वास के साथ भर्ती प्रक्रिया को संपन्न कराया है, उसी विश्वास के साथ वह अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करेंगे और बेहतर से बेहतर कार्य करने का प्रयास करेंगे। चयनित अभ्यर्थी अंशिका मिश्रा ने कहा कि निष्पक्ष चयन प्रक्रिया के लिए वह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का हृदय से धन्यवाद करती हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी मिली है, उसका वह पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ निर्वहन करेंगी। यह नियुक्ति न केवल उनके लिए, बल्कि उनके पूरे परिवार के लिए गर्व का अवसर है। ऐसे ही कार्तिक सैनी ने मुख्यमंत्री से नियुक्ति पत्र प्राप्त करने को अपने जीवन का यादगार क्षण बताया। उन्होंने कहा कि यह दिन उनके और उनके परिवार के लिए बेहद गौरवपूर्ण है।

# वायरल वीडियो मामले में अकाली दल *वारिस पंजाब* दे का प्रदर्शन, मुख्यमंत्री से मांगा इस्तीफा

लुधियाना ( हिंस )। विवादित वायरल वीडियो मामले में मुख्यमंत्री भगवंत मान के इस्तीफे की मांग को लेकर अकाली दल *वारिस पंजाब* दे ने बुधवार को लुधियाना में डीसी कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। पार्टी कार्यकर्ताओं ने रोष मार्च निकालते हुए मुख्यमंत्री के खिलाफ नारेबाजी की और उनका पुतला फूंका। इसके बाद पंजाब के राज्यपाल के नाम मांग-पत्र जिला माल अधिकारी को सौंपा गया, क्योंकि डिप्टी कमिश्नर कार्यालय में मौजूद नहीं थे। प्रदर्शन का नेतृत्व जत्थेदार जसवंत सिंह चीमा, राजीव कुमार लवली और संदीप सिंह रुपालों ने किया। नेताओं ने कहा कि यह मामला सिख समुदाय की धार्मिक भावनाओं, पंजाब के लोगों के विश्वास और संवैधानिक जवाबदेही से जुड़ा हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री भगवंत मान से संबंधित विवादित वायरल वीडियो में सिख गुरु साहिबानों और संत जरनैल सिंह खालसा भिंडरांवाले से जुड़े धार्मिक प्रतीकों के प्रति कथित अपमानजनक व्यवहार दिखाया गया है। पार्टी नेताओं ने कहा कि श्री अकाल तख्त साहिब के समक्ष मुख्यमंत्री ने तलब किए जाने पर वीडियो को फर्जी और एआई से तैयार बताया था, लेकिन अकाल तख्त साहिब के निर्देशों पर करवाई गई फोरेंसिक जांचों में वीडियो में किसी प्रकार की एडिटिंग, टैंपरिंग, डीपफेक या एआई आधारित छेड़छाड़ का प्रमाण नहीं मिलने का दावा किया गया है। नेताओं के अनुसार इसके बाद श्री अकाल तख्त साहिब से जारी हुक्मनामे ने इस मामले को और गंभीर बना दिया है। उन्होंने कहा कि अब यह मामला केवल एक वीडियो तक सीमित नहीं रहा, बल्कि मुख्यमंत्री के जनता और सिख समुदाय के सामने किए गए दावों की सच्चाई से भी जुड़ गया है। नेताओं ने मांग की कि मुख्यमंत्री भगवंत मान के खिलाफ संबंधित कानूनी धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की जाए और जांच पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट के किसी वर्तमान न्यायाधीश की निगरानी में स्वतंत्र, निष्पक्ष और समयबद्ध तरीके से करवाई जाए। पार्टी नेताओं ने कहा कि जांच को प्रभावित होने से बचाने के लिए मुख्यमंत्री को नैतिक आधार पर पद से इस्तीफा देना चाहिए। उन्होंने जांच रिपोर्ट सार्वजनिक करने की भी मांग की। प्रदर्शन में कुलविंदर सिंह चंदी, अजीत सिंह बल्ल, हरभजन सिंह इयाली, साजिया परवीन सहित अनेक नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

# प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना से युवाओं को मिलेगा रोजगार

जोधपुर ( हिंस )। भारत सरकार द्वारा रोजगार सृजन को बढ़ावा देने, युवाओं को औपचारिक रोजगार से जोड़ने तथा सामाजिक सुरक्षा के दायरे का विस्तार करने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना लागू की गई है। पूर्व में यह योजना रोजगार लिंक्ड इंसेंटिव (ईएलआई) योजना के नाम से जानी जाती थी। योजना में विशेष रूप से विनिर्माण क्षेत्र को प्रोत्साहित करने पर जोर दिया गया है। योजना के तहत पहली बार नौकरी प्राप्त करने वाले पात्र कर्मचारियों को एक माह के वेतन के बराबर, अधिकतम 15 हजार रुपए तक की प्रोत्साहन राशि दो किस्तों में प्रदान की जाएगी। वहीं अतिरिक्त रोजगार सृजित करने वाले नियोक्ताओं को भी दो वर्षों तक प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। विनिर्माण क्षेत्र के लिए यह लाभ तीसरे और चौथे वर्ष तक बढ़ाया गया है। करीब 99, 446 करोड़ रुपए के परिव्यय वाली इस महत्वाकांक्षी योजना का लक्ष्य आगामी दो वर्षों में देशभर में 3.5 करोड़ से अधिक रोजगार अवसर सृजित करना है। इनमें लगभग 1.92 करोड़ युवा पहली बार औपचारिक कार्यबल का हिस्सा बनेंगे। योजना के लाभ 1 अगस्त 2025 से 31 जुलाई 2027 के बीच सृजित रोजगारों पर लागू होंगे। योजना के अंतर्गत कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) में पंजीकृत तथा एक लाख रुपए प्रतिमाह तक वेतन पाने वाले नए कर्मचारियों को प्रोत्साहन राशि का लाभ मिलेगा। वहीं नियोक्ताओं को प्रत्येक अतिरिक्त कर्मचारी पर प्रति माह अधिकतम 3, 000 रुपए तक का प्रोत्साहन दो वर्षों तक प्रदान किया जाएगा। योजना के सफल क्रियान्वयन के उपलक्ष्य में 19 जून को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में राष्ट्रीय स्तर का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। प्रधानमंत्री की उपस्थिति में पात्र लाभार्थियों को लगभग 22, 400 करोड़ रुपए की राशि वितरित की जाएगी। इसी क्रम में कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) क्षेत्रीय कार्यालय, जोधपुर द्वारा 19 जून को शाम 4.15 बजे केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान (काजरी) के सभागार में समानांतर कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राज्यसभा सांसद राजेन्द्र गहलोत तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में विधायक अतुल भंसाली एवं देवेंद्र जोशी उपस्थित रहेंगे।

# भाजपा को गोरखपुर में घेरकर चुनाव परिणाम बदलने का है संकल्प : अखिलेश यादव

लखनऊ ( हिंस )। गोरखपुर में इस बार हम लोगों ने चुनाव परिणाम बदलने के लिए संकल्प लिया है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को घेर कर जीरो करने का काम हम लोग करेंगे। मुख्यमंत्री ने गोरखपुर में 500 प्राइमरी स्कूल लगभग बंद कर दिए हैं। 1500 लोगों की सरकारी नौकरी सीधे-सीधे मुख्यमंत्री ने छीन ली। यह बातें समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने पार्टी की ओर से *ऑडिट 2* के तहत *राम नगरी में गोरखधंधा* बुकलेट जारी करते हुए कही। अखिलेश यादव बुधवार को राजधानी लखनऊ में पार्टी मुख्यालय में पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे। सपा अध्यक्ष ने कहा कि ये पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) के लोगों को पढ़ाना नहीं चाहते, जिससे वो आगे न बढ़ पाए, समाज में सम्मान न पा पाए। जब अपना ही घर नहीं संभाल पा रहे प्रदेश तो बस डग्गामार की तरह चल रहा है। अखिलेश यादव ने अयोध्या में श्रीराम मंदिर में दान की रकम को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में कहा कि हम सभी साधु-संतों का सम्मान करते हैं। हमारा धर्म का जो रास्ता है वो सत्य और दूसरों को सम्मान देने का रास्ता है इसीलिए पीडीए में प्रेम, दया, अपनापन भी है। उन्होंने कहा कि जैसा प्रभु राम बताएंगे उस रास्ते हम लोग चलेंगे। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि सीसीटीवी से सीसी (चंदा चोरी) का राज खुल जाएगा।

# भाखड़ा डैम में खतरे की ओर बढ़ता जलस्तर : दुष्यंत चौटाला

**-दुष्यंत चौटाला ने हरियाणा सरकार की जल-राजनीति पर उठाए सवाल**

गुरुग्राम ( हिंस )। हरियाणा के पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने राज्य में मानसून से पहले ही मंडरा रहे बाढ़ के भारी खतरे को लेकर हरियाणा सरकार की तैयारियों पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने सरकार को चेताया और कहा कि अभी भीषण गर्मी के कारण ग्लेशियर पिघलने से भाखड़ा डैम का जलस्तर अभी से खतरे के निशान की ओर बढ़ रहा है, लेकिन राज्य सरकार गहरी नींद में सोई हुई है। दुष्यंत चौटाला ने बुधवार को यहां जारी बयान में कहा कि पिछले वर्षों में आई भयानक बाढ़ से सरकार ने कोई सबक नहीं सीखा है और अगर तुरंत कड़े कदम नहीं उठाए, तो इस बार भी किसानों की फसल और सेंकड़ों गांव डूबने की कगार पर होंगे, जिसके लिए पूरी तरह से हरियाणा सरकार जिम्मेदार होगी। पूर्व डिप्टी सीएम ने भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड (बीबीएमबी) के ताजा आंकड़ों का हवाला देते हुए स्थिति की गंभीरता से अवगत कराते हुए बताया कि इन दिनों में भाखड़ा डैम का औसत जलस्तर 1543 फुट होता है, लेकिन वर्तमान में यह 1578 फुट पर पहुंच चुका है। डैम का जलस्तर अपने औसत से 35 फुट ऊपर है। पिछले वर्षों मे आई बाढ़ के मुकाबले 20 फुट ज्यादा है। गोबिंद सागर झील, जिसका जलग्रहण क्षेत्र 57, 000 वर्ग किलोमीटर है, उसमें भीषण गर्मी के कारण ग्लेशियरों के पिघलने से लगभग तीन लाख करोड़ लीटर अतिरिक्त पानी जमा हो चुका है। दुष्यंत चौटाला ने इस स्थिति पर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि देश-प्रदेश में अभी तक तो मानसून की पहली बारिश भी ठीक से नहीं हुई है और हमारे डैम अपनी क्षमता से ज्यादा भर चुके हैं। जब मानसून पूरे जोरों पर होगा, तब यह पानी कहां जाएगा। सरकार के पास अतिरिक्त पानी को सहेजने का कोई विजन नहीं है।

# गुरुग्राम : *370 बिरयानी* विवाद में कॉमेडियन प्रणीत मोरे और हिमांशु जांगड़ा पर एफआईआर

गुरुग्राम ( हिंस )। स्टैंडअप कॉमेडी शो के दौरान वायरल हुए 370 बिरयानी कंटेंट को लेकर स्टैंडअप कॉमेडियन प्रणीत मोरे और वेब डेवलपर हिमांशु जांगड़ा की मुश्किलें बढ़ गई हैं। महिलाओं पर कथित रूप से अभद्र और लैंगिक (जेंडर-बेस्ड) टिप्पणियां करने के मामले में राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने कड़ा रुख अपनाया है।राष्ट्रीय महिला आयोग की ओर से हरियाणा के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को लिखे गए पत्र पर संज्ञान लेते हुए गुरुग्राम पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। पुलिस ने मामले में कई गंभीर और गैर-जमानती धाराएं लगाई हैं। राष्ट्रीय महिला आयोग ने अपने पत्र में स्पष्ट किया है कि यौन दबाव, अधिकार जताने की मानसिकता और महिला की सहमति के उल्लंघन को हास्य (कॉमेडी) के रूप में प्रस्तुत करना महिलाओं की गरिमा पर गंभीर हमला है। आयोग ने इसे महिलाओं के सम्मान और सुरक्षित वातावरण में जीने के मौलिक अधिकार का उल्लंघन बताते हुए मामले में त्वरित कार्रवाई की मांग की थी। पुलिस ने इस विवादित कंटेंट को सभी डिजिटल और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से हटाने के लिए भी संबंधित कंपनियों को पत्र भेजा है। इसके साथ ही द लाफ स्टोर के एक मैनेजर से भी पूछताछ की गई है। बताया जा रहा है कि घटना के बाद हिमांशु जांगड़ा को उसकी कंपनी ने नौकरी से बर्खास्त कर दिया है। वैसे विवाद बढ़ने के बाद हिमांशु जांगड़ा और प्रणीत मोरे दोनों सार्वजनिक रूप से माफी मांग चुके हैं, लेकिन फिलहाल दोनों की ओर से पुलिस को कोई जवाब नहीं मिला है और वे सामने नहीं आए हैं। डीएलएफ फेज-2 थाना प्रभारी कृष्णकांत ने बुधवार को बताया कि मामले की जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि वायरल वीडियो, डिजिटल सामग्री और उपलब्ध अन्य साक्ष्यों के आधार पर मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार दोनों आरोपियों को नोटिस जारी कर जांच में शामिल होने के लिए कहा गया है। चूंकि मामले में गैर-जमानती धाराएं लगाई गई हैं, इसलिए पूछताछ के लिए पुलिस उन्हें कभी भी हिरासत में ले सकती है। उल्लेखनीय है कि गुरुग्राम के साइबर सिटी स्थित द *लाफ स्टोर* में बीते 12 अप्रैल को एक स्टैंडअप शो का आयोजन किया गया था। इस शो के दौरान हिमांशु जांगड़ा ने एक महिला को लेकर विवादित टिप्पणी की थी। इस पर मंच पर मौजूद कॉमेडियन प्रणीत मोरे ने हंसते हुए इसे पीक गुरुग्राम कंटेंट बताया था। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद देशभर में तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिली। लोगों ने इसे महिलाओं की सहमति, सम्मान और सुरक्षा का मजाक उड़ाने वाला बताते हुए आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी।

## जयगढ़ दुर्ग में सजेगी विरासत की महफिल

# 18 से 20 दिसंबर तक होगा हेरिटेज फेस्टिवल

जयपुर ( हिंस )। गुलाबी नगरी जयपुर की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और ऐतिहासिक गौरव को वैश्विक मंच पर नई पहचान देने के उद्देश्य से *जयगढ़ हेरिटेज फेस्टिवल* का तीसरा संस्करण आगामी 18 से 20 दिसंबर 2026 तक आयोजित किया जाएगा। इस तीन दिवसीय इस भव्य महोत्सव का आयोजन ऐतिहासिक जयगढ़ दुर्ग में किया जाएगा। यह आयोजन पद्मनाभ सिंह की पहल, टीमवर्क आर्ट्स के सहयोग और वेदांता के प्रस्तुतीकरण में होगा। वहीं विशेष बात यह है कि यह महोत्सव वर्ष 2027 में जयपुर शहर के 300 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले त्रिशताब्दी समारोहों का औपचारिक आगाज भी करेगा। आयोजन के माध्यम से जयपुर की समृद्ध विरासत, संस्कृति और ऐतिहासिक यात्रा को नई पीढ़ी तथा देश-दुनिया के पर्यटकों के सामने प्रस्तुत किया जाएगा। आमेर किले और मावठा झील के मनोरम दृश्य वाले *चील का टीला* स्थित जयगढ़ दुर्ग में आयोजित होने वाले इस उत्सव में संगीत, हस्तशिल्प, पारंपरिक बाजार, लोक कलाएं, वैचारिक संवाद, किस्सागोई और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। राजस्थान सहित दक्षिण एशिया की सांस्कृतिक धरोहर को जीवंत रूप में प्रस्तुत करने के लिए देश-विदेश के कलाकार, शिल्पकार और विशेषज्ञ इसमें भाग लेंगे। पद्मनाभ सिंह ने बताया कि जयगढ़ हेरिटेज फेस्टिवल उन परंपराओं, कहानियों और कलात्मक विरासतों का उत्सव है, जिन्होंने सदियों से जयपुर को आकार दिया है। उन्होंने कहा कि जयपुर के 300 वर्ष पूरे होने की तैयारी के बीच यह आयोजन अतीत की विरासत और आधुनिक सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों के बीच एक सार्थक सेतु का कार्य करेगा।

# विशेष तिलक-श्रृंगार के चलते खाटू धाम में एक दिन नहीं होंगे दर्शन

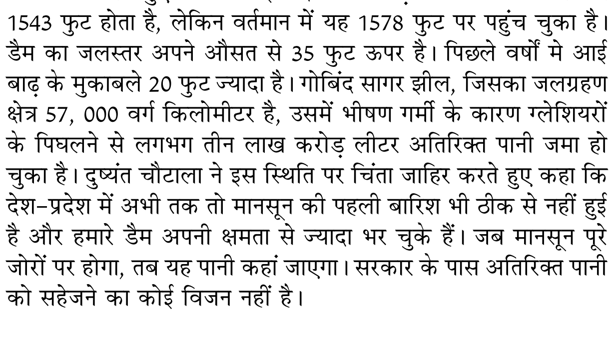

जयपुर/खाटूश्यामजी / सीकर ( हिंस )। बाबा श्याम के दर्शन के लिए खाटू धाम आने वाले श्रद्धालुओं के लिए महत्वपूर्ण सूचना है। श्री श्याम मंदिर कमेटी के अनुसार विशेष तिलक-श्रृंगार अनुष्ठान के चलते खाटूश्यामजी मंदिर के पट 18 जून की रात 10 बजे से 19 घंटे के लिए बंद रहेंगे। इस दौरान श्रद्धालुओं को बाबा श्याम के प्रत्यक्ष दर्शन नहीं हो सकेंगे। श्री श्याम मंदिर कमेटी के मंत्री मानवेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि मंदिर की परंपरा के अनुसार अमावस्या के बाद बाबा श्याम का विशेष तिलक-श्रृंगार किया जाता है। इस धार्मिक अनुष्ठान के दौरान बाबा श्याम के मस्तक पर चंदन का विशेष लेप लगाया जाता है तथा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा-अर्चना संपन्न कराई जाती है। उन्होंने बताया कि तिलक-श्रृंगार की संपूर्ण प्रक्रिया में 8 से 10 घंटे या उससे अधिक समय लग सकता है। इसी कारण 18 जून की रात 10 बजे मंदिर के पट बंद कर दिए जाएंगे और 19 जून को पूरे दिन मंदिर श्रद्धालुओं के लिए बंद रहेगा। इस अवधि में केवल अधिकृत पुजारी ही विशेष पूजा और श्रृंगार की व्यवस्थाओं में शामिल रहेंगे। मंदिर प्रशासन के अनुसार तिलक-श्रृंगार अनुष्ठान पूर्ण होने के बाद 19 जून को शाम 5 बजे मंदिर के पट पुन: श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे। इसके बाद बाबा श्याम के दर्शन एवं नियमित पूजा-अर्चना का क्रम शुरू हो जाएगा। मंदिर कमेटी ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे यात्रा की योजना बनाते समय मंदिर के बंद रहने की अवधि का ध्यान रखें, ताकि किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

# पश्चिम बंगाल के दो रेलवे स्टेशन का नामकरण जैन तीर्थंकरों के नाम पर होने से जैन समुदाय में खुशी

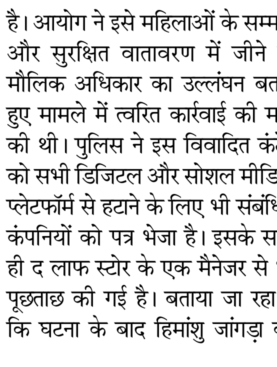

अररिया ( हिंस )। भारतीय रेलवे की ओर से पश्चिम बंगाल के कई महत्वपूर्ण स्टेशनों के नाम को बदलने की प्रक्रिया के तहत दो स्टेशन का नामकरण जैन तीर्थंकर के नाम पर किए जाने की घोषणा से जैन समुदाय में खुशी की लहर है। नए नामकरण के प्रस्तावित योजना के तहत अदिना स्टेशन का नाम जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर आदिनाथ के नाम पर आदिनाथ मालदा एवं वर्धमान स्टेशन का नाम जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी के नाम पर वर्धमान महावीरधाम किए जाने के प्रस्ताव का फारबिसगंज सकल जैन समाज के अध्यक्ष बछराज राखेचा, दिगंबर जैन समाज के अध्यक्ष विनोद सरावगी, तेरापंथ महासभा के अध्यक्ष महेंद्र वेद साधु मार्गी जैन समाज के अध्यक्ष ओम डोषी एवं जैन श्वेतांबर मंदिर मार्गी सभा के अध्यक्ष मूलचंद गोलछा के साथ पूरे जैन समाज ने केंद्र सरकार के साथ रेलवे बोर्ड के प्रति आभार जताया है। इसके साथ ही जोगबनी-कटिहार रेल खंड के अंतर्गत सिमराहा स्टेशन का नाम विश्व प्रसिद्ध आंचलिक कथाकार फणीश्वर नाथ रेणु के नाम पर रेणुग्राम सिमराहा किए जाने की चीरलंबीत मांग को पूरे किए जाने हेतु दधीचि देहदान समिति के जिलाध्यक्ष अजातशत्रु अग्रवाल, फारबिसगंज सिविल सोसाइटी के अध्यक्ष मांगीलाल गोलछा, साहित्यकार अनुज प्रभात रेल कंप्यूटर्स फॉरम के सदस्य राकेश रोशन, बिहार रेल यूजर्स एशोसियेशन के सदस्य चंदन भगत ने रेल मंत्रालय से की है।

# सदियों तक याद रखा जाएगा महाराणा प्रताप का गौरवशाली इतिहास : प्रो. राठौड़

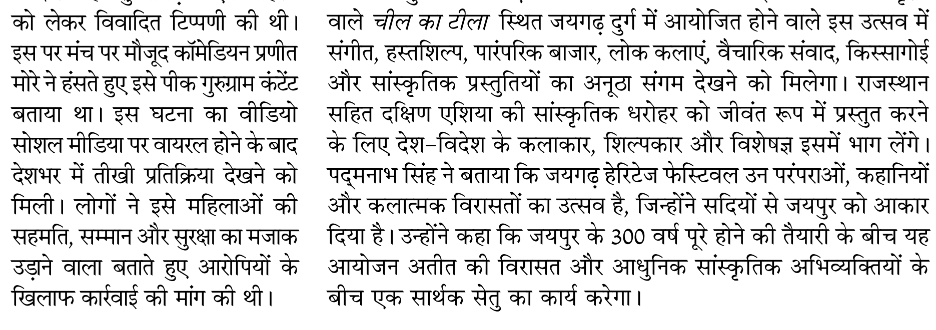

जोधपुर ( हिंस )। वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की 486वीं जयंती बुधवार को श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर रातानाडा स्थित गणेश मंदिर की तलहटी में स्थापित महाराणा प्रताप की अश्वारूढ़ प्रतिमा पर श्रद्धापूर्वक पुष्पांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में जेडीए के पूर्व अध्यक्ष प्रो. महेंद्र सिंह राठौड़ ने प्रतिमा पर माल्यार्पण कर महाराणा प्रताप को नमन किया। इस दौरान राठौड़ ने कहा कि महाराणा प्रताप का गौरवशाली इतिहास सदियों तक याद रखा जाएगा। उन्होंने अपने अदम्य साहस, स्वाभिमान और वीरता के बल पर मुगलों के विरुद्ध संघर्ष कर मातृभूमि की रक्षा की। उनका ीवन देशभक्ति, त्याग और स्वाभिमान का प्रतीक है, जो आज भी युवाओं को प्रेरणा प्रदान करता है। इस दौरान उपस्थित लोगों ने महाराणा प्रताप के आदर्शों को अपनाने तथा राष्ट्रहित के लिए समर्पित रहने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने भाग लेकर वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप को श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके साथ ही यहां पर पौधारोपण भी किया गया।

# खाड़ी में तनाव कम हुआ, आपकी जेब को मिलेगी राहत

नई दिल्ली

**जब अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध जैसी स्थिति ने खाड़ी देशों में तनाव बढ़ाया था, तब इसका सीधा असर भारत की अर्थव्यवस्था और आम आदमी की जेब पर पड़ा था। कच्चे तेल, गैस और आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान के चलते पेट्रोल-डीजल से लेकर दूध और हवाई टिकट तक सब कुछ महंगा हो गया था।**

**एलपीजी, सीएनजी, फर्टीलाइजर समेत 10 चीजें हो जाएंगी सस्ती**

लेकिन अब जैसे-जैसे यह भू-राजनीतिक संकट खत्म हो रहा है, भारत में महंगाई पर लगाम लगने और कई आवश्यक वस्तुओं व सेवाओं के दाम घटने की उम्मीद है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि खाड़ी में शांति का सबसे बड़ा फायदा ऊर्जा क्षेत्र को मिलेगा। भारत अपनी 60 फीसदी एलपीजी और 50 फीसदी प्राकृतिक गैस (एलएनजी) इन्हीं देशों से आयात करता है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रोपेन-ब्यूटेन और स्पाट एलएनजी की कीमतें गिरने से घरेलू एलपीजी सिलेंडर 70 से 100 रुपये तक और सीएनजी-पीएनजी 4 से 6 रुपये प्रति किलो तक सस्ते हो सकते हैं। हालांकि, एलपीजी पर सरकार सब्सिडी का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाती है या नहीं, यह देखना होगा। इसके अलावा हवाई सफर भी सस्ता होगा। कच्चे तेल की कीमतें सामान्य होने से एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) 10-12 फीसदी सस्ता होगा, जिससे एयरलाइंस कंपनियां हवाई किराए में 8-10 फीसदी की कटौती कर सकती हैं। आपकी रसोई में पहुंचने वाले विदेशी खजूर और अंजीर जैसे ड्राई फ्रूट्स भी 25 से 30 फीसदी तक सस्ते होंगे, क्योंकि समुद्री नाकेबंदी खत्म होने से इनकी सप्लाई सामान्य होगी। कृषि क्षेत्र में रासायनिक उर्वरक (यूरिया, फास्फेटिक खाद) के आयात पर लगने वाली लागत 12-15 फीसदी तक कम होगी, जिससे किसानों को राहत मिलेगी। उद्योगों के लिए प्लास्टिक दाना, स्क्रैप मेटल, इंडस्ट्रियल सल्फर और पेंट्स बनाने में इस्तेमाल होने वाला कच्चा माल भी सस्ता हो जाएगा। युद्ध के दौरान समुद्री जहाजों का भाड़ा और वार रिस्क इंश्योरेंस प्रीमियम 300 फीसदी तक बढ़ गया था, जो अब 30 फीसदी कम होने का अनुमान है। इससे इन उत्पादों की इनपुट लागत घटेगी और ये उपभोक्ताओं के लिए सस्ते हो जाएंगे। अंत में, ईंधन की लागत कम होने से आनलाइन डिलीवरी और लाजिस्टिक्स सेवाओं पर भी सकारात्मक असर पड़ेगा, जिससे डिलीवरी चार्जेस में 5-8 फीसदी की राहत मिल सकती है। कुल मिलाकर, खाड़ी में शांति भारतीय उपभोक्ताओं के लिए महंगाई से एक बड़ी राहत बनकर आई है।

## न्यूज ब्रीफ

### होंडा की बाइक्स में मिलेगा ई-क्लच तकनीक का खास अनुभव

**नई दिल्ली।** अपनी वर्ष 2026 के लिए प्रीमियम मोटरसाइकिल श्रृंखला का कंपनी होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने अनावरण किया है। ई-क्लच तकनीक वाली यह बाइक बिना मैन्युअल क्लच दबाए गियर बदलने की सुविधा प्रदान कर राइडिंग को पहले से कहीं अधिक आसान बनाती है। कंपनी ने नई सीबी750 हार्नेट और एक्सएल750 ट्रांसएल्प माडल्स के माध्यम से इस अभिनव तकनीक को भारतीय बाजार में उतारा है। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी त्सुत्सुमु ओटानी के अनुसार, यह ई-क्लच तकनीक आधुनिक इंजीनियरिंग का एक उत्कृष्ट उदाहरण है, जो शहर की भीड़भाड़ वाली सड़कों से लेकर लंबी दूरी की यात्राओं तक, सभी परिस्थितियों में राइडर्स को एक सहज और बेहतर अनुभव प्रदान करेगी। नई सीबी750 हार्नेट की एक्स-शोरूम कीमत 10.49 लाख रुपये रखी गई है। इसमें अपसाइड-डाउन फ्रंट फोर्क्स, ड्यूल डिस्क ब्रेक और स्मार्टफोन कनेक्टिविटी वाला टीएफटी डिस्प्ले जैसे प्रीमियम फीचर्स दिए गए हैं। एडवेंचर और टूरिंग के शौकीनों के लिए, एक्सएल750 ट्रांसएल्प को 13.20 लाख रुपये की शुरुआती कीमत पर पेश किया गया है।

### भारतीय मानक ब्यूरो ने किया ई22, ई27 और ई30 पेट्रोल के मानकों को अधिसूचित

**नई दिल्ली।** भारतीय मानक ब्यूरो ने हाल ही में ई22, ई27 और ई30 पेट्रोल के मानकों को अधिसूचित किया है। ई30 पेट्रोल का अर्थ है ऐसा ईंधन जिसमें 30 प्रतिशत इथेनाल और 70 प्रतिशत सामान्य पेट्रोल का मिश्रण होगा। हालांकि, इस पहल को लेकर विशेषज्ञों के बीच चिंताएं बढ़ गई हैं, उनका मानना है कि वर्तमान में देश में चल रहे अधिकांश वाहन इस उच्च इथेनाल मिश्रण के लिए पूरी तरह तैयार नहीं हैं। फिलहाल, देश में ई20 पेट्रोल (20 प्रतिशत इथेनाल) का उपयोग शुरू हो चुका है और वर्ष 2023 के बाद निर्मित अधिकांश नई गाड़ियां इसके अनुरूप हैं। लेकिन ई30 के मामले में स्थिति कहीं अधिक जटिल मानी जा रही है। इथेनाल की प्रकृति पानी को सोखने वाली होती है, जिससे पुराने इंजनों, फ्यूल पंपों, रबर पाइपों और इंजेक्टरों में जंग लगने या खराबी आने की आशंका बढ़ जाती है। इसके अतिरिक्त, इथेनाल में सामान्य पेट्रोल की तुलना में कम ऊर्जा होती है, जिसका सीधा असर वाहन के माइलेज पर पड़ता है। कई वाहन मालिकों ने ई20 पेट्रोल के उपयोग के बाद माइलेज में 10 से 20 प्रतिशत तक की गिरावट की शिकायत की है। ऐसे में, ई30 के इस्तेमाल से माइलेज पर और अधिक नकारात्मक प्रभाव पड़ने की संभावना जताई जा रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि ई30 ईंधन के प्रभावी और सुरक्षित उपयोग के लिए फ्लेक्स-फ्यूल तकनीक वाली गाड़ियों की आवश्यकता होगी। इसके लिए वाहन निर्माताओं को इंजन ट्यूनिंग, फ्यूल सिस्टम और अन्य संबंधित पुर्जों में महत्वपूर्ण तकनीकी बदलाव करने होंगे।

### हुंडई की लोकप्रिय हैचबैक नई आई20 ब्राजील में लांच

**नई दिल्ली।** ब्राजील में अपनी लोकप्रिय हैचबैक, नई आई20 कार को हुंडई ने लान्च कर दिया है। यह नया

माडल पूरी तरह बदले हुए लुक, उन्नत तकनीक और ई30 इथेनाल-ब्लेंडेड पेट्रोल को सपोर्ट करने वाले इंजन विकल्पों के साथ आया है। के3 प्लेटफार्म पर बनी इस कार की शुरुआती कीमत लगभग 18.78 लाख रुपये है। कंपनी इसे दो इंजन और गियरबाक्स विकल्पों में पेश कर रही है, जो दोनों ही ई30 इथेनाल मिश्रण वाले पेट्रोल को समर्थन देते हैं। यह खबर कुमार प्रशांत सिंह द्वारा 14 जून, 2026 को लाइव हिन्दुस्तान पर प्रकाशित की गई थी। नई आई20 का एक्सटीरियर पहले से कहीं अधिक बोल्ड और आधुनिक है। 4,130 मिमी की लंबाई और 1,780 मिमी की चौड़ाई के साथ, यह भारत में मौजूदा तीसरी पीढ़ी की आई20 से बड़ी है। इसमें वेरिएंट के अनुसार 15, 16 और 17 इंच के व्हील्स मिलते हैं, जबकि कनेक्टेड एलईडी लाइट बार फ्रंट और रियर को एक फ्यूचरिस्टिक लुक देते हैं। एसयूवी जैसा एहसास देने के लिए बंपर और व्हील आर्च पर ब्लैक बाडी क्लैडिंग का इस्तेमाल किया गया है। इंटीरियर की बात करें तो, नई आई20 ज्यादा प्रैक्टिकल और प्रीमियम हो गई है, जिसमें 346 लीटर का बूट स्पेस मिलता है, जो मौजूदा माडल से 35 लीटर अधिक है। केबिन में हुंडई का लेटेस्ट स्टीयरिंग व्हील, डुअल डिजिटल डिस्प्ले, वायरलेस चार्जिंग, वायरलेस एप्पल कारप्ले और एंड्राइड आटो जैसे आधुनिक फीचर्स स्टैंडर्ड दिए गए हैं।

# बंपर पैदावार और आक्रामक खरीद से भरे गोदाम, देश में गेहूं-चावल का रिकार्ड स्टाक

नई दिल्ली

बाजार में गेहूं के तेवर कड़े हो रहे हैं। राजधानी दिल्ली में अप्रैल में जो गेहूं 2550 रुपये प्रति क्विंटल के भाव पर था, वह 16 जून को बढ़कर 2700 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गया है। कीमतों में आई इस तेजी के पीछे दो बड़े कारण हैं। पहला है निर्यात में जोरदार उछाल। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, मार्च 2026 में जहां देश से महज 6,448 टन गेहूं का निर्यात हुआ था, वहीं अप्रैल 2026 में यह आंकड़ा करीब सात गुना बढ़कर 45,162 टन पर पहुंच गया है। निर्यात की इस तेज रफ्तार ने घरेलू बाजार में कीमतों को समर्थन दिया है।

दूसरा कारण है रिकार्ड तोड़ सरकारी खरीद। चालू फसल वर्ष 2025-26 में अच्छी मानसून बारिश के कारण देश में 12.06 करोड़ टन गेहूं का रिकार्ड उत्पादन हुआ है। सरकार ने इस साल 3.5 करोड़ टन गेहूं की खरीद की है, जिससे एक जून तक गेहूं का स्टाक 5.34 करोड़ टन के साथ 2021 के बाद अपने पांच साल के उच्चतम स्तर पर जा पहुंचा है।

**चावल का भंडार बढ़कर लक्ष्य से पांच गुना ज्यादा** - फसल वर्ष 2025-26 में देश में 15.4 करोड़ टन चावल का उत्पादन हुआ है। एक जून तक सरकारी गोदामों में बिना पिसा हुआ धान मिलाकर चावल का कुल स्टाक 6.84 करोड़ टन के सर्वकालिक रिकार्ड स्तर पर पहुंच गया। सरकार ने एक जुलाई तक आरक्षित भंडार का जो लक्ष्य तय किया था, वह महज 1.35 करोड़ टन था। यानी सरकार के पास तय लक्ष्य से पांच गुना से भी ज्यादा चावल का स्टाक मौजूद है। भारत दुनिया के कुल चावल निर्यात में अकेले 40 फीसदी की हिस्सेदारी रखता है। जानकारों का कहना है कि अल नीनो की आशंकाओं के बावजूद, इस महा-स्टाक के दम पर भारत बिना किसी डर के सप्लाई आक्रामक तरीके से जारी रख सकेगा।

**सोयाबीन के रकबे में बंपर बढ़त की उम्मीद** - इस साल सोयाबीन के रकबे में तेज बढ़ोतरी होने की उम्मीद है। किसानों और उद्योग जगत के अधिकारियों के मुताबिक, चार साल के उच्चतम स्तर पर पहुंची कीमतों और अल नीनो के कारण सामान्य से कम बारिश के अनुमानों ने किसानों को गन्ने और मक्के जैसी अधिक पानी वाली फसलों को छोड़कर इस तिलहन की ओर रुख करने के लिए प्रेरित किया है।

भारतीय किसानों ने वर्ष 2025 में 1.2 करोड़ हेक्टेयर में सोयाबीन की बुवाई की थी, उम्मीद है कि इस साल इसका क्षेत्रफल 10 फीसदी तक बढ़ सकता है। पिछले महीने सोयाबीन की कीमतें 7,587 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गईं, जो चार साल का उच्चतम स्तर है। यह समर्थन मूल्य से काफी ऊपर है।

### क्रेटा ने दर्ज की 15,235 यूनिट्स की शानदार बिक्री

**नई दिल्ली।** मई 2026 की बिक्री रिपोर्ट ने मिड-साइज एसयूवी सेगमेंट को लेकर बाजार की बदलती तस्वीर को उजागर किया है। बीते मई माह में क्रेटा ने 15,235 यूनिट्स की शानदार बिक्री दर्ज की, जो पिछले साल की तुलना में 2.52 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है, और इसने शीर्ष स्थान हासिल किया। सभी को पीछे छोड़ते हुए, हुंडई क्रेटा ने इस सेगमेंट में अपनी बादशाहत कायम रखी है। बिक्री सूची में दूसरे पायदान पर मारुति सुजुकी की नई एसयूवी विक्टोरिस रही, जिसने 10,853 यूनिट्स की बिक्री के साथ अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई। इसके बाद, किआ सेल्टोस ने 10,597 यूनिट्स बेचकर तीसरा स्थान प्राप्त किया, जिसमें सालाना आधार पर 74.24 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि देखी गई। चौथे नंबर पर मारुति सुजुकी ग्रैंड विटारा रही, जिसकी बिक्री में 80.22 प्रतिशत की जबरदस्त सालाना बढ़ोतरी हुई और इसने 9,366 यूनिट्स बेचीं। पांचवां स्थान टोयोटा हाइराइडर को मिला, जिसने 8,664 यूनिट्स की बिक्री के साथ 14.41 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। छठे स्थान पर टाटा सिएरा रही, जिसकी कुल 6,606 यूनिट्स बिकीं। हालांकि, सातवें नंबर पर मौजूद टाटा कर्व के लिए पिछला महीना कुछ खास नहीं रहा, जिसकी बिक्री में 45.15 प्रतिशत की भारी गिरावट आई और इसे केवल 1,680 नए ग्राहक मिले। आठवें नंबर पर एमजी जेडएस ईवी ने 1,562 यूनिट्स बेचकर 333.89 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की। वहीं, नौवें पायदान पर स्कोडा कुशाक रही, जिसने 103.42 प्रतिशत की सालाना बढ़ोतरी के साथ 1,310 यूनिट्स की बिक्री की। इस सूची में दसवें स्थान पर फाक्सवैगन टाइगुन रही, जिसकी 1,281 यूनिट्स बिकीं और इसमें 13.77 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई।

# भारत-अमेरिका व्यापार नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर

नई दिल्ली

**भारत और अमेरिका अपने द्विपक्षीय व्यापार संबंधों को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए लगातार उच्च-स्तरीय व्यापार वार्ता में संलग्न हैं। इन वार्ताओं का उद्देश्य एक व्यापक व्यापार समझौते को अंतिम रूप देना और आपसी व्यापार से संबंधित विभिन्न मुद्दों को हल करना है, ताकि दोनों देशों के लिए आर्थिक सहयोग को बढ़ावा मिल सके। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) कार्यालय के अधिकारी नियमित रूप से भारत का दौरा करते हैं और भारतीय वाणिज्य मंत्री तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात करते हैं।**

**व्यापार संबंधों में नई राह, ग्रीर का भारत दौरा सुलझाएगा उलझनें**

इन बैठकों का मुख्य ध्यान एक फ्रेमवर्क समझौते को अंतिम रूप देने और एक बड़े भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर चर्चा को आगे बढ़ाने पर होता है। दोनों पक्ष वस्तु व्यापार, गैर-शुल्क उपायों, सीमा शुल्क एवं व्यापार सुविधा, और आर्थिक सुरक्षा जैसे कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार-विमर्श करते हैं। वार्ता के दौरान एक प्रमुख मुद्दा यूएस ट्रेड एक्ट के सेक्शन 301 के तहत भारत के खिलाफ चल रही अमेरिकी जांच है। इस जांच के तहत अमेरिकी सरकार ने भारतीय वस्तुओं पर अतिरिक्त शुल्क लगाने का प्रस्ताव रखा है, जिसे भारत एक कानूनी मुद्दा मानता है जिसका व्यापार पर व्यापक प्रभाव पड़ेगा। भारत इस संबंध में अमेरिकी पक्ष से स्पष्टीकरण की मांग कर रहा है। पूर्व में दोनों देशों ने पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापार से जुड़े अंतरिम समझौते के प्रारूप पर सहमति व्यक्त की थी। इसके तहत कुछ शुल्कों को हटाने या कम करने पर भी विचार किया गया था, जिसका उद्देश्य व्यापारिक बाधाओं को कम करना था। ये निरंतर वार्ताएं भारत और अमेरिका के बीच एक मजबूत और स्थिर व्यापारिक साझेदारी स्थापित करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करती हैं।

## मौजूदा आर्थिक माहौल से अल्पकालिक चुनौतियों की आशंका

**नई दिल्ली।** एफएमसीजी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी प्रॉक्टर एंड गैंबल हाइजीन एंड हेल्थ केयर ने कहा है कि मौजूदा व्यापक आर्थिक परिस्थितियां निकट अवधि में कारोबार के लिए चुनौतियां पैदा कर सकती हैं। कंपनी के अनुसार उपभोक्ता मांग पर दबाव और कच्चे माल की बढ़ती लागत जैसे कारक अल्पकालिक प्रदर्शन को प्रभावित कर सकते हैं। कंपनी प्रबंधन ने संकेत दिया कि शहरी क्षेत्रों में खपत की रफ्तार अपेक्षा के अनुरूप नहीं है, जबकि कमोडिटी कीमतों में फिर से बढ़ोतरी के संकेत मिल रहे हैं। ऐसे में लाभ मार्जिन और बिक्री वृद्धि दोनों पर दबाव बनने की संभावना है। हालांकि कंपनी का कहना है कि उसके मजबूत ब्रांड पोर्टफोलियो, परिचालन दक्षता और प्रीमियम उत्पादों पर फोकस की रणनीति उसे इन चुनौतियों से निपटने में मदद करेगी। हाल ही में घोषित वित्तीय परिणामों में कंपनी ने परिचालन स्तर पर मजबूती दिखाई, हालांकि शुद्ध लाभ में मामूली गिरावट दर्ज की गई। विशेषज्ञों का मानना है कि उपभोक्ता वस्तु क्षेत्र इस समय मांग में सुस्ती और बढ़ती लागत जैसी दोहरी चुनौतियों का सामना कर रहा है। इसके बावजूद बड़ी कंपनियां उत्पाद नवाचार, वितरण नेटवर्क और लागत नियंत्रण के जरिए विकास की संभावनाएं बनाए रखने की कोशिश कर रही हैं। कंपनी ने निवेशकों को भरोसा दिलाया है कि वह बदलते बाजार माहौल पर लगातार नजर बनाए हुए है और दीर्घकालिक विकास रणनीति पर काम जारी रखेगी।

# घरेलू सर्राफा बाजार में गिरावट का रुख

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में गिरावट का रुख बना हुआ है। भाव में आई गिरावट के कारण चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना 170 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 180 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। इसी तरह चेन्नई में सोने के भाव में 120 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 130 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की कमजोरी आ गई है। चांदी के भाव में भी 200 रुपये प्रति किलोग्राम की सांकेतिक कमी आई है।

भाव में आई गिरावट के कारण देश के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,51,360 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,53,370 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना 1,38,740 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,40,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,64,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,51,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,38,890 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,51,360 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,38,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,51,410 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,38,790 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,53,370 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,40,590 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,51,360 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,38,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,51,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,38,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,51,510 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,38,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,51,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,38,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,51,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,38,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

# ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए थे। डाउ जान्स फ्यूचर्स बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान खरीदारी होती रही। वहीं एशियाई बाजार में मिला-जुला कारोबार हो रहा है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान टेक्नोलाजी स्टाक्स में आई गिरावट के कारण दबाव बना रहा। इस दबाव की वजह से वाल स्ट्रीट के सूचकांक मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। डाउ जान्स इंडस्ट्रियल एवरेज 328.64 अंक यानी 0.64 प्रतिशत बढ़ कर 51,999.67 के स्तर पर पहुंच गया। इसके विपरीत एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 0.57 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 7,511.35 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 307.60 अंक यानी 1.15 प्रतिशत की गिरावट के साथ 26,376.34 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.11 प्रतिशत की मजबूती के साथ 52,055.84 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान तेजी का माहौल बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.61 प्रतिशत की तेजी के साथ 10,494.21 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.75 प्रतिशत उछल कर 8,447.27 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 0.07 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,910.41 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में मिला-जुला कारोबार हो रहा है। एशिया के नौ बाजार में से पांच के सूचकांक कमजोरी के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि चार सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में बने हुए हैं। गिफ्ट निफ्टी 0.20 प्रतिशत की तेजी के साथ 24,074 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 0.69 प्रतिशत की छलांग लगा कर 8,786.97 अंक के स्तर पर आ गया है। स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स में सबसे अधिक तेजी आई है। फिलहाल यह सूचकांक 1.31 प्रतिशत की बढ़त के साथ 5,183.75 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि निक्केई इंडेक्स 519.50 अंक यानी 0.75 प्रतिशत की मजबूती के साथ 69,924 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। दूसरी ओर, हैंग सेंग इंडेक्स 0.33 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 24,414 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.36 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,582.39 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। ताइवान वेटेड इंडेक्स अभी तक के कारोबार में 356.69 अंक यानी 0.78 प्रतिशत फिसल कर 45,452.50 अंक के स्तर पर आ गया है। इसके अलावा जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.18 प्रतिशत टूट कर 6,243.41 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.18 प्रतिशत लुढ़क कर 4,084.54 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

# श्रीलंका टेस्ट सीरीज के लिए वेस्टइंडीज टीम घोषित अल्जारी जोसेफ और शमार जोसेफ की वापसी

एंटीगा

श्रीलंका के खिलाफ आगामी दो मैचों की घरेलू टेस्ट सीरीज के लिए वेस्टइंडीज ने अपनी टीम की घोषणा कर दी है। तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ और शमार जोसेफ की चोट के बाद टेस्ट टीम में वापसी हुई है।

वहीं विकेटकीपर-बल्लेबाज जोशुआ डा सिल्वा और अमीर जंगू को भी दोबारा मौका मिला है।

अल्जारी और शमार पिछले वर्ष भारत और न्यूजीलैंड दौरे के दौरान चोट के कारण टीम से बाहर थे। दोनों ने आखिरी बार 2025 में आस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट मुकाबला खेला था। उनकी वापसी से वेस्टइंडीज का तेज गेंदबाजी आक्रमण मजबूत हुआ है, जिसमें केमार रोच और जेडन सील्स भी शामिल हैं।

विकेटकीपर की भूमिका में जोशुआ डा सिल्वा की वापसी हुई है। घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करते हुए उन्होंने हालिया वेस्टइंडीज चैम्पियनशिप में सात पारियों में 413 रन बनाए और प्रतियोगिता के सबसे सफल बल्लेबाज रहे। वहीं पिछले दौरे में विकेटकीपिंग करने वाले तेविन इमलाच को मुख्य टीम में जगह नहीं मिली है। उन्हें श्रीलंका के खिलाफ 18 से 21 जून तक होने वाले चार दिवसीय अभ्यास मैच के लिए वेस्टइंडीज चयन एकादश का कप्तान बनाया गया है। बाएं हाथ के बल्लेबाज अमीर जंगू भी लंबे समय बाद टेस्ट टीम में लौटे हैं। उन्होंने घरेलू सत्र में सात पारियों में 411 रन बनाकर चयनकर्ताओं का ध्यान खींचा। मुख्य कोच डैरेन सैमी ने कहा कि हर टेस्ट सीरीज टीम के लिए अपनी पहचान मजबूत करने और बेहतर बनने का अवसर होती है। उन्होंने कहा कि श्रीलंका मजबूत टीम है और वेस्टइंडीज को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। सैमी ने बताया कि खिलाड़ी 12 जून से एंटीगा में चल रहे उच्च प्रदर्शन प्रशिक्षण शिविर में हिस्सा ले रहे हैं, जिससे टीम को अपनी तैयारी बेहतर करने का अवसर मिल रहा है।

यह सीरीज विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र का हिस्सा है, जिसमें वेस्टइंडीज फिलहाल नौवें स्थान पर है। पहला टेस्ट 25 से 29 जून और दूसरा टेस्ट 3 से 7 जुलाई तक नार्थ साउंड में खेला जाएगा।

**वेस्टइंडीज टेस्ट टीम:**

रोस्टन चेस (कप्तान), जोमेल वारिकन (उपकप्तान), जान कैम्पबेल, टैगेनरीन चंद्रपाल, जोशुआ डा सिल्वा (विकेटकीपर), जस्टिन ग्रीव्स, कावेम हाज, शाई होप, अमीर जंगू, अल्जारी जोसेफ, शमार जोसेफ, ब्रैंडन किंग, एंडरसन फिलिप, केमार रोच और जेडन सील्स।

## न्यूज ब्रीफ

### फीफा विश्व कप 2026: नार्वे ने इराक को 4-1 से हराकर की विजयी शुरुआत

**बोस्टन।** स्टार स्ट्राइकर एरलिंग हालांड के शानदार दो गोलों की बदौलत नार्वे ने फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप-आई मुकाबले में मंगलवार को इराक को 4-1 से हराकर टूर्नामेंट में विजयी शुरुआत की। 28 वर्षों बाद विश्व कप में लौटी नार्वे की टीम ने दमदार प्रदर्शन करते हुए पूरे अंक अपने नाम किए। मुकाबले में नार्वे ने 29वें मिनट में बढ़त बनाई, जब हालांड ने पहला गोल दागकर टीम को 1-0 से आगे कर दिया। हालांकि इराक ने हार नहीं मानी और 39वें मिनट में अयमन हुसैन ने गोल कर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। लेकिन बराबरी ज्यादा देर नहीं टिक सकी। पहले हाफ के अंत से ठीक पहले इराक की रक्षा पंक्ति की एक बड़ी गलती का फायदा उठाते हुए हालांड ने गलत बैकपास पर तेजी दिखाकर गेंद को जाल में पहुंचाया और नार्वे को फिर से बढ़त दिला दी। दूसरे हाफ में नार्वे ने खेल पर पकड़ मजबूत बनाए रखी। 76वें मिनट में लियो ओस्टिगार्ड ने कार्नर पर शानदार हेडर लगाकर टीम का तीसरा गोल किया। इसके बाद अतिरिक्त समय में इराक के खिलाड़ी अयमन के आत्मघाती गोल ने नार्वे की जीत पर मुहर लगा दी और मुकाबला 4-1 से समाप्त हुआ। इस जीत के साथ नार्वे ने बेहतर गोल अंतर के आधार पर ग्रुप-आई में फ्रांस को पीछे छोड़ते हुए शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। वहीं इराक को अगले मुकाबले में वापसी के लिए बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

### स्टोक्स के बचाव में आये नाथन लियोन

**सिडनी।** नाइटक्लब विवाद को लेकर आलोचनाओं में घिरे इंग्लैंड क्रिकेट टीम के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स के बचाव में आस्ट्रेलिया के अनुभवी आफ स्पिनर नाथन लियोन आये हैं। लियोन ने स्टोक्स की प्रशंसा करते हुए उन्हें क्रिकेट इतिहास के महानतम खिलाड़ियों में से एक बताया है और उम्मीद जताई है कि वे अभी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास नहीं लेंगे लियोन ने कहा कि उनके मन में इंग्लैंड के इस आलराउंडर के लिए बेहद सम्मान है। आस्ट्रेलियाई स्पिनर ने दृढ़ता से कहा, मैं सच में उम्मीद करता हूं कि यह स्टोक्स के करियर का अंत नहीं है। मेरे मन में उनके लिए बेहद सम्मान है। मेरी नजर में वह क्रिकेट खेलने वाले सबसे महान खिलाड़ियों में से एक हैं। लियोन ने यह भी उम्मीद जताई कि स्टोक्स अगले साल होने वाली एशेज सीरीज में मैदान पर जरूर नजर आएंगे, क्योंकि उनकी मौजूदगी खेल के लिए बेहद अहम है। ऐसे समय में जब स्टोक्स नाइट क्लब विवाद में व्यक्तिगत जांच के दायरे में हैं, लियोन जैसे प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ी का यह खुला समर्थन उन्हें मानसिक रूप से मजबूती प्रदान कर सकता है। एक ओर जहां लियोन ने स्टोक्स के भविष्य को लेकर अपनी चिंता और समर्थन व्यक्त किया, वहीं खुद वह भी अपने करियर के एक महत्वपूर्ण पड़ाव पर हैं। पिछले कुछ समय से हैमस्ट्रिंग की चोट से जूझ रहे 38 वर्षीय आफ स्पिनर अगस्त में बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की घरेलू सीरीज से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करेंगे। यह सीरीज 13 अगस्त से डार्विन में शुरू होगी।

### रुट नहीं स्टीवर्ट के नाम है सबसे अधिक अंतराल के बाद कप्तानी संभालने का रिकार्ड

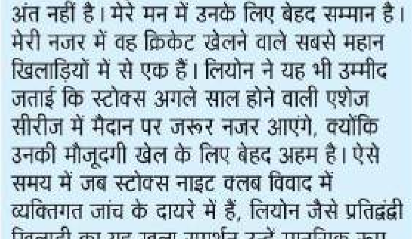

**बर्मिंघम ।** इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट करीब चार साल के अंतराल के बाद एक बार फिर टीम की कप्तानी करते दिखेंगे। नियमित कप्तान बेन स्टोक्स को नाइटक्लब विवाद के कारण दूसरे टेस्ट से बाहर कर दिया गया है। रुट ने इससे पहले साल 2022 में वेस्टइंडीज के खिलाफ आंखिरी बार टीम की कप्तानी की थी। इस प्रकार रुट को चार साल के अंतराल के बाद कप्तानी मिली है पर अगर सबसे अधिक अंतराल के बाद किसी की कप्तान के तौर पर वापसी हुई है तो ये रिकार्ड इंग्लैंड के ही पूर्व कप्तान एलेक स्टीवर्ट के नाम है। स्टीवर्ट ने साल 1993 में ग्राहम गूच के चोटिल होने पर दो टेस्ट मैचों में कप्तानी की थी। इसके बाद उन्हें 1998 तक इंतजार करना पड़ा, इस बीच उन्होंने 49 टेस्ट मैच बिना कप्तानी किए खेले। 1998 में उन्हें नियमित कप्तान बनाया गया था, इस तरह उन्होंने 49 टेस्ट मैचों के लंबे अंतराल के बाद कप्तानी में वापसी की। इस सूची में दूसरा सबसे लंबा गैप पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज वकार यूनिस के नाम है। वकार ने दिसंबर 1993 में एक टेस्ट में कप्तानी करने के बाद मई 2001 में फिर से टीम की बागडोर संभाली थी। इस दौरान उन्होंने 47 टेस्ट मैच खेले, जिनमें उन्होंने कप्तानी नही की थी। वह एशिया के पहले ऐसे कप्तान बने थे जिन्होंने दो अलग-अलग कार्यकाल में कप्तानी के बीच इतना लंबा अंतराल देखा।

# फीफा विश्व कप 2026 : एम्बाप्पे के दो गोल की बदौलत फ्रांस ने सेनेगल को 3-1 से हराया

न्यूयार्क

दो बार की विश्व चैंपियन फ्रांस ने फीफा विश्व कप 2026 में अपने अभियान की शुरुआत जीत के साथ की। मंगलवार को खेले गए ग्रुप-आई मुकाबले में फ्रांस ने सेनेगल को 3-1 से हराया, जिसमें स्टार स्ट्राइकर किलियन एम्बाप्पे ने दो गोल दागकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई।

पहले हाफ में सेनेगल ने फ्रांस को कड़ी चुनौती दी और कई मौके भी बनाए, लेकिन गोल करने में नाकाम रही। फ्रांस की टीम भी शुरुआती 45 मिनट में संघर्ष करती नजर आई।

दूसरे हाफ में कोच दिदिए देशां की रणनीति काम आई। माइकल ओलीसे को दाएं विंग से बीच में लाने के बाद फ्रांस के आक्रमण में तेजी आई। इसका फायदा 66वें मिनट में मिला जब ओलीसे के शानदार पास पर एम्बाप्पे ने बाक्स में दौड़ लगाते हुए गोल कर फ्रांस को 1-0 की बढ़त दिला दी।

इसके बाद फ्रांस ने दबाव बनाए रखा और मैच के अंतिम चरण में ब्रैडली बारकोला ने दूसरा गोल कर बढ़त को दोगुना कर दिया।

हालांकि अतिरिक्त समय में सेनेगल के लिए इब्राहिम एमबाये ने एक गोल कर स्कोर 2-1 कर दिया, लेकिन फ्रांस की बढ़त ज्यादा देर तक खतरे में नहीं रही।

मैच के 96वें मिनट में एम्बाप्पे ने लंबी दूरी से शानदार शाट लगाकर अपना दूसरा और टीम का तीसरा गोल दाग दिया। इस गोल के साथ एम्बाप्पे फ्रांस के सर्वकालिक सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए। उनके नाम अब अंतरराष्ट्रीय फुटबाल में 58 गोल हो गए हैं।

विश्व कप इतिहास में भी एम्बाप्पे ने नया मुकाम हासिल किया। उनके विश्व कप गोलों की संख्या 14 हो गई है और अब वह सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी मिरोस्लाव क्लोज़े (16 गोल) से सिर्फ दो गोल पीछे हैं। एम्बाप्पे ने इस सूची में पेले, लियोनेल मेसी और जस्ट फोंटेन को पीछे छोड़ दिया है।

फ्रांस अब अपने अगले मुकाबले में इराक से भिड़ेगा, जबकि उसके बाद उसका सामना एरलिंग हालांड की टीम नार्वे से होगा। वहीं सेनेगल को नाकआउट दौर की उम्मीद बनाए रखने के लिए आगामी मैचों में बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

### फीफा विश्व कप 2026: मेसी की हैट्रिक से अर्जेंटीना की शानदार शुरुआत, अल्जीरिया को 3-0 से हराया

**कैन्सस सिटी।** स्टार फुटबालर लियोनेल मेसी ने एक और ऐतिहासिक उपलब्धि अपने नाम करते हुए फीफा विश्व कप 2026 के पहले मुकाबले में हैट्रिक लगाई और अर्जेंटीना को अल्जीरिया पर 3-0 की शानदार जीत दिलाई। 38 वर्षीय मेसी ने मैच में तीन गोल दागकर न केवल टीम को जीत दिलाई, बल्कि विश्व कप इतिहास में सबसे ज्यादा गोल करने के रिकार्ड की बराबरी भी कर ली। मेसी अब विश्व कप में 16 गोल के साथ जर्मनी के पूर्व स्ट्राइकर मिरोस्लाव क्लोज़े के बराबर पहुंच गए हैं। इसके साथ ही मेसी विश्व कप के इतिहास में पांच अलग-अलग विश्व कप संस्करणों में गोल करने वाले दूसरे खिलाड़ी बन गए। इससे पहले यह उपलब्धि क्रिस्टियानो रोनाल्डो हासिल कर चुके हैं। अर्जेंटीना ने मुकाबले की शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और मेसी ने अपनी शानदार लय जारी रखते हुए अल्जीरिया की रक्षा पंक्ति को लगातार परेशान किया। उनके तीनों गोलों ने स्टेडियम में मौजूद दर्शकों को रोमांचित कर दिया। मेसी ने इस मुकाबले के साथ एक और रिकार्ड बनाया। वह विश्व कप में हैट्रिक लगाने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए और इस मामले में उन्होंने क्रिस्टियानो रोनाल्डो का रिकार्ड भी पीछे छोड़ दिया। विश्व चैंपियन अर्जेंटीना ने इस जीत के साथ अपने अभियान की दमदार शुरुआत की है और टीम ने खिताब बचाने की दिशा में मजबूत संकेत दिए हैं।

# बीसीसीआई ने त्रिकोणीय ए सीरीज में हुए विवाद को लेकर वैभव का बचाव किया

मुम्बई

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने श्रीलंका में जारी ए टीमों की त्रिकोणीय सीरीज में विवादों में फंसे भारत ए टीम के 15 साल के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी का बचाव किया है। इस सीरीज के एक मैच में वैभव और श्रीलंका ए के खिलाड़ी विशेन हलमबागे के बीच झड़प हुई थी। दोनो को ही एक दूसरे का धक्का देते हुए भी देखा गया था। जिससे बाद से ही दोनो पर कार्रवाई की मांग की जा रही थी। इसके बाद से ही ये सवाल उठ रहा था कि इस मामले में बीसीसीआई वैभव पर क्या कार्रवाई करता है। वहीं स पूरे मामले में अब बीसीसीआई का आधिकारिक बयान सामने आया है, जिसमें बोर्ड ने वैभव का समर्थन किया है।

गौरतलब है कि मैच के मैदान पर हुई इस आक्रामक घटना के बाद, वैभव के व्यवहार की आलोचना शुरु हो गयी थी। कई लोगों का मानना था कि खेल के मैदान पर ऐसी आक्रामकता स्वीकार्य नहीं है और एक उभरते हुए खिलाड़ी से धैर्य की उम्मीद की जाती है। इसके बाद भी बोर्ड ने वैभव को फटकार लगाने के बजाय उनका बचाव किया है। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने इस पूरे विवाद को एक मामूली बात करार दिया। उन्होंने कहा कि बोर्ड का पूरा ध्यान टीम की जीत और टूर्नामेंट पर केंद्रित है, न कि इस तरह के बाहर के मामलों पर बात करना। सैकिया ने कहा, हम अपने खिलाड़ियों को केवल टूर्नामेंट पर ध्यान केंद्रित करने देंगे। वे ऐसी किसी भी बाहरी या अप्रत्याशित घटना से अपना ध्यान न भटकाएं। इससे साफ है कि बोर्ड अपने खिलाड़ियों को बचाना चाहता है। ये मामला दांबुला में भारत ए और श्रीलंका ए के बीच खेले गए एक बेहद करीबी मैच के तुरंत बाद हुआ था। दूसरी ओर श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने अपने खिलाड़ियों के व्यवहार को लेकर फटकार लगाने के साथ ही कार्रवाई की है।

**श्रीलंकाई बोर्ड ने अपने खिलाड़ियों को फटकार लगायी**

### आस्ट्रेलिया की किसी भी टीम में मिल जाती विराट को जगह : ब्रैट ली

**सिडनी।** आस्ट्रेलिया के दिग्गज तेज गेंदबाज ब्रेट ली का मानना है कि भारतीय टीम के बल्लेबाज विराट कोहली एक ऐसे खिलाड़ी हैं जो आस्ट्रेलिया की किसी भी महान टीम का हिस्सा बन सकते हैं। ब्रैट ली के अनुसार इस टीम में उसी खिलाड़ी को जगह मिल सकती है। जिसके केवल रनों के आंकड़े ही बेहतर नहीं हों बल्कि मानसिकता, अनुशासन और तीव्र प्रतिस्पर्धात्मकता भी उसमें होनी चाहिये। ली के अनुसार, इन कसौटियों पर केवल विराट ही सही बैठते हैं इस पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा कि विराट में वह आक्रामकता, फिटनेस और मुकाबला करने की क्षमता है, जिस पर आस्ट्रेलियाई क्रिकेट को हमेशा गर्व रहा है। उनके अनुसार, कोहली हमेशा सफल होने के लिए निरंतर प्रयास करते थे और खेल के प्रति उनका नजरिया कभी किसी भी चीज से समझौता नहीं करता था। यह वह अटल मानसिकता ही थी जिसने उन्हें एक दशक से अधिक समय तक हावी रहने वाली आस्ट्रेलियाई टीम में सहजता से जगह दिला दी होती। पहले भी कई आस्ट्रेलियाई क्रिकेटरों ने विराट की प्रशंसा करते हुए उन्हें एक महान बल्लेबाज बताया था। ये विश्व क्रिकेट में उनके असाधारण कद को साबित करता है। कई प्रतिभाशाली क्रिकेटर उनसे पहले आए और उनके बाद भी आए, लेकिन अनुशासन, खेल के प्रति समर्पण और तीव्र इरादों के कारण विराट आज भी सभी से आगे खड़े हैं।

# न्यूजीलैंड ने 2026-27 केंद्रीय अनुबंध सूची जारी की, डेवन कानवे की वापसी

वेलिंगटन

**न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड (एनजेडसी) ने 2026-27 सत्र के लिए बुधवार को अपनी केंद्रीय अनुबंध सूची घोषित कर दी है। इस सूची में सलामी बल्लेबाज डेवन कानवे की वापसी हुई है, जबकि तेज गेंदबाज ब्लेयर टिकनर को भी दोबारा अनुबंध मिला है। वहीं आदित्य अशोक और मोहम्मद अब्बास इस बार सूची से बाहर हो गए हैं।**

डेवन कानवे पिछले दो वर्षों से दुनिया भर की टी-20 लीगों में व्यस्त रहने के कारण न्यूजीलैंड बोर्ड के साथ केवल सीमित समझौते के तहत जुड़े हुए थे। हालांकि अब उन्होंने अगस्त 2026 से जुलाई 2027 तक राष्ट्रीय टीम के सभी अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों के लिए खुद को उपलब्ध करा दिया है।

न्यूजीलैंड के मुख्य कोच राब वाल्टर ने कहा कि कानवे लंबे समय से तीनों प्रारूपों में टीम का अहम हिस्सा रहे हैं और उनकी वापसी ऐसे समय में हुई है जब टीम को बड़े बदलावों का सामना करना पड़ रहा है। विशेष रूप से केन विलियमसन के हालिया संन्यास के बाद कानवे का अनुभव टीम के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

दूसरी ओर तेज गेंदबाज ब्लेयर टिकनर ने घरेलू क्रिकेट और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार प्रभावशाली प्रदर्शन किया।

आयरलैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट में उनके पांच विकेट भी चयन का बड़ा आधार बने।

पिछले सत्र में केंद्रीय अनुबंध पाने वाले जैक फाल्क्स और मिच हे ने भी अपना स्थान बरकरार रखा है।

एनजेडसी ने यह भी स्पष्ट किया कि माइकल ब्रेसवेल और मार्क चैपमैन ने टेस्ट क्रिकेट अनुबंध रैंकिंग में शामिल नहीं होने का अनुरोध किया है। दोनों खिलाड़ी अब केवल सीमित ओवर प्रारूप के विशेषज्ञ के रूप में केंद्रीय अनुबंध सूची में रहेंगे।

बोर्ड ने बताया कि आने वाले सप्ताहों में सीमित अनुबंध (कैजुअल प्लेइंग एग्रीमेंट) की भी घोषणा की जाएगी, जिसमें फिन एलेन, लाकी फर्ग्यूसन और टिम सिफर्ट जैसे खिलाड़ी शामिल हो सकते हैं।

**न्यूजीलैंड केंद्रीय अनुबंध सूची (2026-27):**

टाम ब्लंडेल, माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, डेवन कानवे, जैकब डफी, जैक फाल्क्स, मिच हे, मैट हेनरी, काइल जैमीसन, टाम लैथम, डेरिल मिशेल, हेनरी निकोल्स, विल ओरूर्के, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रविंद्र, मिचेल सैंटनर, बेन सीयर्स, नाथन स्मिथ, ब्लेयर टिकनर और विल यंग।

# अक्षत रघुवंशी के तूफानी शतक से रीवा जगुआर्स की ऐतिहासिक जीत, जबलपुर 8 विकेट से पस्त

**म.प्र. प्रीमियर लीग : जबलपुर का 219 रनों का विशाल लक्ष्य 16.3 ओवर में ध्वस्त; अक्षत रघुवंशी ने खेली 64 गेंदों में 147 रनों की विस्फोटक पारी**

इंदौर

मध्य प्रदेश प्रीमियर लीग 2026 के 31वें मुकाबले में मंगलवार को क्रिकेट प्रेमियों को रनों का ऐसा सैलाब देखने को मिला, जिसने टी-20 क्रिकेट के कई समीकरण बदल दिए। होल्कर स्टेडियम की दूधिया रोशनी में रीवा जगुआर्स के बल्लेबाजों ने ऐसा कोहराम मचाया कि जबलपुर रायल लायन्स का 218 रनों का विशाल स्कोर भी बौना साबित हो गया। प्लेयर आफ द मैच रहे सलामी बल्लेबाज अक्षत रघुवंशी के विस्मयकारी और ऐतिहासिक नाबाद शतक (147) की बदौलत रीवा जगुआर्स ने महज 16.3 ओवरों में 2 विकेट खोकर इस अविश्वसनीय लक्ष्य को हासिल कर लिया।

**शुरुआती झटकों से उबरा जबलपुर, बाथम-टडा ने रीवा को धोया** - इससे पहले, टास हारकर बल्लेबाजी करने उतरी जबलपुर रायल लायन्स की शुरुआत बेहद निराशाजनक रही। रीवा के गेंदबाजों ने कसी हुई लाइन-लेंथ से जबलपुर के शीर्ष क्रम को पूरी तरह झकझोर दिया और महज 56 रनों के योग पर उनके 4 प्रमुख बल्लेबाज पवेलियन लौट चुके थे। इसके बाद कप्तान राहुल बाथम और रितिक टडा ने मोर्चा संभाला। दोनों ही बल्लेबाजों ने रीवा के गेंदबाजों पर जवाबी हमला बोलते हुए मैदान के चारों तरफ शानदार शाट खेले। कप्तान राहुल बाथम ने 33 गेंदों पर 4 चौकों और 5 छक्कों की मदद से 66 रनों की कप्तानी पारी खेली, जबकि दूसरे छोर से रितिक टडा ने और अधिक आक्रामक रुख अपनाते हुए महज 30 गेंदों में 6 चौके और 5 छक्के जड़कर 67 रनों की नाबाद पारी खेली। इन दोनों बल्लेबाजों के बीच हुई 99 रनों की ताबड़तोड़ साझेदारी और अजय रोहेरा के महत्वपूर्ण 49 रनों के दम पर जबलपुर ने निर्धारित 20 ओवरों में 8 विकेट खोकर 218 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया।

### खिलाड़ी जश्न मनायें पर तय सीमा के अंदर : मैकुलम

**लंदन।** नाइटक्लब विवाद को लेकर इंग्लैंड क्रिकेट टीम के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम ने कहा है कि खिलाड़ियों को सफलता के बाद जश्न मनाने का अधिकार है पर इस दौरान उन्हें ध्यान रखना चाहिये कि ये एक सीमा के अंदर हो। साथ ही कहा कि किसी भी हाल में व्यवहार खराब न हो। नाइटक्लब कांड में टीम के कप्तान बेन स्टोक्स और गस एटकिंसन फंसे हैं और इसी कारण दूसरे टेस्ट से भी बाहर कर दिये गये हैं। मैकुलम के अनुसार उनके खिलाड़ी अधिक जिम्मेदारी से फैसला लें और ऐसी कोई हरकत न करें जिससे माहौल खराब हो। मैकुलम ने माना है कि वह भी नाइटक्लब प्रकरण के लिए कुछ हद तक जिम्मेदार हैं। उन्होंने कहा, वास्तव में, मैं कोच होने के कारण टीम का प्रभारी हूं और जो भी चीजें ठीक से काम नहीं करतीं, उसकी जिम्मेदारी मैं लेता हूं। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वे खिलाड़ियों के लिए हर व्यक्तिगत फैसला नहीं ले सकते। मैकुलम ने अपनी भूमिका को परिभाषित करते हुए कहा, मेरा काम एक ऐसा वातावरण तैयार करना है, जो उन युवा खिलाड़ियों को सहारा दे सके जो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सबसे बड़े मंच पर उच्च दबाव और कड़ी निगरानी का सामना कर रहे हैं। वे साल के बारह महीने घर से दूर रहते हैं और इसके साथ आने वाली सभी चुनौतियों का सामना करते हैं। वे चाहते हैं कि उनके खिलाड़ी जश्न मनाएं, लेकिन उसकी एक सीमा अवश्य हो। साथ ही कहा कि खिलाड़ियों को इस बारे में गंभीरता से विचार करना चाहिए कि कितना जश्न मनाना ठीक है उन्होंने अत्यधिक जश्न को खतरनाक बताया। मैकुलम ने कहा, मैं ज्यादा (सेलिब्रेशन) में विश्वास नहीं करता।

# ब्रेड और कॉर्न खाने वाले हो जाएं सावधान

**सुबह** के नाश्ते में अधिकतर लोग ब्रेड, कार्न फ्लेक्स और कई तले-भुने पदार्थों का सेवन करते हैं लेकिन यही पदार्थ फेफड़ों के कैंसर का रोगी बना सकते हैं जिसका खुलासा एक नए शोध में हुआ है। व्हाइट ब्रेड, कार्न फ्लेक्स और तले-भुने चावल जैसे ग्लाइसेमिक इंडेक्स युक्त भोजन और पेय पदार्थ फेफड़ों के कैंसर के विकास को बढ़ा सकते हैं।

ग्लाइसेमिक सूचकांक और ग्लाइसेमिक इंडेक्स (जीआई) एक संख्या है जो एक विशेष प्रकार के भोजन से संबंधित है। यह व्यक्ति के रक्त में ग्लूकोज के स्तर पर भोजन के प्रभाव को संकेत करता है। गोरी त्वचा, हल्के रंग के बालों और नीली, हरे, रंग की आंखों वाले लोगों में यह एससीसी विकसित होने का सबसे ज्यादा खतरा होता है। शोधकर्ताओं ने अध्ययन में 1 हजार 905 रोगियों को शामिल किया था, जिन्हें हाल ही में फेफड़ों के कैंसर की शिकायत हुई थी। इसके साथ ही 2 हजार 413 स्वस्थ व्यक्तियों का भी सर्वेक्षण किया गया था। इस दौरान प्रतिभागियों ने अपनी पिछली आहार की आदतों और स्वास्थ्य इतिहास की जानकारी दी।

शोध के दौरान प्रतिदिन जीआई युक्त भोजन करने वालों में जीआई भोजन न करने वालों की तुलना में फेफड़ों के कैंसर का 49 प्रतिशत जोखिम देखा गया। आश्चर्य तौर पर कार्बोहाइड्रेट की सीमा मापने वाले ग्लाइसेमिक लोड (जीएल) का फेफड़ों के कैंसर से कोई महत्वपूर्ण संबंध नहीं मिला। शोधार्थियों का कहना है कि तंबाकू और धूम्रपान का सेवन न करने वालों में भी फेफड़ों के कैंसर के लक्षण मिले हैं जिससे पता चलता है कि आहार के कारक भी फेफड़ों के कैंसर जोखिमों से संबंधित हो सकते हैं।

# ज्यादा नारियल पानी से हो सकता है हार्ट अटैक

**नारियल** पानी पीने के यूं तो कई फायदे हैं। लेकिन गर्मी में डिहाइड्रेशन से बचने के लिए रोजाना दो गिलास से अधिक नारियल पानी लेना सेहत के लिए नुकसानदेह हो सकता है।

पानी की कमी पूरी करने के लिए केवल नारियल पानी पर निर्भर रहना सही नहीं है। इसमें मौजूद पोटैशियम शरीर में जाकर इस तत्व को सामान्य से अधिक कर देता है। जिससे खासकर किडनी व हृदय से जुड़ी समस्याएं बढ़ जाती हैं। पोटैशियम शरीर के लिए जरूरी इलेक्ट्रोलाइट है। सामान्य रूप से व्यक्ति को रोजाना 4700 मिग्रा पोटैशियम की जरूरत होती है। 250 मिली. नारियल पानी में 600 मिग्रा. पोटैशियम होता है। यह शरीर की तंत्रिकाओं, मांसपेशियों और हृदय के सुचारू कार्य करने के लिए जरूरी है।

## इन बातों का ध्यान रहे

कई बार हीट स्ट्रोक, डिहाइड्रेशन और डायरिया के पेशेंट्स शरीर में इलेक्ट्रोलाइट और पानी की कमी को पूरा करने के लिए दिन में कई बार

नारियल पानी का सहारा लेते हैं। लेकिन दिनभर में दो गिलास (500 एमएल) से अधिक यह पानी नहीं पीना चाहिए। हार्ट फेल्योर के बढ़ते चांस किडनी शरीर में मौजूद जरूरत से ज्यादा पोटैशियम को बाहर निकालती है। लेकिन इसके मरीजों में इसकी अधिक मात्रा बाहर नहीं निकल पाती और किडनी फैल्योर की आशंका बढ़ जाती है।

इसके अलावा पोटैशियम की अधिकता से हृदय की मांसपेशियां कमजोर होने लगती हैं जिससे धड़कनें अनियमित हो जाती हैं जिससे हार्ट फेल्योर के चांस भी बढ़ते हैं। इतना है जरूरी शरीर में पानी की कमी को फल व सलाद से पूरी कर सकते हैं। ये विटामिन और मिनरल तत्व का अच्छा स्त्रोत होते हैं।

# कच्चे पपीते की ड्रिंक दूर भगाए गठिया का दर्द

पैर की उंगलियों, घुटनों और एडी में गस के दर्द होता है तो समझिए कि खून में यूरिक एसिड की मात्रा बढ़ गई है। जब यूरिक एसिड क्रिस्टल के रूप में हमारे हाथ और पैरों के जोड़ों में जम जाता है तो उसे गाउट की बीमारी बोलते हैं। हांलाकि इस समस्या से बचने के लिए एक ड्रिंक जो कि कच्चे पपीते और पानी से तैयार की जाती है, जिसको दिनभर पीने से गाउट के दर्द में धीरे - धीरे आराम मिल जाता है।

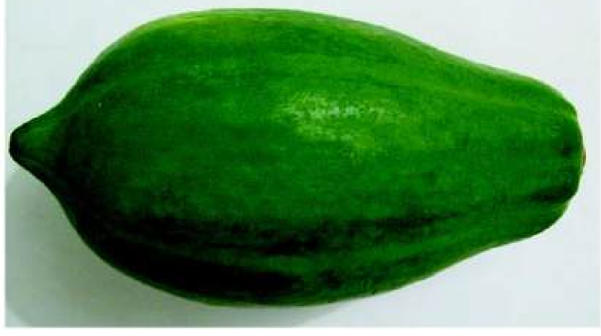

## वायु प्रदूषण से बच्चों को एलर्जी का खतरा

बढ़ता प्रदूषण हर दिन जीवन लिए खतरा बनता जा रहा है। एक शोध में बताया गया है जीवन के पहले एक साल तक बाह्य वायु प्रदूषण के संपर्क में आने से भोजन, मिट्टी, पालतू जानवरों और कीटों से एलर्जी होने का खतरा ज्यादा होता है। शोध के परिणाम दर्शाते हैं कि शैशवावस्था के दौरान यातायात संबंधी वायु प्रदूषण के संपर्क में आने से बच्चे एलर्जी के कारकों के प्रति संवेदनशील हो सकते हैं।

## ब्रोकली खाने से नहीं होगी ये बीमारी

एक नए अध्ययन में दावा किया गया है कि एक सप्ताह में तीन या चार बार ब्रॉकली खाने से टाइप 2 मधुमेह, हृदय रोग, अस्थमा और कई तरह के कैंसर के पनपने का खतरा कम हो सकता है। ऐसे जीन्स की पहचान की गई है, जो ब्रॉकली में फीनोलिक यौगिकों के जमाव को नियंत्रित करते हैं। जिन लोगों के आहार में इन यौगिकों की एक तय मात्रा होगी, उन्हें इन बीमारियों की चपेट में आने का खतरा कम होगा।

# कैसे रहेगी ताजगी बरकरार

**अक्सर** हम सब्जियां खरीद कर उन्हें फ्रिज और किचन की टोकरी में रख देते हैं। कुछ चीजों की जगह तो जैसे फिक्स-सी हो गई है। आलू, प्याज जैसी सब्जियों के लिए किचन की टोकरी, तो नींबू, टमाटर और दूसरी सब्जियां फ्रिज की टोकरी में रख दी जाती हैं। यह सोचे बिना कि कौन-सी सब्जी कहां स्टोर करनी चाहिए। लेकिन क्या आप जानते हैं, अगर सब्जियों को देखकर उन्हें सही जगह स्टोर किया जाए, तो वह लंबे समय ताज़ा बनी रहती हैं। आइए जानें ऐसी ही कुछ जरूरी बातें, जो आपकी सब्जियों को बनाए रखेंगी कई दिनों तक फ्रेश।

## प्याज

अक्सर लोग प्याज लाने के बाद उसे पॉलीथीन में ही रख देते हैं, लेकिन ऐसा नहीं करना चाहिए। ऑक्सीजन की कमी उसकी लाइफ को कम कर देती है। प्याज को अंधेरी,

सूखी और ठंडी जगह पर रखा जाए, तो वह लंबे समय तक ठीक रहती है, लेकिन ज्यादा ठंडी जगह पर नहीं रखना चाहिए। इन्हें अखबार में या फिर कागज के बैग में छोटे-छोटे छेद करके लपेट देना चाहिए। दूसरी बात जो ध्यान रखनी चाहिए, आलू और प्याज को कभी भी एक साथ स्टोर नहीं करना चाहिए क्योंकि आलू में से जो गैस निकलती है वह प्याज को खराब कर सकता है।

## नींबू

अक्सर सभी घरों में नींबू काफी तेजी से इस्तेमाल और पसंद किए जाते हैं। अक्सर लोगों को सवाल होता है कि इन्हें लंबे समय तक जूसी और ताज़ा कैसे रखा जा सकता है? तो आपको बता दें कि नींबू को सिर्फ रेफ्रिजरेटर में ऐसे ही न रखें। इन्हें ज़िप लॉक में रखकर टाइट बंद कर दें। इन्हें काउंटर पर खुला छोड़ने से परहेज करें। ऐसा करने से नींबू का रस सूख जाता है। वहीं, कुछ लोगों का कहना है कि नींबूओं की नमी बरकरार रखने के लिए इन्हें पानी में डालकर छोड़ दें।

## केला

केलों को सड़ने से बचाने का सबसे आसान तरीका है, उसके क्राउन (केले का ऊपरी भाग, जहां उसकी जड़े मिलती हैं) को प्लास्टिक से लपेट कर रख दें। केले में से इथाइलीन नामक गैस निकलती है, जो कि फलों को पकाती है। इसकी जड़ को प्लास्टिक बैग से लपेटकर, उसमें पैदा होने वाली गैस को बचे हुए भाग तक पहुंचने से बचाया जा सकता है। इसकी ज्यादातर गैस जड़ों के माध्यम से ही निकलती है। आप सही केलों को गुच्छे से अलग करके पके हुए केलों को अलग कर सकते हैं क्योंकि पके हुए केले ज्यादा गैस रिलीज़ करते हैं। इसके अलावा, जड़ों को एक साथ अलग न करें, इससे भी केले जल्दी ब्राउन होते हैं।

## टमाटर

टमाटर को स्टोर करने से पहले हमें इस बात को जान लेना चाहिए कि उन्हें ठंडी जगह पर रखना चाहिए या नहीं। हम में से बहुत से लोग सोचते हैं कि फलों और सब्जियों को खराब होने से बचाने के लिए सबसे अच्छा तरीका है उन्हें रेफ्रिजरेटर में रख देना, लेकिन यह फॉर्मुला हर बार काम नहीं करता। बिना पके टमाटरों को कमरे के तापमान पर ही रखा जाना चाहिए, ताकि वह ज्यादा जूसी और टेस्टी बन जाएं। ज्यादा तापमान में वह अपना फ्लेवर खो देते हैं। सिर्फ पूरे पके हुए टमाटरों को ही प्लास्टिक बैग में करके फ्रिज में रखा जा सकता है लेकिन ध्यान रखें कि उन्हें इस्तेमाल करने के आधे घंटे पहले ही उन्हें फ्रिज से निकाल कर कमरे के तापमान पर ले आएं।

## आलू

लगभग हर घर की किचन में दिखने वाला आलू, काफी बहुमुखी होता है। लेकिन जब हम इन्हें अंकुरित देखते हैं, तो बहुत बुरा लगता है। इन्हें फ्रिज में रखने की जरूरत नहीं होती। बस, इन्हें जाली वाले बैग में रख दें। अगर आप इन्हें ठंडी जगह पर स्टोर कर देंगे, तो इनमें उपस्थित स्टार्च शुगर में बदलने लगता है, जिससे आपके खाने का स्वाद खराब हो जाता है। इन्हें रोशनी में बाहर निकाल कर ही रखें और आलूओं को कभी भी धोकर स्टोर न करें क्योंकि नमी से आलू खराब हो जाते हैं।

## मसाले

जीरा, धनिया, गरम मसाला, हल्दी, काली मिर्च, दालचीनी- ये कुछ ऐसे मसाले हैं, जिन्हें किचन में रखने के बाद देखने की जरूरत पड़ती है। अक्सर, हम इन्हें महत्वपूर्ण नहीं समझते और किचन के कैबिनेट में रखकर भूल जाते हैं। उन मसालों को इस्तेमाल करने से बचें, जिनकी टेस्ट और खुशबू खत्म हो चुकी हो। रोशनी, हवा, गर्मी और नमी मसालों के दुश्मन हैं। आप इन्हें टिन के जार में स्टोर कर सकते हैं लेकिन ध्यान रखें कि डिब्बे टाइट बंद हो और उन्हें गैस से दूर रखें।

## पनीर

पनीर अक्सर सभी लोगों का फेवरिट होता है इसे प्लास्टिक बैग में लपेट के इसके टेस्ट को खराब नहीं करना चाहिए। इसे स्टोर करते समय ध्यान रखना चाहिए कि यह आसानी से सांस ले सके और सूखे नहीं। इन्हें स्टोर करने का सबसे अच्छा तरीका है पार्चमेंट पेपर। यही नहीं, आप इन्हें सुरक्षित रखने के लिए टेप का इस्तेमाल भी कर सकते हैं। इसे न ज्यादा टाइट बंद करना है और न ही ज़्यादा ढीला। प्लास्टिक के अलावा, आप इसे एल्यूमीनियम फॉइल पेपर में लपेट सकते हैं। लंबे समय तक ताज़गी बनाए रखने के लिए जब भी आप इसे खोलें, तो कोशिश करें फिर से नए फॉइल में ही लपेटें। इसके साथ ही, अगर आप फ्रिज में पनीर रख रहे हैं, तो ध्यान रहे कि पनीर फ्रिज के नीचे वाले भाग में ही रखें। साथ ही, पनीर को फ्रिजर में रखने से उसकी नरमी खत्म हो जाती है। पनीर के कटे हुए किनारों को टूटने से बचाने के लिए उसके किनारों पर जैतून का तेल और कनोला तेल लगाया जा सकता है।

# साइड इफेक्ट से बचाता है आड़ू

**रोग** प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाला आड़ू पेट और लिवर को भी दुरुस्त रखता है। इसमें मौजूद बीटा कैरोटिन विटामिन-ए का निर्माण करता है जो रेटिना को स्वस्थ रखने के साथ आंखों की रोशनी भी बढ़ाता है। शरीर से विषैले तत्वों को बाहर निकालकर रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाला आड़ू पेट और लिवर को भी दुरुस्त रखता है। इसमें मौजूद बीटा कैरोटिन विटामिन-ए का निर्माण करता है जो रेटिना को स्वस्थ रखने के साथ आंखों की रोशनी भी बढ़ाता है। यह एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है जो ब्रेस्ट कैंसर की आशंका को कम करने के साथ कीमोथैरेपी के साइड इफेक्ट से भी बचाता है। एनीमिया के रोगियों के लिए यह फायदेमंद है।

## न्यूट्रीशन इंडेक्स

175 ग्राम आड़ू लगभग 68 कैलोरी ऊर्जा प्रदान करता है। इसमें 10 प्रतिशत कार्बोहाइड्रेट और 6 फीसदी फाइबर होता है। साथ ही इसमें 11 फीसदी विटामिन-ए और 19 फीसदी विटामिन-सी होता है। आड़ू में बहुत कम फैट (1 प्रतिशत) होता है इसलिए डाइटिंग करने वालों के लिए यह अच्छा होता है। इसमें कैल्शियम, पोटैशियम व आयरन तत्व होते हैं।

**कितनी मात्रा जरूरी**

प्रतिदिन 2-3 आड़ू खाए जा सकते हैं।

**ध्यान रखें...**

इसे दूसरे फलों के साथ मिलाकर न खाएं। भोजन के तुरंत बाद खाने की बजाए इसे आधे घंटे बाद खाएं।

**इनके लिए मनाही**

जिन्हें एलर्जी और शरीर में सूजन की समस्या हो वे इसे खाने से पहले डॉक्टरी सलाह लें।

# किचन में शामिल करें ये जड़ी-बूटी

जब भी हम खाना खाने टेबल पर बैठते हैं, तो खाने का स्वाद ही हमारी भूख को संतुष्ट कर पाता है। सिर्फ इसी वजह से कुछ मास्टर्स अपनी डिश बनाने और उसे एक नया स्वाद देने के लिए मसालों से लेकर जड़ी-बूटी और कई चीजों का इस्तेमाल कर रहे हैं। आयुर्वेदिक कुकिंग में स्वाद बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसमें इस बात का भी ध्यान रखा जाता है कि खाने को सिर्फ स्वादिष्ट ही नहीं बने, बल्कि उसमें सभी सामग्री को एक साथ डालकर, किस प्रकार स्वास्थ्य को फायदा पहुंचाया जाए। हर

सामग्री का अपना एक अलग गुण होता है, जिसके इस्तेमाल से आप शरीर को लाभ पहुंचा सकते हैं।

जड़ी-बूटी, एक तरह से स्वाद को निखारने और मजेदार बनाने के लिए इस्तेमाल में लाई जाती हैं। अगर यह जड़ी-बूटी किचन में देखने को मिले, तो शायद ही कोई कुक ऐसा होगा जो, मामूली डिश को ज़ायकेदार बनाने से चूकेगा। यह ऐसी जड़ी-बूटी हैं, जो खाने में जान डाल देने वाली हैं। आप इन्हें कई तरह से अपने खाने में शामिल कर सकते हैं। जैसे स्प्रिग (टहनी) को काटकर आप एक सामग्री की तरह इस्तेमाल कर सकते हैं या पास्ता में डाल सकते हैं। इसके अलावा आप इससे करी और मिश्रण भी तैयार कर सकते हैं। तो चलिए आपको बताते हैं कुछ आयुर्वेदिक जड़ी-बूटी, जिनके इस्तेमाल से आप अपने खाने को एक नया स्वाद देने के साथ शरीर को स्वास्थ्य संबंधित कई फायदे दे सकते हैं। आइए बताते हैं इन्हें आप किस तरह अपने किचन में प्रयोग में ला सकते हैं।

## कढ़ी पत्ता

साउथ इंडियन क्यूज़ीन की शान कढ़ी पत्ता सबसे ज्यादा तीखे मीट, फ्राइड खाना समेत सांभर, रसम, उपमा, डोसा के भरावन मिश्रण और चटनी बनाने में इस्तेमाल किया जाता है। कई लोग तो इसे दाल में तड़का लगाने में भी शामिल करते हैं। इसका तीखा स्वाद, भारतीय मसालों के अलावा काली मिर्च के साथ बहुत बढ़िया होता है। खाना बनाते समय तेल में तड़का लगाने के लिए इसकी महक ही काफी होती है।

## तेजपत्ता

इस खुशबूदार पत्ते में कई आरोग्य गुण होते हैं। रसोई में यह दाल, करी, बिरयानी, राजमा और छोले के स्वाद को बढ़ाने के लिए प्रयोग में लाया जाता है। यह सूखा होता है। डिश में इसका हल्का स्वाद देने के लिए आप एक घंटे के लिए खाने को हल्की आंच पर रखकर छोड़ सकते हैं। यह खाया नहीं जाता, इसलिए डिश के बन जाने के बाद इसे निकालकर फेंक दिया जाता है। मार्किट में इसकी ताज़ा पत्तियां भी उपलब्ध हैं। ऐसा कहा जाता है कि रात में ताजे तेजपत्ता को पानी में भिगोकर रखने और सुबह उसी पानी का सेवन करने से बल्ड शुगर लेवल पर नियंत्रण रखा जा सकता है।

## पुदीना

पुदीना या मिंट अक्सर सभी के रसोईघर में मौजूद होता है। यह सिर्फ एक मेडिकल गुण रखने वाला ही नहीं, बल्कि डिश को अच्छा स्वाद देने के लिए भी इस्तेमाल किया जाता है। भारतीय घरों में पुदीना चटनी, ज्यादातर सभी तरह के खाने के साथ परोसी जाती है। कई बार मिंट का ताजा स्वाद गर्मियों में जूस और ड्रिंक्स में भी शामिल किया जाता है। पुदीना, पाचन क्रिया को सही कर, खांसी, जुखाम, शरीर के दर्द और थकान को ठीक करने में मदद करता है।

## होली बासिल (तुलसी)

स्टिर फ्राई खाने को हल्का तीखा स्वाद देने के लिए आप इसका इस्तेमाल कर सकते हैं।

## रेसिपी

### चोको चिप केक

**सामग्री**

वनीला एसन्स 1 टेबल स्पून, दूध 2/3 कप, चीनी 1 कप, मैदा 1 + 1/4 कप, अंडे 3, बेकिंग सोडा 1 + 1/4 टेबल स्पून, मक्खन 150 ग्राम, चोको चिप 1 कप।

**विधि**

चीनी और मक्खन को किसी बड़े बाउल में निकालकर अच्छी तरह से तब तक फेंटे जब तक मक्खन चीनी के साथ अच्छे से मिल नहीं जाता (फेंटने के लिए आप मिक्सर का उपयोग कर सकते है)। अंडों को फोड़कर मिक्सर में 1 मिनट तक फेंटना है। अंडे दुगने लगने लगेंगे। एक छलनी मे मैदा और बेकिंग सोडा डाल कर छान लीजिये, ताकि इसमें हवा भर जाए। अंडों को चीनी वाले घोल के साथ अच्छे से फेट लीजिए। इसके बाद वनीला एसेंस चीनी वाले घोल में डाल दे। उसके बाद दूध डाल दीजिये और अच्छी तरह फेट लीजिए। इसमें मैदा डाल कर अच्छी तरह से फिर से फेट लीजिए। केक को बर्तन में डालने से पहले उस बर्तन में चारों तरफ तेल या घी लगा ले, उपर से एक छोटी चम्मच मैदा चारो तरफ डाल दीजिये। फिर मैदा के घोल को केक बनाने वाले बर्तन मे डाल दीजिए और उपर से चोको चिप डाल दीजिए। ध्यान रहे इसे चम्मच से दबाना नहीं है बर्तन को हिला-हिला कर केक के पेस्ट को एक समान कर लीजिए। माइक्रोवेव में 20 मिनट टाइम सेट कर दीजिए या ओवन मे 180 डिग्री पर प्री हीट कर लीजिए और 20 से 25 मिनट पर पकने दीजिए। केक मे चाकू डाल कर देख लीजिए केक चाकू से चिपक तो नहीं रहा। केक बनकर तैयार है।

### बसंती हलवा

**सामग्री**

2 कप कसा हुआ कद्दू, 1 कप दूध, 200 ग्राम खोया, 1/2 कप चीनी, 1/2 कप मेवा (बादाम, किशमिश, काजू), 1/2 टी स्पून इलायची पाउडर, 1 चुटकी केसर, 1 टे.स्पून देसी घी।

**सजाने के लिए:** चांदी का वर्क, 1/2 कप सूखा नारियल (कसा हुआ)।

**विधि**

कद्दू को छीलकर धो लें और कद्दूकस करके पानी डालकर उबाल लें। ठंडा होने पर हाथों से निचोड़कर सारा पानी निकाल दें। कड़ाही में घी डालकर उसमें कद्दू डालकर धीमी आंच पर भून लें। दूध में खोया और केसर डालकर अच्छी तरह मिलाएं और कड़ाही में डाल दें। जब दूध हलवे में अच्छी तरह मिल जाए, तब उसमें चीनी, इलायची पाउडर और मेवे डालकर 15 मिनट तक चलाये, गर्मागर्म बसंती हलवा चांदी के वर्क और सूखे नारियल से सजाकर सर्व करें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
**संपादक : राकेश शर्मा,** मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 ( संपादकीय )** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **( सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन )**